Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 24 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-205

सैटेलाइट इमेज में हुआ खुलासा
हम सोते रहे, पैंगोंग त्सो पर चीन ने बना लिया पुल

लेह, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

हम सोते ही रह गए, चीन ने पैंगोंग त्सो पर पुल भी तैयार कर लिया। पुल बनता रहा, लेकिन हमें पता भी नहीं चला। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को चुनाव लड़ने से फुर्सत नहीं थी और मंत्रालय एवं सरकार चुनावी छुट्टियां मना रही थी। हाल ही में जारी सैटेलाइट तस्वीरों से यह खुलासा हुआ कि चीन ने युद्ध गति से पैंगोंग त्सो झील पर पुल बना लिया है। अब सरकार कह रही है कि लद्दाख के गलवान घाटी में खूनी झड़प के बाद साल 2021 में चीन ने इस पुल का निर्माण कार्य शुरू किया था।

पूर्वी लद्दाख में चीन से जारी गतिरोध के बीच हाल ही में जारी सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि चीन ने पैंगोंग त्सो पर पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया। यह पुल अब बन कर तैयार है। एलएसी के पास यह पुल बनाने के पीछे चीन का मकसद झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों के बीच सैनिकों की जल्द तैनाती है। वहीं झील के उत्तरी छोर पर फिंगर 8 से यह पुल करीब 20

रेजांग ला से फिंगर-4 तक रखेगा सीधी नजर

किमी दूर पूर्व में है। लद्दाख के गलवान घाटी में खूनी झड़प के बाद साल 2021 में चीन ने इस पुल का निर्माण कार्य शुरू किया था।

जियो-इंटेलिजेंस एक्सपर्ट डेमियन सिमोन की तरफ से जारी 17 जुलाई 2024 की सैटेलाइट इमेज से जानकारी मिली है कि पुल बन कर तैयार है, वहीं पुल पर सड़क भी बन कर तैयार है। अब तक चुप्पी साधे रही सरकार कह रही है कि 02 जुलाई 2024 को ब्रिज और कनेक्टिंग रोड तो बन कर तैयार थी, लेकिन उस पर ब्लैकटॉपिंग नहीं हुई थी। यह पुल अक्टूबर 2021 के आसपास बनना शुरू हुआ था। यह पुल 134 किलोमीटर लंबी पैंगोंग झील के सबसे संकरे बिंदु पर स्थित खुर्नक किले के पास बनाया जा रहा है। चीन ने जून 1958 में खुर्नक किले के आसपास के इलाके पर कब्जा कर लिया था।

यह पुल पैंगोंग त्सो झील के उत्तरी किनारे को दक्षिणी किनारे से जोड़ेगा, जिससे चीन को एक किनारे से दूसरे किनारे पर तेजी से सेना भेजने में आसानी हो जाएगी। साथ ही अग्रिम इलाकों में सप्लाई और रसद की तेजी से आवाजाही भी हो सकेगी। इसके अलावा दक्षिण किनारे पर स्थित रेजांग ला के नजदीक स्पांगुर त्सो तक पहुंच आसान हो जाएगी। वहीं, पैंगोंग के उत्तरी किनारे पर फिंगर-4 तक चीन तेजी से पहुंच सकेगा। भारत के दावे के मुताबिक यह पुल वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से 40 किमी की दूरी पर है। यह पुल सिरिजाप से सिर्फ 25 किलोमीटर दूर है, जो फिंगर 8 क्षेत्र के पूर्व में स्थित है। इस इलाके पर भारत अपना दावा करता है। ▶10 पर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पेश किया आम बजट
अमृत काल का महत्वपूर्ण बजट : मोदी

- किसानों और युवाओं के लिए कई बड़ी घोषणा
- 64 हजार महीने तक की कमाई पर टैक्स नहीं
- कैंसर की तीन दवाओं पर कस्टम ड्यूटी हटाई
- सोना, चांदी, प्लैटिनम पर सीमा शुल्क घटाया

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लोकसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 का आम बजट पेश किया। बजट में किसानों और युवाओं के लिए कई बड़े ऐलान किए गए हैं। बजट को लेकर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि आम बजट अमृत काल का महत्वपूर्ण बजट है। यह पांच साल के लिए हमारी दिशा तय करने के साथ ही 2047 तक विकसित भारत की आधारशिला रखेगा। निवेशकों के सभी वर्गों पर लगने वाले एंजल टैक्स को समाप्त करने का प्रस्ताव दिया गया है। इससे देश के स्टार्टअप को फायदा मिलेगा और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि आयकर अधिनियम 1961 की व्यापक समीक्षा की जाएगी। जिससे टैक्स संबंधी विवाद और मुकदमेबाजी कम होगी। इसे 6 महीने में पूरा करने का प्रस्ताव है। वित्त मंत्री ने कहा कि केवल उन मामलों में आयकर आकलन को 3 साल बाद फिर से खोला जाएगा, जहां बची हुई आय 50 लाख रुपए और उससे अधिक है। वित्त मंत्री ने कहा कि दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर को 10 से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत किया गया और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ छूट 1 लाख से बढ़ाकर 1.25 लाख किया गया है। अल्पकालिक पूंजीगत लाभ कर 15 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया गया है। ई-कॉमर्स ऑपरेटर्स के लिए टीडीएस एक फीसदी से घटाकर 0.1 फीसदी किया गया कर व्यवस्था पर वित्त मंत्री ने कहा कि चैरिटी के मामलों में दो अलग-अलग व्यवस्थाओं की जगह एक कर छूट व्यवस्था होगी। साथ ही विभिन्न भुगतान के लिए पांच फीसदी टीडीएस की जगह दो फीसदी टीडीएस की व्यवस्था होगा। म्यूच्यूअल फंड्स या यूटीआई के पुनः खरीददारी पर 20 फीसदी टीडीएस को वापस ले लिया गया है। ई-कॉमर्स ऑपरेटर्स के लिए टीडीएस को एक फीसदी से घटाकर 0.1 फीसदी कर दिया गया है। साथ ही टीडीएस भरने में देरी को अपराध भी नहीं माना जाएगा। 25 महत्वपूर्ण खनिजों को सीमा शुल्क से छूट दी जाएगी और उनमें से दो पर बीसीडी कम किया जाएगा। वित्तीय घाटा 2024-25 तक सकल घरेलू उत्पाद का 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। सरकार का लक्ष्य घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे पहुंचाना है। ▶10 पर

चीन से टकराव और पाकिस्तान की हरकतों के बावजूद
रक्षा बजट मोदी सरकार की प्राथमिकता में नहीं

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट पेश किया है। वैसे तो इस बजट में कई बड़े ऐलान हुए हैं, युवाओं और ग्रामीण भारत पर फोकस दिखा है, लेकिन सभी हैरान है कि वित्त मंत्री ने अपने भाषण में एक बार भी डिफेंस सेक्टर का जिक्र नहीं किया। अब जिक्र नहीं किया, तो इसका मतलब यह नहीं है कि बजट में इस सेक्टर को नजरअंदाज कर दिया गया है। इस बार के बजट में मोदी सरकार ने 6 लाख 29 हजार 940 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। कहा जा सकता है कि जो अंतरिम बजट पेश किया गया था, उसी के आसपास ही सरकार ने इस बार भी अपना बजट रखा है। आंकड़े बताते हैं कि अंतरिम बजट की तुलना में डिफेंस बजट सिर्फ 0.064 प्रतिशत बढ़ा है। हैरानी की बात यह है कि जिस समय देश को चीन से चुनौती मिल रही है, सीमा पर तनाव ज्यादा है, ▶10 पर

बजट में रेलवे का भी जिक्र नहीं किया

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में रेलवे बजट को लेकर कोई चर्चा नहीं की। केंद्र सरकार ने रेलवे के पूंजीगत व्यय को अंतरिम बजट के अनुरूप ही रखा, इसीलिए उसकी चर्चा करने की भी जरूरत नहीं समझी। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस पर निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि बजट में रेलवे का कोई जिक्र ही नहीं हुआ। ▶10 पर

64 हजार महीने की कमाई पर नहीं लगेगा टैक्स

नई कर प्रणाली से होगा 17500 का लाभ

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर दाताओं को राहत देते हुए नई कर प्रणाली के टैक्स स्लैब में बदलाव का ऐलान किया है। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा है कि नई दरों के अमल में आने से देश के करीब चार करोड़ करदाताओं को आयकर के मद में 17500 रुपए तक का लाभ होगा। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने स्टैंडर्ड डिडक्शन मद में मिलने वाली 50 हजार रुपए की छूट की राशि को बढ़ाकर 75000 रुपए कर दिया है। नई कर प्रणाली के तहत तीन लाख रुपए तक की आमदनी को टैक्स फ्री रखा गया है। हालांकि, सात लाख रुपए तक की आमदनी वालों को टैक्स नहीं देना पड़ता है। इसका कारण हम आपको आगे बताएंगे। पहले जानिए इस बार टैक्स दरों में क्या बदलाव किया गया? ▶10 पर

● कई वस्तुओं की कीमतें घटीं, कुछ की बढ़ीं

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में कई अहम उत्पादों पर टैक्स बढ़ाने और घटाने का ऐलान किया है। कैंसर से जुड़ी तीन दवाओं पर कस्टम ड्यूटी हटाई गई। एक्सरे ट्यूब और फ्लैट पैनल डिटेक्टर पर भी आयात शुल्क हटाया गया। मोबाइल फोन और पार्ट्स पीसीबी और मोबाइल फोन चार्जर पर कस्टम ड्यूटी 15 फीसदी घटी। 25 आवश्यक खनिजों पर सीमा शुल्क नहीं लगेगा। सोलर सेल और सोलर पैनल के निर्माण की वस्तु पर टैक्स में छूट। सोने और चांदी पर सीमा शुल्क घटाकर छह फीसदी किया गया। प्लैटिनम पर सीमा शुल्क घटकर अब 6.4 फीसदी हुआ। ▶10 पर

● 4.1 करोड़ रोजगार के लिए 1.48 लाख करोड़ का प्रावधान

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहला बजट में देश के युवाओं की नाराजगी को दूर करने के लिए कई अहम निर्णय लिए हैं। 2 लाख करोड़ रुपए के केंद्रीय परिव्यय के साथ 5 वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए पांच योजनाओं और पहलों के लिए प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा की गई है। इस वर्ष शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

केंद्र सरकार रोजगार से जुड़े प्रोत्साहन योजना के तहत तीन योजनाओं पर काम कर रही है। ▶10 पर

● युवकों के फायदे की हुई कई घोषणाएं

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लोकसभा में पेश किए गए आम बजट पहली बार नौकरी पाने वालों को तोहफा दिया गया है। संगठित क्षेत्र में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन एडवांस दिया जाएगा। यह वेतन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए तीन किस्तों में जारी होगा।

सीतारमण ने कहा, रोजगार और कौशल विकास सरकार की नौ प्राथमिकताओं में से एक है। इसके तहत पहली बार नौकरी करने वालों को बड़ी मदद मिलने जा रही है। संगठित क्षेत्र में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा। ▶10 पर

● गरीब और मध्यम वर्ग को मिलेंगे एक करोड़ घर

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय बजट में किसानों, महिलाओं और युवाओं को लेकर कई अहम ऐलान किए गए हैं। आवासन क्षेत्र के लिए भी कई अहम घोषणाएं की गईं। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में तीन करोड़ अतिरिक्त घरों की घोषणा की गई है। इसके लिए आवश्यक आवंटन किया गया है। औद्योगिक श्रमिकों के लिए छात्रावास शैली के आवासों के साथ किराये के आवास बनाए जाएंगे। इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी मोड) के माध्यम से किया जाएगा।बजट में पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 योजना का ऐलान किया गया है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 27°
न्यूनतम : 23°

बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा नहीं
बिहार और आंध्र के इंफ्रास्ट्रक्चर की मजबूती केंद्र की गारंटी

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार के वर्ष 2014 के बाद बदले गए प्रावधानों के तहत बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा तो नहीं मिलेगा, लेकिन दोनों राज्यों के ढांचागत विकास और मजबूती के लिए केंद्रीय बजट में खास व्यवस्था की गई है। केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए समन्वित प्रयास करने की गारंटी दी है। बहुपक्षीय विकास एजेंसियों के माध्यम से आंध्र प्रदेश को वित्तीय सहायता की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। चालू वित्त वर्ष में 15 हजार करोड़ और आगामी वर्षों में अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था की जाएगी। पोलावरम सिंचाई परियोजना को जल्दी पूरा कराने के लिए केंद्र सरकार ने पूरी प्रतिबद्धता जताई है। इससे देश को खाद्य सुरक्षा में भी सहायता मिलेगी। विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारे में कोप्पार्थी क्षेत्र में बुनियादी ढांचे पर जोर दिया जाएगा। बजट में भी इसका प्रावधान किया गया है। आंध्र

प्रदेश को आर्थिक विकास के लिए पूंजीगत निवेश के लिए एक वर्ष तक अतिरिक्त आवंटन मिलेगा। बजट में रायलसीमा, प्रकाशम और उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों के लिए अनुदान का प्रावधान किया गया है।

दूसरी तरफ बिहार की सड़क-संपर्क परियोजनाओं के लिए 26 हजार करोड़ रुपए देने का ऐलान किया गया है। इससे पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस-वे का विकास होगा। बोधगया, राजगीर, वैशाली और दरभंगा सड़क संपर्क परियोजनाओं का भी विकास होगा। बक्सर में गंगा नदी पर दो लेना वाला एक अतिरिक्त पुल बनाने में भी मदद होगी। बिहार में 21 हजार 400 करोड़ रुपए की लागत से विद्युत परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। इसमें पीरपैंती में 2400 मेगावाट के एक नए संयंत्र की स्थापना भी शामिल है। बिहार में नए एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेजों और खेलकूद की अवसंरचना का भी निर्माण होगा। पूंजीगत निवेशों में सहायता के लिए अतिरिक्त आवंटन उपलब्ध कराया जाएगा। बिहार सरकार के बहुपक्षीय विकास बैंकों से बाह्य सहायता के अनुरोध पर तेजी से कार्रवाई होगी।

इस तरह देखा जाए तो बिहार को विशेष राज्य का दर्जा तो नहीं मिला लेकिन केंद्र सरकार ने बिहार को कई सौगात दी है। ▶10 पर

उत्तराखंड को स्पेशल सहायता पैकेज

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

ऐसा पहली बार हुआ जब आम बजट में उत्तराखंड का जिक्र हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए बताया कि उत्तराखंड में बादल फटने और भूस्खलन से हुए नुकसान को लेकर सरकार मदद करेगी।बजट पर सीएम धामी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुआ कहा कि केंद्रीय बजट 2024-25 में मुद्रा लोन की सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख किया जाना ऐतिहासिक निर्णय है। इसके माध्यम से देश के गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु/सूक्ष्म उद्यम और अधिक सशक्त होंगे। निश्चित तौर ▶10 पर

तुर्की में 4.7 तीव्रता का भूकंप, सरकार ने कहा– किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं

अंकारा, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

तुर्की में 4.7 तीव्रता का भूकंप आया है। आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्रेसीडेंसी (एएफएडी) ने जानकारी देते हुए बताया कि तुर्की के उत्तर-पश्चिमी प्रांत कनाक्कले में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

तुर्की के गृहमंत्री अली येरलिकाया ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा, वर्तमान में, कोई प्रतिकूल स्थिति की सूचना नहीं है। हम आपातकालीन कॉल सेंटर द्वारा प्राप्त प्रत्येक रिपोर्ट का मूल्यांकन कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार क्षेत्र सर्वेक्षण अभियान के जरिए स्थिति का जायजा ले रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप का झटका देश के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल में भी महसूस किया गया।

क्यों आता है भूकंप

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

क्या है भूंकप के केंद्र और तीव्रता का मतलब

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

कैसे मापा जाता है भूकंप की तिव्रता और क्या है मापने का पैमाना

भूंकप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है।

न्यूज ब्रीफ

सूर्य के सबसे करीबी ग्रह में मिली हीरे की मौजूदगी, वैज्ञानिकों का दावा- बुध की सतह के नीचे है

बीजिंग । सूर्य के सबसे करीबी बुध ग्रह में बड़ी मात्रा में हीरे की मौजूदगी का पता चला है। वैज्ञानिकों का दावा है कि इस ग्रह की सतह के नीचे हीरे की एक मोटी परत हो सकती है। बीजिंग में सेंटर फॉर हाई प्रेशर साइंस एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च के वैज्ञानिक और अध्ययन के सह-लेखक यानहाओ लिन ने कहा कि बुध की अत्यधिक उच्च कार्बन सामग्री ये बताती है कि शायद इस ग्रह के अंदर कुछ खास हुआ है। उन्होंने बताया कि बुध ग्रह में एक चुंबकीय क्षेत्र है। हालांकि, यह पृथ्वी की तुलना में बेहद कमजोर है। इसके साथ ही नासा के मैसेंजर अंतरिक्ष यान ने अपने अध्ययन में बुध की सतह पर असामान्य रूप से काले क्षेत्रों की खोज की है। इसे ग्रेफाइट के रूप में पहचाना गया है। नेचर कम्युनिकेशंस पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार ग्रह की संरचना और असामान्य चुंबकीय क्षेत्र पर प्रकाश डालते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्रहों का निर्माण संभवत: एक गर्म लावा महासागर के ठंडा होने से हुआ है। इसी तरह अन्य स्थलीय ग्रहों का विकास हुआ। इसके अलावा यह ग्रह संभवत: सिलिकेट और कार्बन से भरा हुआ था। ग्रह की बाहरी परत और मध्य मेंटल का निर्माण मैग्मा के क्रिस्टल में बदलने से हुआ था, जबकि धातुओं ने पहले इसके भीतर जमकर एक केंद्रीय कोर का निर्माण किया। ये हो सकती है हीरे बनने की वजह 2019 में किए गए एक अन्य अध्ययन के मुताबिक, बुध ग्रह का मेंटल पहले की तुलना में 50 किलोमीटर (80 मील) गहरा हो सकता है। इससे मेंटल-कोर सीमा पर तापमान और दबाव में काफी वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी परिस्थितियां पैदा होंगी जहां कार्बन हीरे में क्रिस्टलीकृत हो सकता है। कई वर्षों तक वैज्ञानिक मेंटल में तापमान और दबाव को कार्बन के लिए सही मानते रहे, जिसमें ग्रेफाइट बनती है। मेंटल से हल्का होने के चलते यह सतह पर तैरता रहता है। प्रयोगशाला में तैयार की गई ग्रह की दबाव स्थिति बेल्जियम और चीन के शोधकर्ताओं की एक टीम ने इस संभावना को देखने के लिए कार्बन, सिलिका और लोहे का उपयोग करके रासायनिक मिश्रण तैयार किए। शोधकर्ताओं ने इन मिश्रणों में आयरन सल्फाइड की अलग-अलग सांद्रताएं डालीं।

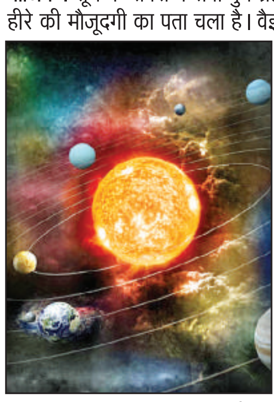

दक्षिण गाजा के खान यूनिस इलाके में इजराइली सेना का हमला, 70 लोगों की मौत, 200 से अधिक घायल

यरूशलम । इजराइल हमाज के बीच पिछले एक साल से संघर्ष जारी है। इस बीच गाजा पट्टी के खान यूनिस में इजराइल ने हमला किया, जिसमें 70 लोगों की मौत हो गई। इस हमले में 200 से भी ज्यादा लोगों की मौत हो गई। हमास नियंत्रित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। सेना ने चेतावनी दी कि वे इस इलाके में जबरन कार्रवाई करेंगे। सेना की तरफ से दी गई चेतावनी में दक्षिण गाजा में अल मवासी मानवीय क्षेत्र के पूर्वी खान यूनिस को प्रभावित किया, जिसके कारण हजारों फलस्तीनियों को इस क्षेत्र से भागना पड़ा था। गाजा के खान यूनिस क्षेत्र में हमला इस साल की शुरुआत में ही खान यूनिस में कई बार हमले किए गए। ताजा घटना स्वास्थ्य मंत्रालय के उस बयान के नौ दिन बाद की है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अल-मवासी में किए गए हमले में 92 लोगों की मौत हो गई। इजराइल ने कहा कि वह हमास के कमांडर को निशाना बना रहे थे। इजराइल ने हमास को पूरी तरह से नष्ट करने की कसम खाई थी। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई को लेकर लगातार दबाव बनाया जा रहा है। नेतन्याहू अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात करेंगे। बाइडन लगातार इजराइली राष्ट्रपति से युद्ध विराम को लेकर बात कर रहे हैं। पिछले साल सात अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने इजराइल पर हमला किया था। इस हमले के नौ महीने बाद भी इजराइल-हमास के बीच संघर्ष जारी है। इस साल जून में नेतन्याहू ने कहा था कि युद्ध अपने तीव्र चरण पर है और खत्म होने वाला है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, अबतक खान यूनिस इलाके में हमले हो रहे हैं। इस हमले में 70 लोग मारे गए, जबकि 200 से अधिक घायल हो गए। इजराइली सेना ने मृतकों की संख्या पर कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, एक बयान में सेना ने बताया कि उनके फाइटर जेट और टैंक ने इस क्षेत्र में आतंकियों ठिकानों पर हमला कर उनका सफाया किया। बयान में बताया गया कि सेना ने खान यूनिस के 30 से अधिक आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इजराइली सेना ने हमास आतंकियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली हथियार भंडारण सुविधा, सुरंग शाफ्ट और संरचनाओं को भी निशाना बनाया।

मैं ट्रंप की फितरत से वाकिफ हूं, अपनी टीम से बात करते हुए कमला हैरिस ने पूर्व राष्ट्रपति पर बोला हमला

वॉशिंगटन, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स की तरफ से कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति आम चुनाव के लिए अब प्रचार में जुट गई हैं। इस दौरान उन्होंने अपनी प्रचार अभियान टीम को संबोधित करते हुए ट्रंप के खिलाफ जमकर हमला बोला। कहा कि वह ट्रंप की फितरत से वाकिफ हैं।

मैंने सभी अपराधियों का सामना किया...

अभियान मुख्यालय में सैकड़ों कर्मचारियों और वर्चुअल रूप से भाग लेने वाले कई लोगों को संबोधित करते हुए हैरिस ने कहा, मैंने सभी प्रकार के अपराधियों का सामना किया है। उनके इतना बोलते ही सभी कार्यकर्ताओं ने जोर से तालियां बजानी शुरू कर दीं। उन्होंने आगे कहा, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वाले शिकारी, उपभोक्ताओं को लूटने वाले धोखेबाज, अपने खेल के लिए नियम तोड़ने वाले धोखेबाज। इसलिए जब मैं कहती हूं कि मैं डोनाल्ड ट्रंप की फितरत को जानती हूं तो मेरी बात सुनिए।

कमला हैरिस ने कहा कि वह बड़े गर्व से ट्रंप के खिलाफ रिकॉर्ड पेश करेंगी। इसके अलावा, उन्होंने कैलिफोर्निया में अल्मेडा काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कार्यालय में अभियोजक के रूप में अपने दिनों को याद किया। उन्होंने आगे कहा कि

छात्रों को किया गया मजबूर

उन्होंने कहा, जब मैं कैलिफोर्निया में अल्मेडा काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के कार्यालय में थी, तब एक युवा अभियोजक के रूप में मैंने यौन शोषण से जुड़े मामलों में विशेषज्ञता हासिल की। डोनाल्ड ट्रंप को यौन शोषण के मामले में जूरी ने दोषी पाया था। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल के रूप में, मैंने हमारे देश के सबसे बड़े फायदेमंद कॉलेजों में से एक को बंद करवा दिया। डोनाल्ड ट्रंप फायदे के लिए एक कॉलेज चलाते थे। उन्होंने छात्रों के साथ धोखाधड़ी कर उन्हें 25 मिलियन डॉलर का भुगतान करने के लिए मजबूर किया था

उन्होंने जलवायु परिवर्तन, बिग ऑयल और वॉल स्ट्रीट पर अपने रिकॉर्ड के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका अभियान सिर्फ रिपब्लिकन उम्मीदवार के खिलाफ के बारे में नहीं है। इस अभियान के अलावा और भी बहुत कुछ है। हमारा अभियान हमेशा दो अलग पहलुओं पर केंद्रित रहा है, जिसे हम अपने देश के भविष्य के रूप में देखते हैं। हमारे देश के भविष्य के लिए दो अलग-अलग दृष्टिकोण। एक भविष्य पर और दूसरा अतीत पर केंद्रित है। गौरतलब है, कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी ने राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा उनका समर्थन किए जाने के बाद कई डेमोक्रेट उनका साथ दे रहे हैं।

जो बाइडन ने पूरा भाषण सुना

बाइडन फोन से हैरिस की बात सुन रहे थे। हैरिस ने कहा, डग और मैं आज सभी का शुक्रिया अदा करने और जो हम जानते हैं उसे सच बताने के लिए रुकना चाहते थे। आप सभी बहुत मेहनत कर रहे हैं। इस कार्यालय में लोग बहुत मेहनत कर रहे हैं और आपने दिन और रात मेहनत की है। आप देश के लिए समय दे रहे हैं क्योंकि आप देश से प्यार करते हैं और आप जो से प्यार करते हैं और आप मुझसे प्यार करते हैं और हम यह जानते हैं। उन्होंने आगे कहा, बहुत उतार-चढ़ाव भरा समय रहा है। हम सभी बहुत सारी भावनाओं से भरे हुए हैं। मुझे जो बाइडन से प्यार है। मुझे पता है कि हम सभी करते हैं। अभियान टीम हमारे जीतने का कारण होगी। कमला हैरिस ने कहा कि अभियान प्रबंधक जूली शावेज रोड्रिग्ज अपनी भूमिका में बनी रहेंगी। उन्होंने कहा, चुनाव के दिन तक हमारे पास 106 दिन हैं और उस समय में हमें कड़ी मेहनत करनी है। उन्होंने बाइडन की विरासत और उपलब्धियों के लिए उनकी प्रशंसा भी की। बता दें, कोविड-19 से संक्रमित पाए जाने के बाद डेलावेयर स्थित अपने घर में पृथकवास में रह रहे बाइडन फोन पर उनका भाषण सुन रहे थे।

हम आपसे प्यार करते हैं

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा, मुझे पता है कि आप अभी भी कॉल पर हैं और हम हर दिन बात कर रहे हैं। हम जो और जिल से प्यार करते हैं। हम वास्तव में करते हैं। वे वास्तव में हमारे लिए परिवार की तरह हैं। इसके जवाब में बाइडन ने कहा, यह आपसी है। मैं तुम्हें देख रहा हूं बच्चे। मैं भी तुमसे प्यार करता हूं। कमला हैरिस के पति डग एमहॉफ ने अपनी पत्नी की तारीफ करते हुए कहा, अब मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए अपनी पत्नी कमला हैरिस का समर्थन कर रहा हूं। मैं आपको बताता हूं कि हम यह चुनाव जीतने जा रहे हैं।

बांग्लादेश में पीएम कार्यालय पुलिस की वेबसाइट हैक, संदेश लिखा- स्टॉप किलिंग स्टूडेंट्स

ढाका, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में नौकरी में आरक्षण को लेकर फैली अशांति के बीच प्रधानमंत्री कार्यालय, सेंट्रल बैंक और पुलिस की आधिकारिक वेबसाइटें हैंक हो गई हैं। एक समूह द्वारा साइट हैक करने का दावा किया जा रहा है। तीनों साइटों पर एक जैसा संदेश दिखा, जिसमें लिखा था, ऑपरेशन हंटडाउन, स्टॉप किलिंग स्टूडेंट्स'' संदेश में आगे लिखा गया, हमारे बहादुर छात्रों के शांतिपूर्ण विरोध को सरकार और उसके राजनीतिक साथियों द्वारा क्रूर हिंसा और हत्या का सामना करना पड़ा है। यह अब केवल विरोध नहीं है बल्कि यह न्याय, स्वतंत्रता और हमारे भविष्य के लिए एक युद्ध है। आरक्षण में बदलाव की मांग के बाद हिंसक प्रदर्शन बांग्लादेश में आरक्षण में बदलाव की मांग कर रहे छात्रों की तरफ से बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किया जा रहा है। लेकिन ये विरोध-प्रदर्शन तब और हिंसक हो गया है। वहीं इस हिंसा में 100 से ज्यादा लोगों की मौत और करीब तीन हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हिंसा की वजह से शिक्षण संस्थान, रेलवे, इंटरनेट सेवाएं रोक दी गई है। प्रधानमंत्री शेख हसीना की तरफ से छात्रों के इस विरोध-प्रदर्शन और हिंसा पर लगाम लगाने के लिए सेना को भी तैनात किया गया है। इतना ही नहीं किसी भी प्रदर्शनकारी को देखते ही गोली मारने के आदेश भी जारी किए गए हैं।

पहले कब हुआ विरोध, तब क्या हुआ था फैसला

यह पहली बार नहीं है, जब बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया जा रहा है, इससे पहले साल 2018 में भी आरक्षण को लेकर विरोध प्रदर्शन के साथ हिंसा हुई थी। जिसके बाद सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए उच्च श्रेणी की नौकरियों में आरक्षण को रद्द कर दिया। जिसके बाद स्थिति सामान्य हुई। लेकिन इस साल पिछले महीने यानी जून की पांच तारीख को बांग्लादेश की हाईकोर्ट ने आरक्षण को लेकर दायर एक याचिका पर फैसला सुनाया और सरकार के आरक्षण रद्द करने के फैसले को रद्द बताया। कोर्ट के इस फैसल के बाद फिर सरकारी नौकरियों में बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के सगे-संबंधियों को आरक्षण मिलना फिर से लागू हुआ था।

कनाडा में उपद्रवियों का दुस्साहस, एक बार फिर मंदिर को बनाया निशाना, भारत-विरोधी नारे लिखे

टोरंटो, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

कनाडा में एक बार फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया है। एडमोंटन में एक मंदिर पर भारत विरोधी नारे लिखे हैं। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने बताया कि बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर पर सुबह-सुबह भारत विरोधी नारे लिखे गए। इसमें भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य पर हमला किया गया।

लोगों में नाराजगी

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी एक तस्वीर साझा की है। पोस्ट में लिखा, कनाडाई हिंदू चैंबर कॉमर्स ने इस बात की पुष्टि की है कि कनाडा के एडमंटन में बीएपीएस मंदिर को ताजा निशाना बनाया गया है। कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स के कुछ हिंदू सांसदों में से एक आर्य को धमकी दी गई है। इससे सभी लोगों में नाराजगी है। एडमंटन में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में फिर से तोड़फोड़ सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि कनाडा में हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने आगे लिखा, एडमंटन में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में फिर से

तोड़फोड़ की गई। पिछले कुछ सालों के दौरान ग्रेटर टोरंटो एरिया, ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा के अन्य स्थानों पर हिंदू मंदिरों में भारत विरोधी नारे के साथ तोड़फोड़ की जा रही है।

खालिस्तानी चरमपंथियों को मिली खुली छूट

बहुसांस्कृतिक मुद्दों पर अपनी वकालत के लिए जाने जाने वाले लिबरल सांसद आर्य ने कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों को मिली छूट की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, जैसा कि मैं हमेशा से कहता रहा हूं, खालिस्तानी चरमपंथी नफरत और हिंसा की अपनी सार्वजनिक बयानबाजी से आसानी से बच निकलते हैं। मैं इसे फिर से दोहराना चाहता हूं।

एंटनी ब्लिंकन की क्वाड देशों के नेताओं के साथ बैठक, आज से हिंद-प्रशांत क्षेत्र का दौरा करेंगे

वॉशिंगटन, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन 24 जुलाई से 3 अगस्त तक हिंद-प्रशांत क्षेत्र का दौरा करेंगे। इस दौरान वह वियतनाम, लाओस, जापान, फिलीपींस, सिंगापुर और मंगोलिया की यात्रा पर रहेंगे। पदभार संभालने के बाद से यह उनकी हिंद-प्रशांत क्षेत्र की अपनी 18वीं यात्रा होगी। ब्लिंकन की इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के दोबारा चुनाव ना लड़ने की घोषणा के बाद होगी। जिसका एलान बाइडन ने ही किया था।

अपनी जापान यात्रा के दौरान ब्लिंकन टोक्यो में अपने ऑस्ट्रेलियाई, भारतीय और जापानी समकक्षों के साथ क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। सभी नेता क्षेत्रीय समृद्धि और स्थिरता के लिए अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगे। इसके साथ ही चारों देशों के बीच चर्चा होगी कि भारत-प्रशांत क्षेत्र के लिए ठोस लाभ पहुंचाना जारी रख सकते हैं।

2017 में हुआ था क्वाड का पुनर्गठन

क्वाड विशेष रूप से भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच एक राजनयिक साझेदारी है, जो एक खुले, स्थिर और समृद्ध इंडो-पैसिफिक को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है क्वाड का 2017 में पुनर्गठन हुआ था। इसके बाद क्वाड ने छह कार्य समूहों के निर्माण की घोषणा की है, जो विभिन्न नीतियों और पहलों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। क्वाड का सकारात्मक और व्यावहारिक एजेंडा क्षेत्र की प्राथमिकताओं में स्वास्थ्य, सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, मानवीय सहायता, आतंकवाद से मुकाबला सहित सहित गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्रित है।

चीन को घेरने के लिए बनाया गया क्वाड

अमेरिका, चीन को घेरने की रणनीति बना रहा है। इसी के तहत अमेरिका ने अप्रैल में जापान और फिलीपींस के साथ मिलकर कुछ महीनों पहले एक त्रि-पक्षीय सम्मेलन का आयोजन किया था। इस सम्मेलन से अब एक नया संगठन बना है, जिसे नाम दिया गया है क्वाड। इस संगठन में अमेरिका, जापान, फिलीपींस के साथ ही ऑस्ट्रेलिया भी शामिल है। फिलीपींस का दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ विवाद चल रहा है।

वेनेजुएला में अगले हफ्ते आम चुनाव, सत्ता बचाने के लिए मतदान से पहले सेना का समर्थन जुटा रहे मादुरो

अगुआ कैलिएंटे, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

वेनेजुएला में आम चुनाव के लिए मतदान होने हैं। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अपनी कुर्सी खतरे में पड़ती नजर आ रही है। ऐसे में मतदान से पहले वह सेना का समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। घास फूस वाले गैस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर हल्के हरे रंग के कपड़े पहने युवा और महिलाएं मादुरो के विरोधियों की रैली से लौट रहे वाहनों को रोकते हैं।

यात्रियों से उनकी पहचान पूछते हैं और उनकी कारों, ट्रकों और मोटरसाइकिलों का निरीक्षण करते हैं। इस तरह मतदान से पहले बड़े मैदानों, ऊंचे जंगली इलाकों और समुद्र तट पर ऐसी चौकियों की संख्या बढ़ गई है। जिनका मकसद सरकार के आलोचकों को डराना और कभी-कभी उन्हें हिरासत में लेना है। इस दौरान अक्सर अकेले यात्रा कर रहे लोगों से छोटी रिश्वत लेना भी शामिल है।

एक सैनिक विपक्षी नेता मारिया कोरिया मचाडो के बारे में यात्रियों से पूछता है, क्या वह महिला आई क्या वहां बहुत सारे लोग थे एक दूसरा सिपाही उनसे फुसफुसाते हुए कहता है, यहां कोई वाई-फाई तो नहीं है।

मादुरो ने साल 2013 में सत्ता संभाली। उन्होंने सरकारी नौकरियों और प्रमुख उद्योगों को नियंत्रित करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों को सम्मानित किया। यही नहीं, उन्होंने विरोध प्रदर्शनों को कुचलने के लिए सैनिको तैनात करने में भी कोई संकोच नहीं किया। अब जब मादुरो की पकड़ सत्ता पर ढीली पड़ रही है तो सशस्त्र बलों के शीर्ष कमांडर अपनी वफादारी दिखाने के लिए पहले से कहीं अधिक मेहनत कर रहे हैं।

हाल के दिनों में मादुरो 25 हजार पुलिस अधिकारियों के एक समारोह में भाग लेते हुए सरकार के नियंत्रण वाले टेलीविजन चैनल पर दिखाई दिए। इस दौरान उन्होंने दक्षिणपंथी कट्टरपंथियों के दंगा भड़काने के प्रयासों को रोकने के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने दर्जनों अधिकारियों को पदोन्नत भी किया और अपने सबसे लंबे समय तक रक्षा मंत्री रहे व्लादिमीर पाडरिनो लोपेज को सम्मानित किया।

मादुरो ने इस महीने एक रैली में कहा, वेनेजुएला का भविष्य हमारी जीत पर निर्भर करेगा। अगर हम फासीवादियों द्वारा शुरू किए गए खून खराबा और गृह युद्ध से बचना चाहते हैं तो हमें अब तक की सबसे बड़ी चुनावी जीत की गारंटी देनी होगी। शीर्ष नेतृत्व मादुरो के साथ मजबूती से खड़ा है। वह वोट पाने के लिए अपनी पारंपरिक तरीकों को अपनाने के बजाय विपक्षी नेताओं पर कीचड़ उछालने में जुटा है।

ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल हर्नांडेज लारेज ने सोशल मीडिया पर हाल ही में एक तस्वीर पोस्ट की। जिसमें विपक्षी नेता मचाडो को एक सफेद बोर्ड के सामने बोलते हुए दिखाया गया है। पोस्टर में वह कथित तौर पर सशस्त्र बलों को खत्म करने का आह्वान कर रही हैं। हालांकि, एक मीडिया समूह ने कहा कि उनकी तस्वीर के साथ छेड़छाड़ की गई है। मचाडो ने भी इस तस्वीर को फर्जी बताया है। उन्हें पहले चुनाव लड़ने से भी प्रतिबंधित किया गया था।

देशवासियों की आशा, आकांक्षा और विश्वास पूर्ति के संकल्प का प्रतिबिम्ब है बजट : शाह

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लोकसभा में आम बजट पेश किया। इस आम बजट के बाद तमाम नेताओं की तरफ से प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। केंद्रीय गृह अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, बजट 2024-25 मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार का देशवासियों की आशा, आकांक्षा व विश्वास पूर्ति के संकल्प का प्रतिबिम्ब है। यह बजट युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण के साथ-साथ किसानों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध करवाकर विकसित व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। इस बजट के माध्यम से देश की भावी पीढ़ी के आत्मबल को मजबूती देने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी और और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई देता हूं।

एक दूसरे पोस्ट में उन्होंने लिखा, बजट 2024-25 न केवल पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तहत भारत के नए उद्देश्य, उम्मीद और आशावाद की नई भावना का उदाहरण है, बल्कि उन्हें मजबूत भी करता है। भारत के युवाओं, नारी शक्ति और किसानों की शक्ति का उपयोग करते हुए यह बजट रोजगार और अवसरों के एक नए युग की शुरुआत कर एक विकसित राष्ट्र की नींव रखेगा। जन-समर्थक और विकास-समर्थक दूरदर्शी बजट के लिए पीएम मोदी और निर्मला सीतारमण का आभार।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पोस्ट में लिखा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक ऐसा बजट पेश करने के लिए बधाई जो विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाता है।

यह बजट उन लोगों की आकांक्षाओं के लिए समर्पित है, जिन्होंने एनडीए सरकार को लगातार तीसरी बार जनादेश दिया है। वित्त मंत्री द्वारा पेश की गई 9 प्राथमिकताएं भारत की व्यापक राष्ट्रीय शक्ति में योगदान देंगी और इससे अंतरराष्ट्रीय मंच पर हमारी छवि बढ़ेगी। यह बजट नेबरहुड फर्स्ट, एक्ट ईस्ट, ग्लोबल साउथ और विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों के लिए सुविधाओं सहित प्रमुख नीतियों को निष्पादित करने के लिए विदेश मंत्रालय को संसाधन प्रदान करता है।

वहीं रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पोस्ट पर लिखा, पीएम नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों ने समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। यह बजट रोजगार और मध्यम वर्ग के कल्याण पर फोकस के साथ उसी दृष्टिकोण को साझा करता है। रोजगार सृजन के लिए 2 लाख करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। यह एक बहुत बड़ी पहल है। युवा नागरिकों के सपनों को पूरा करने के लिए मैं पीएम नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद देता हूं।

नायडू, लोकेश ने आंध्र प्रदेश को धन आवंटित करने के लिए वित्त मंत्री का जताया आभार

विजयवाड़ा, 23 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और आईटी एवं मानव संसाधन विकास मंत्री नारा लोकेश ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से मंगलवार को संसद में पेश किये गये केंद्रीय बजट में राजधानी और राज्य को धन आवंटित करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

श्री नायडू ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, वित्त वर्ष 24-25 के केंद्रीय बजट में हमारे राज्य की आवश्यकता को समझने और राजधानी, पोलावरम, औद्योगिक नोड्स और आंध्र प्रदेश में पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए धन्यवाद। केंद्र से यह समर्थन आंध्र प्रदेश के पुनर्निर्माण में एक लंबा रास्ता तय करेगा। मैं इस प्रगतिशील और आत्मविश्वास बढ़ाने वाले बजट की प्रस्तुति के लिए आपको बधाई देता हूं। श्री लोकेश ने कहा, यह आंध्र प्रदेश के लिए एक नया सूर्योदय है तथा आंध्र प्रदेश को अपने विकास और सामाजिक उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करने में एक लंबा रास्ता तय करेंगे। आंध्र प्रदेश के लोगों के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि हमारे संघर्ष को मान्यता दी गई है तथा औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे, सिंचाई और मानव संसाधन विकास जैसे सभी महत्व-पूर्ण क्षेत्रों को कवर करते हुए एक विशेष और समग्र पैकेज प्रदान किया गया है। मैं अमरावती और पोलावरम के लिए किए गए उदार योगदान का विशेष उल्लेख करना चाहूंगा। आज का दिन नए राज्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन के रूप में चिह्नित किया जाएगा। यह हमारे सपनों के राज्य के निर्माण की दिशा में हमारे साथ मिलकर आगे बढ़ने की दिशा में पहला कदम है।

देश के सैन्य बजट में हुआ इजाफा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताया आभार

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लोकसभा में आम बजट पेश किया। इस आम बजट में कई बड़े ऐलान के साथ तमाम मंत्रालयों के लिए धन का आवंटन किया गया है।

इसी कड़ी में राजनाथ सिंह ने रक्षा मंत्रालय को आवंटित बजट के लिए मोदी सरकार का आभार जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जहां तक रक्षा मंत्रालय के आवंटन का सवाल है, मैं 6,21,940.85 करोड़ रुपए का उच्चतम आवंटन देने के लिए वित्त मंत्री को धन्यवाद देता हूं, जो वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत सरकार के कुल बजट का 12.9 प्रतिशत है।

1,72,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत परिव्यय सशस्त्र बलों की क्षमताओं को और मजबूत करेगा। घरेलू पूंजीगत खरीद के लिए 1,05,518.43 करोड़ रुपये निर्धारित करने से आत्मनिर्भरता को और गति मिलेगी।

उन्होंने आगे लिखा, मुझे खुशी है कि सीमा सड़कों को पूंजीगत मद के तहत पिछले बजट की तुलना में आवंटन में 30 प्रतिशत की वृद्धि दी गई है। बीआरओ को 6,500 करोड़ रुपये का यह आवंटन हमारे बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर को और गति देगा। रक्षा उद्योगों में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए, स्टार्टअप्स, एमएसएमई और इनोवेटर्स द्वारा दिए गए उन्नत तकनीकी समाधानों को वित्तपोषित करने के लिए आईडीईएक्स योजना के लिए 518 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

उन्होंने आगे लिखा, वित्त वर्ष 2024-25 बजट पेश करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई। यह बजट एक समृद्ध और आत्मनिर्भर विकसित भारत बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

समावेशी और तेज गति वाले विकास की दृष्टि से यह बजट भारत के आर्थिक परिवर्तन को गति देगा। यह बजट कई मायनों में अद्वितीय है और सर्वांगीण और समावेशी विकास के लिए एनडीए सरकार की 9 प्रमुख प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है। उन्होंने आगे लिखा, यह बजट 2027 तक भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। भारत के किसानों, युवाओं, महिलाओं और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के समर्थन के लिए कई नीतियों और कार्यक्रमों की भी घो-षणा की गई है। बुनियादी ढांचे, कृषि, बैंकिंग, ऊर्जा, उद्योग, अनुसंधान एवं विकास, एमएसएमई और रक्षा जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

ढांचागत क्षेत्र में प्रगति का मंच तैयार करता है बजट : गडकरी

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के लिए बजट 2024-25 में 2 लाख 78000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंत्रालय के लिए बजट प्रावधान को ढांचागत विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृष्टिकोण का करिश्मा बताया और कहा कि बजट अगली पीढ़ी के लिए महत्वपूर्ण सुधार लाने का रास्ता खोलता है। उनका कहना था कि यह बजट ढांचागत क्षेत्र में प्रगति का मंच तैयार करता है और देश को विकास की नई राह दिखाता है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे, नवा-चार, अनुसंधान और अगली पीढ़ी के सुधारों पर जोर देने के साथ ही यह बजट सभी क्षेत्रों में देश की महत्वपूर्ण प्रगति के लिए मंच तैयार करता है।

उम्मीदों से भरा ड्रीम बजट है: राम मोहन नायडू

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को संसद में पेश बजट को ड्रीम बजट बताया और कहा कि इसमें युवाओं, महिलाओं और किसानों के हितों के लिये बहुत कुछ किया गया है।

श्री नायडू ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि इस बजट से समाज के सभी वर्गों की उम्मीदें पूरी होंगी। बजट प्रावधानों से विभिन्न सेक्टरों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, जिससे बड़ी संख्या में युवा लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऋण के ब्याज में तीन प्रतिशत राहत दिये जाने से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हासिल करने में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश और बिहार सहित पूर्वोत्तर राज्यों के लिये बजट में विशेष प्रावधान किये गये हैं। बजट में आंध्र प्रदेश को पूरा समर्थन दिया गया है। आंध्र प्रदेश की पांच करोड़ जनता को बजट प्रावधानों से बहुत सुविधायें और सहूलियतें मिलेंगी, इससे वह बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि बजट में की गयी घोषणाओं के क्रियान्वयन से पूर्वोत्तर राज्य आर्थिक हब बनेंगे।

यह भारत का बजट है, पीएम मोदी ने अपना वादा निभाया : मनोज तिवारी

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्व दिल्ली से भाजपा सांसद और पूर्व दिल्ली भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए आम बजट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। मनोज तिवारी ने इसे भारत का बजट करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया।

मनोज तिवारी ने कहा, बजट में देश के युवाओं, देश के किसान के लिए बहुत कुछ है, छात्रों के लिए भी पहली बार शिक्षा लोन 10 लाख रुपये कर दिया गया है। मुद्रा लोन भी 10 लाख से 20 लाख रुपये कर दिया गया है। तीन करोड़ गरीबों के लिए नया घर है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो वादा किया था, उसको निभाया है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश की राजधानी के लिए 1500 करोड़ पैकेज, विशाखापट्टनम से चेन्नई कॉरिडोर बनाने के लिए उत्तर से दक्षिण तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए विशेष पैकेज है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कैंसर के रोगियों के लिए कई दवाओं से कस्टम हटा दिया गया है।

विपक्ष द्वारा इस बजट को आंध्र प्रदेश और बिहार का बजट कहने पर, मनोज तिवारी ने कहा कि युवाओं के लिए पहली नौकरी पर सरकार की तरफ से स्पेशल पैकेज का प्रावधान हुआ है। राहुल गांधी को ध्यान से देखना चाहिए कि मोदी सरकार ने युवाओं को क्या उपहार दिया है। बिहार, असम की बाढ़ के लिए बजट है, इसमें उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश की लैंडस्लाइड को भी शामिल किया गया है। यह सही मायने में भारत का बजट है।

बता दें कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में बिहार और आंध्र प्रदेश को अतिरिक्त वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने मोदी सरकार के बजट की प्रशंसा की और कहा कि भारत सरकार ने बजट में बिहार को विशेष पैकेज से ज्यादा दे दिया है। बजट में बिहार और आंध्र प्रदेश को दिए गए विशेष पैकेज पर विपक्ष हमलावर है।

आम बजट को विपक्ष ने बताया कॉपी पेस्ट और सरकार बचाओ बजट

- राहुल गांधी बोले- ये कुर्सी बचाओ बजट है, खड़गे बोले-मोदी सरकार का नकलची बजट
- बजट से बेरोज़गारी-महंगाई, किसान-महिला-युवा का मुद्दा नौ दो ग्यारह हो गया : अखिलेश
- बंगाल को बजट से पूरी तरह से वंचित रखा गया, हमारा ही पैसा हमें नहीं दे रहे : ममता

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सरकार ने कुर्सी बचाओ बजट पेश किया है जिसमें सहयोगियों को खुश करने के लिए दूसरे राज्यों की कीमत पर खोखले वादे किए गए हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आम बजट को लेकर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने केंद्र के आम बजट को कुर्सी बचाओ बजट बताया। इसके साथ ही उन्होंने सरकार के बजट को कॉपी पेस्ट भी कहा।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कुर्सी बचाओ बजट। सहयोगियों को खुश करने की कोशिश की गई है। अन्य राज्यों की कीमत पर उनसे खोखले वादे किए गए। इसमें आम भारतीय को कोई राहत नहीं दी गई। उन्होंने बजट को कांग्रेस के घोषणापत्र और पिछले बजट का कॉपी पेस्ट भी बताया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सकार के बजट पर निशाना साधते हुए लिखा, कांग्रेस के न्याय के एजेंडे को ठीक तरह से कॉपी भी नहीं कर पाया मोदी सरकार का नकलची बजट। मोदी सरकार का बजट अपने गठबंधन के साथियों को ठगने के लिए आधी-अधूरी रेवड़ियां बांट रहा है, ताकि एनडीए बची रहे। ये देश की तरक्की का बजट नहीं, मोदी सरकार बचाओ बजट है। 10 साल बाद उन युवाओं के लिए सीमित घोषणाएं हुईं हैं, जो सालाना दो करोड़ नौकरियों के जुमले को झेल रहे हैं। किसानों के लिए केवल सतही बातें हुईं हैं, डेढ़ गुना एमएसपी और आय दोगुना करना - सब चुनावी धोखेबाज़ी निकली।

उन्होंने लिखा, ग्रामीण वेतन को बढ़ाने का इस सरकार का कोई इरादा नहीं है। दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक, माध्यम वर्ग और गांव-गरीब लोगों के लिए कोई भी क्रांतिकारी योजना नहीं है, जैसी कांग्रेस-यूपीए ने लागू की थी। गरीब शब्द केवल स्वयं की ब्रांडिंग करने का ज़रिया बन गया है, ठोस कुछ भी नहीं है। महिलाओं के लिए इस बजट में

ऐसा कुछ नहीं है, जिससे उनकी आर्थिक क्षमता बढ़े और वो वर्कफोर्स में अधिक से अधिक शामिल हों। उल्टा महंगाई पर सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है, जनता की गाढ़ी कमाई लूटकर वो पूंजीपति मित्रों में बांट रही है।

उन्होंने लिखा, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, जन-कल्याण और आदिवासियों पर बजट में आवंटन से कम खर्च किया है, क्योंकि ये भाजपा की प्राथमिकताएं नहीं हैं। इसी तरह कैपिटल एक्सपेंडिचर पर 1 लाख करोड़ कम खर्च किया है, तो फिर नौकरियां कहां से बढ़ेंगी? शहरी विकास, ग्रामीण विकास, आधारभूत संरचना, मैन्युफैक्चरिंग, एमएसएमई, इन्-वेस्टमेंट, ईवी योजना सब पर केवल डॉक्यूमेंट, पॉलिसी, विजन, रिव्यू आदि की बात की गई है, पर कोई बड़ी घोषणा नहीं की गई है। आए दिन रेल हादसे हो रहे हैं, ट्रेनों को बंद किया गया है, कोच की संख्या घटी है, आम यात्री परेशान हैं पर बजट में रेलवे के बारे में कुछ नहीं कहा गया है, कोई जवाबदेही नहीं है।

खड़गे ने आगे लिखा, जनगणना व जातिगत जनगणना पर भी कुछ नहीं बोला गया है, जबकि ये पांचवा बजट है, जो बिना जनगणना के प्रस्तुत किया जा रहा है। ये हैरान कर देने वाली अप्रत्याशित नाकामी है जो लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ है ! 20 मई 2024, यानि चुनाव के दौरान ही, पीएम मोदी ने एक साक्षात्कार में दावा किया था कि 100 दिनों का एक्शन प्लान हमारे पास पहले से ही है। जब एक्शन प्लान, दो महीने पहले था, तो कम से कम बजट में ही बता देते। बजट में न कोई प्लान है, और भाजपा केवल जनता से धोखेबाजी करने के एक्शन में व्यस्त है।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, केंद्रीय बजट और कुछ नहीं बल्कि सरकार बचाओ बजट है, जो इस लंगड़ी सरकार के अस्तित्व को बचाने की राजनीतिक मजबूरियों से प्रेरित है। इससे महंगाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा, किसानों की समस्या का समाधान नहीं होगा और मध्यम वर्ग के लिए तो कुछ भी नहीं होगा। पिछले 10 बजटों की तरह यह केंद्रीय बजट भी आम भारतीय की चिंताओं से कोसों दूर है। उन्होंने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए लिखा, हालांकि, सरकार ने देर से ही सही, यह तो मान लिया है कि रोजगार सृजन समय की मांग है, लेकिन उसकी तथाकथित घोषणाएं पूरी तरह से कपटी और गैर-गंभीर हैं। वे हमारे न्याय पत्र की ठीक से नकल भी नहीं कर पाए। केवल बड़ी-बड़ी सुर्खियां बनाना, जबकि वास्तविकता में बहुत कम जानकारी देना, भारत के युवाओं के भविष्य के साथ क्रूर मजाक के अलावा और कुछ नहीं है। इस बजट के बाद भारतीय समाज का हर वर्ग और भी बदतर स्थिति में पहुंच जाएगा और लोगों के दर्द से पूरी तरह कटी यह सरकार सिर्फ अपने अस्तित्व की चिंता करेगी।

सरकार ने सामाजिक न्याय के हमारे विचार को बजट में अपनाया : चिदंबरम

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने कहा है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024-25 में सामाजिक न्याय के उसके विचार को महत्व दिया है और जिस युवा प्रोत्साहन की बात कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र में की थी उसे सरकार ने बजट में रखा है और उन्हें उम्मीद है कि कांग्रेस के घोषणा पत्र को और पढ़कर सरकार उसके सामाजिक न्याय तथा जन कल्याण के विचार को इसी तरह से लागू करती रहेगी।

श्री चिदम्बरम ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बजट 2024-25 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा यह देखकर खुशी हुई कि वित्तमंत्री ने कांग्रेस के न्याय पत्र को तल्लीनता से पढ़ा है। मैं पहले ही ट्वीट कर कह चुका हूं कि मुझे खुशी है कि वित्तमंत्री को लोकसभा 2024 चुनावों के बाद कांग्रेस का घोषणापत्र पढ़ने का मौका मिला। रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन -एलआई योजना, प्रशिक्षु के लिए भत्ते के साथ प्रशिक्षुता योजना और एंजेल टैक्स के उन्मूलन पर हमारे प्रस्तावों में अंतर्निहित विचारों को वस्तुतः बजट में अपनाया गया है। काश वित्त मंत्री ने कांग्रेस के घोषणापत्र से कई और विचार अपनाए होते।

उन्होंने कहा मैंने बजट पर टिप्पणी करने के लिए एक टेम्पलेट बनाया और देश की अपे-क्षाएं बताते हुए प्रासंगिक विवरण तैयार कर प्रतिक्रिया मांगी लेकिन हैरानी की बात है कि कुछ मामलों पर कोई प्रतिक्रिया ही नहीं मिली। बेरोजगारी बड़ी चुनौती है और कुछ दर्जन या कुछ हजार पदों के लिए लाखों उम्मीदवार आ-वेदन करते हैं, परीक्षा देते हैं या साक्षात्कार में शामिल होते हैं। सीएमआईई के अनुसार, अखिल भारतीय बेरोजगारी दर 9.2 प्रतिशत है। बेरोजगारी पर सरकार से सवाल किए, लेकिन उसकी प्रतिक्रिया इस पर नहीं मिली। वित्त मंत्री का यह दावा कि बजट में घोषित योजनाओं से 290 लाख लोगों को लाभ होगा यह अतिशयोक्तिपूर्ण है। श्री चिदम्बरम ने महंगाई को दूसरी बड़ी चुनौती बताया और कहा कि मुद्रास्फीति 5.1 प्रतिशत और खाद्य मुद्रास्फीति 9.4 प्रतिशत है। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि विनिर्माण के लिए डिफ्लेटर 1.7 प्रतिशत माना गया है। सरकार द्वारा मान लिए गए डिफ्लेटर की कई जानकार अर्थशास्त्रियों ने कड़ी आलोचना की है। जब तक डिफ्लेटर की पहेली सुलझ नहीं जाती, 2023-24 में 8.2 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर के दावे को निर्विवाद रूप से स्वीकार करना संभव नहीं है। इसी तरह से जीडीपी विकास दर मुद्रास्फीति की बड़ी चुनौती का जवाब नहीं है।

कांग्रेस नेता ने परीक्षा एजेंसियों पर कहा कि शिक्षा से संबंधित दूसरा मुद्दा एनईईटी और घोटालों से घिरी राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी है। कई राज्यों ने मांग की है कि एनईईटी को खत्म कर करना चाहिए और राज्यों को चिकित्सा शिक्षा में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए उम्मीदवारों के चयन के अपने तरीके अपनाने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए। इस पर भी सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया। मैंने वित्त मंत्री को स्कूली शिक्षा का जिक्र करते नहीं सुना। फिर भी, सरकार नीट पर अड़ी हुई है, जो स्कूली शिक्षा के अंत में एक परीक्षा है। दिलचस्प बात यह है कि शिक्षा पर 1,16,417 करोड़ रुपये के अनुमान के मुकाबले सरकार ने केवल 1,08,878 रुपये खर्च किए।

उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्था पर कहा स्वास्थ्य सेवा बेहतर है लेकिन पर्याप्त नहीं। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा मात्रात्मक रूप से बढ़ रही है लेकिन गुणवत्ता में नहीं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कई दिनों से रुके काम भी पूरे हो सकते हैं. पारिवारिक संबंध मधुर रहेंगे. अपनी इमेज सुधारने का मौका भी आपको मिल सकता है. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके लिए दिन उत्साहवर्धक है और मनोरंजन भी होता रहेगा. परिवार से जुड़े मामलों पर आपको ध्यान देना होगा. कुछ घरेलू उलझे हुए मामले सुलझ सकते हैं. शादीशुदा लोगों को सुख मिल सकता है. प्रेम बढ़ेगा. पुरानी बीमारियों में थोड़ा आराम मिल सकता है.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे. और इसी ऊर्जा के चलते जो भी काम आप हाथ में लेंगे वो समय पर जरूर पूरा होगा. और इस बात को लेकर आपकी तारीफ भी होगी. इस राशि के इंजीनीयर्स आज अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे, तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी. आज जीवन में तरक्की के कुछ मौके आपके सामने आएंगे, जिसमें आप अपने जीवनसाथी की सलाह जरूर लें, उनकी सलाह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगी.आज शिवलिंग का दही से अभिषेक करें, आपके सारे काम पूरे होंगे.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ महंगी वस्तुओं की खरीदारी भी कर सकते हैं. भूमि में निवेश भी संभव है. व्यावसायिक रूप से दिन शुभ है. जिस प्रोजेक्ट और असाइनमेंट पर आप वर्तमान में काम कर रहे हैं, वह भविष्य में नई संभावनाओं को खोल सकता है. कार्य स्थल को पुनर्गठित करना या घर पर को पुन: व्यवस्थित करने की योजना पर आप काम कर सकते हैं. कुछ तनाव होने के कारण पारिवारिक माहौल तनावग्रस्त रह सकता है. किसी पारिवारिक सदस्य की अकस्मात बिगडती स्वास्थ्य स्थिति आपको परेशानी में डाल सकती है.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको अपने बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिल सकते हैं. आपके बच्चे समाज में आपका नाम रोशन करेंगे. प्यार दरकिनार हो सकता है क्योंकि कुछ छोटे-मोटे मतभेद अचानक उभरेंगे. आज जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. अपने प्रयासों में सफलता पाने के लिए आपको मेहनत के साथ-साथ अपनी बुद्धि से भी काम लेना होगा तभी जाकर सकारात्मक परिणाम मिलने के आसार बनेंगें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार में सुख-शांति बढ़ेगी. कार्यक्षेत्र में नए एग्रीमेंट और समझौते होने की संभावना है. सामाजिक कामकाज में सम्मान मिल सकता है. किसी अच्छे दोस्त से मुलाकात के योग बन रहे हैं. आपका ध्यान किसी दूर स्थान पर ज्यादा रहेगा. ऑफिस में कोई व्यक्ति गुप्त रूप से आपकी मदद कर सकता है. रोमांस के अच्छे अवसर मिलने के योग हैं. पार्टनर आपको आर्थिक मदद कर सकता है. आज आप साथ काम करने वाले की तरफ आकर्षित हो सकते हैं.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा. आज आप किसी काम में बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया एक्सपेरीमेंट करेंगे जिसमें आपको सफलता भी जरूर हासिल होगी. आपका आर्थिक पक्ष भी मजबूत रहेगा. वहीं अगर कुछ दिनों से स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी है तो उसनें आपको सुधार नज़र आएगा. आज लवमेट के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच का प्रोग्राम बना सकते हैं जिससे रिश्तों में आपको ताज़गी महसूस होगी. आज के दिन गाय को गुड खिलाए व्यापार में नए मार्ग खुलेंगे.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कुछ नया काम आरंभ हो सकता हैं। महत्वाकांक्षी उपक्रमों में निवेश करके आप अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. व्यवसाय विस्तार की योजनाएं बनाई जाएंगी और यदि बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की इच्छा है तो वह भी आपको प्राप्त हो जायेगा. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप दोस्तों और परिवार के साथ आनंदमय समय व्यतीत करेंगे. कुछ जातकों के लिए नवीन प्रेम सम्बन्ध नई आशाओं को जन्म देगा.दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको बच्चों की तरफ से खुशखबरी मिलने के योग नजर आ रहे हैं. परिजनों के साथ उग्र वाद-विवाद होने की संभावना है. छाती में दर्द या अन्य किसी विकार से व्यग्रता का अनुभव हो सकता है. जरूरत से ज्यादा काम अपने सिर पर लेने से टेंशन हो सकती है. आपको मेहनत भी ज्यादा करनी होगी. विरोध में आ रही सभी परेशानियां दूर होगी तथा इन्हें नए कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे. आप पैसा बना सकते हैं बस नये तरीकों को आजमाना होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके काम बनते चले जाएंगे. सोच-समझकर फैसले लेने से ही फायदा हो सकता है. पैसों की स्थिति में अच्छे खासे बदलाव के मौके मिल सकते हैं. परिवार, समाज में आपका महत्व बढ़ेगा. प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी. जीवनसाथी के साथआपके संबंध और गहरे हो सकते हैं. पार्टनर के साथ आज अच्छा समय बीतेगा. सेहत में उतार-चढ़ाव आने की संभावना है. आज सादा और हल्काफुलका भोजन ही करना बहतर रहेगा

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको सफलता पाने के लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी होगी. साथ ही आज आप मानसिक अशांति से भी ग्रस्त हो सकते हैं. जीवनसाथी से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता हैं आज आपको खुद में एनर्जी की कमी महसूस होगी. जिसके चलते आप बेमन से कार्यों को पूरा करेंगे. आपके स्वास्थ्य में भी गिरावट आ सकती है. हालांकि आज आपको किसी की मदद भी मिल सकती है आज आप अपने विचारों और भावनाओं को नियंत्रित रखना ही फायदेमंद होगा. आज के दिन आपको जरुरतमंद की मदद करनी चाहिए

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यदि आप अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं तो यह एक नए गठबंधन में प्रवेश करने के लिए यह अच्छा समय है. कुछ महत्वपूर्ण कार्य से संबंधित यात्रा पर जाना पड़ सकता है. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद करेगा. पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए आप कुछ नई बचत योजनाओं को लागू करेंगे. आप राजनीति से जुड़े हुए हैं तो नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपके वैवाहिक जीवन के साथ-साथ अपने करियर को अनदेखा न करें, इन दोनों को आपकी देखभाल की ज़रूरत है. आपको कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है. आज अपना आपा न खोएँ, नहीं तो परिवार में कभी न मिटने वाली दरार पड़ सकती है. नुकसान हो सकता है. मेहमानों का आगमन होगा. पारिवारिक सुखों को भोगने का समय आ गया है. अपने हाथों से गौ सेवा करें ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे ।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 24 जुलाई 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया प्रात: 07:32 तक
नक्षत्र : शतभिषा सायं 06:15 तक
योग : सौभाग्य प्रात: 11:09 तक
करण : विष्टि प्रात: 07:32 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , भद्रा प्रात: 07:31 तक , संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 09:23 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कुरुक्षेत्र में दो किलो 730 ग्राम अफीम के साथ दो युवक गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र,23 जुलाई (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र सीआईए एक की टीम ने पिपली पैराकीट के नजदीक से राजस्थान के रहने वाले दो युवकों को दो किलो 730 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी देव किशन उर्फ मोनी और अंकित निवासी हथियाना जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान से अफीम लेकर कुरुक्षेत्र में सप्लाई करने के लिए पहुंचे थे। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा ताकि सप्लायर को भी काबू किया जा सके।

पुलिस अधीक्षक जश्नदीप सिंह रंधावा ने बताया कि जिला पुलिस की ओर से नशे की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत सीआईए-एक की टीम को गुप्त सूचना मिली कि देव किशन और अंकित राजस्थान से अफीम लेकर कुरुक्षेत्र सप्लाई करने के लिए आए थे। अभी दोनों आरोपी पिपली पैराकीट के निकट घूम रहे थे। सूचना पर टीम ने मौके पर दबिश देकर मिली सूचना अनुसार घूम रहे दो युवकों को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 2.730 ग्राम अफीम बरामद हुई। दोनों के खिलाफ थाना सदर थानेसर में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस अफीम की अंतरराष्ट्रीय में करीब साढ़े छह लाख रुपये कीमत है। आरोपियों से बरामद अफीम की मात्रा व्यवसायिक है। इस साल जिला पुलिस ने 14 व्यावसायिक मामले दर्ज कर 37 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गत दिनों ही पुलिस ने अलग-अलग जगह से 6700 नशीली गोलियों के साथ दो आरोपियों को पकड़ा था। इसके अलावा पंजाब बॉर्डर से सटे पिहोवा के गांव पिपली प्लाट से दो गाड़ियों से 223 किलो डोडा पोस्त बरामद कर पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया था।

विकसित भारत के लक्ष्य का रोडमैप है बजट : दीया कुमारी

जयपुर,23 जुलाई (एजेंसिया)। उपमुख्यमंत्री ने बजट घोषणों पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि महिला और बालिकाओं के लिए केंद्रीय बजट में 3 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण की भी घोषणा की गई है, जिसके अन्तर्गत 25000 गांवों तक रोड बनायी जायेगी। गया के विष्णुपाद मंदिर और बोधगया के महाबोधि मंदिर कॉरिडोर को काशी विश्वनाथ की तर्ज पर विकसित करने, राजगीर और नालंदा को विकसित करने की घोषणा की भी उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ये दोनों कॉरिडोर, देश-विदेश से श्रृद्धालुओ और पर्यटकों को भारत की ओर आकर्षित करेगें।

दीया कुमारी ने कहा कि केन्द्रीय बजट में रोजगार और कौशल विकास के अवसर बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के साथ-साथ छोटे और मध्यम उद्योगों और मध्यम वर्ग के लिए भी कई घोषणाएँ की गयी है। देश में युवाओं को अगले पांच साल में कौशल विकास के विभिन्न अवसर प्राप्त होगे और एक करोड़ युवाओं को देश के टॉप 500 कपंनियों में इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही देश के विभिन्न संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं को दस लाख तक का ऋण उपलब्ध हो पायेगा। अनुसंधान नेशनल रिसर्च फंड के माध्यम से युवाओ को रिसर्च के क्षेत्र मे नये मौके उपलब्ध होगे। उन्होंने हर्ष जताया कि कृषि के क्षेत्र में केन्द्र सरकार ने 1.51 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो रक्षा और ग्रामीण विकास के क्षेत्र के बजट के बाद सबसे बडा बजट प्रावधान है। मनरेगा स्कीम में भी बजट को 60000 करोड़ से बढ़ा कर इस बजट में 86000 करोड़ किया गया है, जो स्वागत योग्य है। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए मुद्रा योजना के अन्तर्गत मिलने वाले ऋण की सीमा को भी बढ़ा कर बीस लाख रुपये कर दिया गया है।

युवा नीति के अभाव में राजस्थान विधानसभा में गरजे शिव विधायक भाटी

जयपुर,23 जुलाई (एजेंसियां)। शिव विधायक भाटी ने जोर देकर कहा कि जहां राष्ट्र की बेरोजगारी दर 8 से 9 प्रतिशत है, वहीं राजस्थान में यह दर 27% तक पहुंच चुकी है। इसका प्रमुख कारण प्रदेश में कोई यूथ पॉलिसी न होना है। भाटी ने कहा, आती-जाती सरकारों की हवा-हवाई मीठी बातों और झूठे वादों में अगर युवाओं का वक्त बर्बाद करेंगे, तो आने वाला वक्त आपको, हमे, प्रदेश की शांति, प्रगति की आशाओं और सामाजिक सौहार्द को बर्बाद कर देगा। प्रदेश के युवा रोजगार के मामले में बद से बदतर स्थिति में हैं।

भाटी ने राहत इंदौरी की पंक्तियां उद्धृत करते हुए कहा, कॉलेज के सब बच्चे चुप हैं कागज की इक नाव लिए, चारों तरफ दरिया की सूरत फैली हुई बेकारी है। उन्होंने कहा कि सरकार को अब युवाओं की रोजगार की, रोटी, कपड़ा और आशियाने की छोटी-छोटी आशाओं को बड़ी-बड़ी बातों और वादों में उलझाने का वक्त नहीं है। अब प्रतिबद्धता दिखाने का, ठोस योजना, लिखित दस्तावेज और समयसीमा में क्रियान्वयन का वक्त है। भाटी ने बताया कि राजस्थान की 8.5 करोड़

की आबादी में से 88 लाख युवा बेरोजगार हैं। 2.5 करोड़ युवा अभी 18 साल से कम उम्र के हैं, और अगले 5 साल में 70 लाख युवा और जुड़ जाएंगे, जिससे बेरोजगारी की संख्या 1.5 करोड़ तक पहुंच सकती है। उन्होंने सवाल उठाया, क्या हमारी सरकार की सोच में कमी है? नहीं, कमी है प्रतिबद्धता की।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के अलावा छोटे-छोटे राज्यों में भी यूथ पॉलिसी है, जैसे असम, कर्नाटक, जम्मू और कश्मीर, लेकिन हमारे पास युवाओं के भविष्य के लिए कोई योजना क्यों नहीं है? उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि अब वक्त है प्रतिबद्धता दिखाने का, ठोस योजना, लिखित दस्तावेज और समयसीमा में क्रियान्वयन का। भाटी ने कहा कि वर्तमान बजट में सरकार ने पांच सालों में चार लाख नौकरियां देने का वादा किया है, लेकिन इन भर्तियों का विभागवार और पदों का कोई वर्गीकरण नहीं है। न ही कोई यूथ पॉलिसी जैसा दस्तावेज है।

राजस्थान की जनता के लिए निराशाजनक बजट : सचिन पायलट

जयपुर,23 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वित्त मंत्री ने बजट में अनेक प्रदेशों की योजनाओं का उल्लेख किया परन्तु राजस्थान की ई.आर.सी.पी. और यमुना लिंक योजनाओं के लिए कोई घोषणा नहीं की जोकि प्रदेश की जनता के साथ छलावा है। जबकि केन्द्र के मंत्री ने अपनी मौजूदगी में मध्यप्रदेश और हरियाणा के साथ एमओयू करवाए थे।

उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने इस बजट को रोजगारोन्मुखी बताने का प्रयास किया है जो कि दर्शाता है कि भाजपा सरकार ने यह स्वीकार कर लिया है कि बेरोजगारी चरम पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि बजट में दिखाए गए कदमों से बेरोजगारी कम नहीं होने वाली क्योंकि निम्न और निम्न मध्यम वर्ग में महंगाई के कारण खपत बढ़ नहीं पा रही है। सरकार को हर हालत में सरकारी पूंजीगत व्यय को और बढ़ाने पर जोर देना होगा।

पायलट ने कहा कि केन्द्र सरकार के अधीन चल रहे लगभग 10 लाख रिक्त पदों को भरने को लेकर भी वित्त मंत्री बजट में चुप्पी साधे रखी जो साबित करता है कि सरकार बेरोजगारों को केवल निजी क्षेत्र की ओर धकेलना चाहती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा मनरेगा पर वित्त मंत्री द्वारा बजट भाषण में एक शब्द भी नहीं बोलना समझ से परे है। पायलट ने कहा कि कांग्रेस घोषणा पत्र की इंटर्नशिप योजना, प्रशिक्षुता योजना को बजट में शामिल करके भाजपा सरकार ने स्वीकार कर लिया है कि कांग्रेस की नीतियां सदा से ही देश हित में रही है। उन्होंने कहा कि इस बजट से न महंगाई कम होगी, न बड़ी मात्रा में रोजगार उत्पन्न होंने और न ही राजस्थान को कोई विशेष योजना मिलेगी।

एसी ठीक करते समय युवक की करंट लगने से मौत

बीकानेर,23 जुलाई (एजेंसियां)। चिल्ड्रेन अस्पताल में एसी ठीक करते समय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तालीम मोहम्मद अस्पताल में ठेकेदार के अंडर में काम करता था। आज सुबह पीबीएम अस्पताल में मरीजों की सेवा करने वाली एक संस्था ने पीबीएम अस्पताल के बच्चा अस्पताल में 17 नंबर कमरे के खराब एसी को ठीक करने के लिए उसे बुलाया था। एसी को ठीक करते समय उसकी करंट लगने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अस्पताल में काम करने वाली एक सामाजिक संस्था ने अस्पताल में बिजली ठेकेदार को बच्चा अस्पताल के 17नं ओपीडी में लगे एसी को ठीक करने के लिए इन दो युवकों को बुलाया था। दोनों युवक एसी ठीक कर रहे थे।बताया जा रहा है कि इस दौरान कमरे में किसी ने एसी का स्विच ऑन कर दिया, जिसके चलते तालीम मोहम्मद करंट लगकर तिपाई से नीचे आ गिरा।

ये बजट विकसित भारत के निर्माण में एक नया अध्याय लिखेगा :सीएम सैनी

चंडीगढ़,23 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने बजट पर कहा कि यह बजट विकसित भारत के निर्माण में एक नया अध्याय लिखेगा। इस बजट में कृषि को अधिक लाभकारी बनाने, अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने, अधिक से अधिक रोजगार सृजित करने का विजन दिखाई देता है। सीएम ने कहा कि किसानों के लिए बजट में कई प्रावधान हैं, जो कृषि प्रधान हरियाणा के लिए लाभदायक होगा। रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। रोजगार पर कई काम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी बजट साबित होगा। देश को मजबूती मिलेगी। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भी बधाई दी।

एसपी ने छात्राओं को कराया साइबर सुरक्षा से रूबरू

मोबाइल को सही उपयोग में लेने की दी सलाह

अजमेर,23 जुलाई (एजेंसियां)। मंगलवार को अजमेर पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने सोफिया कन्या महाविद्यालय मे छात्राओं के लिए साइबर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें साइबर सिक्योरिटी तथा उसके मुद्दे और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि एसपी देवेंद्र कुमार बिश्नोई थे। उन्होंने छात्राओं को अपनी मर्यादा और उसमें नियमों का पालन करने की सलाह दी साथ ही उन्होंने छात्राओं को सही जानकारी प्राप्त करने के लिए जागरूक किया।

उन्होंने सत्य घटनाओं द्वारा बालिकाओं को जागरूक किया और अपने मोबाइल को सही उपयोग में लेने की सलाह दी। छात्राओं ने जानकारी को बहुत जागरूक होकर सुना और समझा। कार्यक्रम में भीकाराम काला ट्रैफिक इंस्पेक्टर भी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रोफेसर सिस्टर पर्ल ने मुख्य अतिथि बिश्नोई को स्मृति चिन्ह भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया, मंच का संचालन डॉ रितु भार्गव प्रवक्ता कंप्यूटर साइंस विभाग ने किया। इस मौके पर कंप्यूटर साइंस विभाग के अध्यक्ष गौतम, प्रकाश जैन, डॉक्टर नेहा शर्मा, किरण भगनानी, ऋषि सक्सेना, लवीना गंगवानी, चांदनी शर्मा, पूजा दीक्षित सहित अन्य मौजूद रहे।

छह हत्याओं का मामला: वकीलों ने नहीं लिया केस

तीन आरोपी एक दिन के रिमांड पर

अंबाला,23 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला के नारायणगढ़-रायपुरानी सीमा स्थित रतौर गांव में अपने ही परिवार की बर्बरता से छह हत्याओं के मामले में पकड़े गए चारों आरोपियों को पुलिस ने मंगलवार कोर्ट में पेश किया। सीनियर डिविजन ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट गीतांजलि गोयल की कोर्ट में इस मामले में करीब 15 मिनट तक सुनवाई हुई। आरोपियों की तरफ से किसी भी वकील ने वकालतनामा पेश नहीं किया। पुलिस की ओर से सरकारी वकील ने हत्या में शामिल गंड़ासी और कुल्हाड़ी आदि हथियार की बरामदगी और अन्य की संलिप्तता पर पूछताछ करने के लिए दो दिन का रिमांड मांगा था। इस पर कोर्ट ने एक दिन का रिमांड मंजूर किया।

कोर्ट ने आरोपी महिला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जबकि तीनों आरोपी भूषण, साला मनीष उर्फ जॉनी, अमल उर्फ टोनी का एक दिन की रिमांड मंजूर की। अब पुलिस आरोपियों को हत्या के बाद छिपाए हथियारों की बरामदगी के लिए लेकर जाएगी। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि यह हथियार रतौर और पास के किसी गांव में छिपाए हैं।

दरअसल, दो एकड़ जमीन के लिए मुख्य आरोपी भूषण ने अन्य के साथ मिलकर अपने छोटे भाई हरीश सहित उसकी पत्नी सोनिया, दो भतीजी पांच वर्षीय यशिका, आठ वर्षीय परी और एक छह माह के भतीजे मयंक सहित मां सुरोपी की गला रेतकर हत्या कर दी थी। बाप ओमप्रकाश भी जानलेवा हमला किया था लेकिन वह जान बचाकर भाग गया था। सुराग मिटाने के लिए शव की घर में ही शटरिंग की बल्लियों पर चिता बनाकर डीजल से आग लगा दी थी। समय रहते पिता ओमप्रकाश मदद लेकर आया तो अधजले शवों को बाहर निकाला।

प्रस्ताव पास होने के बाद कोई नहीं लड़ रहा केस

उधर, जघन्य अपराध को देखते हुए नारायणगढ़ बार एसोसिएशन ने आरोपियों की पैरवी करने से हाथ खड़े कर दिए थे। बाकायदा एसोसिएशन के प्रधान की तरफ से एक प्रस्ताव भी पास किया गया था। सभी वकीलों ने सहमति जताई थी। यहीं कारण था कि आरोपियों की तरफ से सुनवाई के दौरान कोई भी वकील पेश नहीं हुआ।

इस तरह का जघन्य अपराध करने वाले हत्यारे की पैरवी न करने के लिए एक प्रस्ताव डाला गया था। किसी भी वकील ने आरोपी की तरफ से वकालत नामा पेश नहीं किया। नारायणगढ़ कोर्ट में छह हत्याओं का यह पहला मामला था जब सगे भाई ने अपने ही खून को खत्म कर दिया। छह माह के बच्चे को भी नहीं बक्शा। आगे भी कोई जघन्य अपराध का मामला आता है तो यह प्रस्ताव डाला जाएगा। -पंकज बिंदल, प्रधान, नारायणगढ़ बार एसोसिएशन प्रधान

पति ने पत्नी को कस्सी से उतारा मौत के घाट

करनाल,23 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल के इंद्री क्षेत्र में उड़ाना गांव में पति ने पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। आरोपी ने बेटी के सामने ही उसकी मां पर कस्सी से कई वार किए। हमले में घायल 45 वर्षीय नेहा ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतका के बेटे रजत की शिकायत के आधार पर आरोपी पिता राजिंद्र के खिलाफ केस दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि राजिंद्र व उसकी पत्नी नेहा के बीच घरेलू विवाद चल रहा था। जिससे गुस्साए राजिंद्र ने अपनी ही पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। आरोपी ने पत्नी की गर्दन, सिर व बाजू पर कस्सी से कई वार किए। महिला की निर्मम हत्या से गांव में दहशत का माहौल है। नेहा गांव के कुछ घरों में सफाई का काम करके अपना गुजर बसर कर रही थी। मंगलवार सुबह वह अपनी बेटी के साथ सफाई का काम निपटाकर लौट रही थी। सुबह करीब 7 बजे रजनी व उसकी मां नेहा जैसे ही गांव में स्थित गोगा मेड़ी के पास पहुंची तो पहले ही घात लगाकर बैठे राजिंद्र ने अचानक हमला बोल दिया। बेटी रजनी ने मां को छुड़ाने की पुरजोर कोशिश की। लेकिन पिता के सिर पर खून सवार था। बेटी के समझाने के बाद भी बाप का दिल नहीं पसीजा। मां को बचाने का कोई चारा नहीं दिखा तो रजनी पड़ोसियों को बुलाने के लिए दौड़ी। लौटी तो काफी देर हो चुकी थी। रजनी जब ग्रामीणों के साथ वापस आई तो मां घायल अवस्था में जमीन पर तड़प रही थी। पिता राजिंद्र वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो चुका था।

सावन माह में घर या मंदिर में जलाएं इस तरह दीपक

मान्यतानुसार भोलेनाथ प्रसन्न होकर देंगे आशीर्वाद

सावन की शुरुआत हो चुकी है और पहला दिन ही सावन का सोमवार था। इस बार सावन में पांच सोमवार पड़ने वाले हैं, ऐसे में सावन सोमवार के दिन भगवान शिव की विशेष पूजा करने का महत्व होता है। कहते हैं सावन सोमवार पर व्रत करने के साथ अगर आप विधि-विधान से महादेव की पूजा-अर्चना करें, तो साधकों को मनोवांछित फल मिलता है। इस बार सावन में पांच सोमवार पड़ रहे हैं और कई विशेष योग का निर्माण भी होने जा रहा है। जानिए सोमवार के दिन भगवान शिव के सामने आपको किस तरह से दीपक जलाना चाहिए जिससे भोलेनाथ का आशीर्वाद मिले।

घी नहीं सरसों के तेल का जलाएं दीपक

लगभग हर भगवान की पूजा करने के दौरान घी का दीपक जलाया जाता है। लेकिन, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन के पांचों सोमवार पर भगवान शिव के समक्ष अगर सरसों के तेल का दीपक जलाया जाए तो यह बहुत लाभकारी माना जाता है। आप चाहें तो आप घी का दीपक भी जला सकते हैं लेकिन सरसों के तेल का दीपक लगाने से महादेव अति प्रसन्न होते हैं।

कलावे की बत्ती का करें इस्तेमाल

सावन के सोमवार पर भगवान शिव की पूजा के दौरान अगर आप दीपक जला रहे हैं, तो इसमें रुई की बत्ती का इस्तेमाल ना करते हुए सावन के पांचों सोमवार पर सरसों के तेल का जो दीपक जलाएं उसमें कलावे की बत्ती बनाकर ही दीपक जलाएं, इसके लिए आप लाल या पीले रंग का कलावा ले सकते हैं। आप जनेऊ का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसकी बत्ती बनाने के लिए कलावा या जनेऊ लेकर अच्छी तरह से मथ लें, इसके बाद पीतल के दीपक में इस बत्ती को लगाएं, सरसों का तेल डालें और फिर जलाएं।

सावन सोमवार पर दीया जलाने का लाभ

सोमवार पर सरसों का दीपक जलाने से साधकों को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। कहते हैं कि सरसों के तेल में कलावे की बत्ती का दीया जलाने से देवों के देव महादेव अति प्रसन्न होते हैं और भक्तों के सभी बिगड़े काम बना देते हैं। इतना ही नहीं ऐसा करने से कुंडली में मौजूद सभी प्रकार के ग्रह दोष से भी छुटकारा मिलता है और घर में सुख-शांति का वास होता है।

सौभाग्य योग में गजानन संकष्टी चतुर्थी आज

भद्रा और पंचक साथ

सावन का पहला चौथ या चतुर्थी व्रत 24 जुलाई को है। उस दिन श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि, शतभिषा नक्षत्र, सौभाग्य योग, विष्टि करण, उत्तर का दिशाशूल, बुधवार दिन और कुंभ राशि का चंद्रमा है। सावन के पहले चतुर्थी को गजानन संकष्टी चतुर्थी कहते हैं। गजानन संकष्टी चतुर्थी के दिन सौभाग्य और शोभन योग बना है। इस दिन भद्रा और पंचक साथ में है। पंचक पूरे दिन रहेगा। हालांकि सोमवार से शुरू हुआ राजपंचक अशुभ नहीं है, ऐसे में आप अपने सभी काम कर सकते हैं। लेकिन सुबह में भद्रा के कारण शुभ कार्य नहीं होंगे। इस भद्रा का वास धरती पर है। हालांकि भद्रा में संकष्टी चतुर्थी की पूजा बाधित नहीं होगी।

संकष्टी चतुर्थी को सुबह में व्रत करने वाले लोग गणेश जी की पूजा विधि विधान से करें। वैसे भी बुधवार का दिन गणेश पूजा का होता है। गणेश जी को मोदक, दूर्वा और सिंदूर पूजन के समय जरूर अर्पित करें। इससे वे प्रसन्न होंगे और आपकी मनोकामना पूरी करेंगे। गणेश जी का आशीर्वाद पाने के लिए ओम गं गणपतये नम: मंत्र का जाप करें।

इसमें गणेश जी का बीज मंत्र गं भी शामिल है। यह गणेश जी का मनोकामना पूर्ति मंत्र है। बुधवार को व्रत रखकर गणेश पूजा करने से बुध दोष दूर हो सकता है। बुध ग्रह को मजबूत करने के लिए बुध के बीज मंत्र का जाप करें। गाय को हरा चारा खिलाएं। वैदिक पंचांग से जानते हैं चतुर्थी का शुभ मुहूर्त, अशुभ समय, सूर्योदय, सूर्यास्त, चंद्रोदय, चंद्रास्त, राहुकाल, दिशाशूल आदि।

इन 3 राशियों की लगने वाली है लॉटरी

सावन में बनने वाला है लक्ष्मीनारायण राजयोग

इस बार सावन के महीने में ऐसे शुभ योग का निर्माण होने जा रहा है जो आपके जीवन में अचानक धनलाभ के योग बनाएंगे। 3 राशियों के लिए ये इतने सकारात्मक हैं कि इनकी लॉटरी निकलने से कम साबित नहीं होंगे। इस महीने के आखिरी दिन लक्ष्मी नारायण योग बनेंगा जिसका प्रभाव सभी राशियों पर पड़ेगा। लक्ष्मी नारायण योग ज्योतिष शास्त्र में एक विशेष योग है जो शुक्र और बुध ग्रहों की युति से बनता है। यह योग धन, समृद्धि, सफलता और वैभव प्रदान करने वाला माना जाता है। शुक्र ग्रह को लक्ष्मी का कारक माना जाता है, जो धन, ऐश्वर्य और सुख-सुविधाओं का प्रतीक है। बुध ग्रह को बुद्धि, व्यापार और संचार का कारक माना जाता है। जब शुक्र और बुध ग्रह एक ही राशि में या केंद्र, त्रिकोण या षष्ठ भाव में युति बनाते हैं, तो लक्ष्मी नारायण योग बनता है।

कैसे बनता है लक्ष्म नारायण योग

जब बुध और शुक्र एक ही राशि में आते हैं तो इस युति से लक्ष्मी नारायण योग बनता है। 19 जुलाई पर बुध का सिंह राशि में गोचर हुआ था और अब 31 जुलाई को दोपहर 2 बजकर 15 मिनट पर शुक्र भी सिंह राशि में गोचर करेंगे। बुध और शुक्र की इस ग्रह स्थिति से लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण होगा। जिसका सबसे ज्यादा लाभ इन तीन राशि के जातकों को मिलेगा।

सिंह राशि– सिंह राशि के जातकों की कुंडली में लग्न भाव में लक्ष्मी नारायण राजयोग बनने जा रहा है। नौकरी वाले लोगों को इस दौरान जबरस्त तरक्की मिलेगी जिससे इनकी आमदनी भी बढ़ेगी। बिजनेस कर रहे लोगों को इस बीच तगड़ा मुनाफा मिल सकता है। सिंह राशि के लोगों के आय के स्रोत भी बढ़ने वाले हैं। अधिक पैसा कमाएंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में मज़बूती आएगी।

धनु राशि–लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण धनु राशि के जातकों की कुंडली में नौवें भाव में होगा। भाग्य इस समय आपका भरपूर साथ देगा। समाज में आपका मान सम्मान बढ़ेगा। आपकी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से होगी जिनसे आपको आर्थिक लाभ मिल सकता है। विदेश यात्रा के भी योग बनेंगे और किसी परीक्षा के लिए तैयारी कर रहे हैं तो उसमें भी सफलता मिलने के आसार हैं।

कर्क राशि– कर्क राशि वालों को धन कमाने के ऐसे मौके मिलेंगे जो इनका जीवन बदल देंगे। बंगला, गाड़ी, नौकरी, बिज़नेस ये जो चाहेंगे इस समय हासिल कर पाएंगे। पैसे कमाने और जोड़ने में ये समय इनका साथ देगा। लोग इनकी बातों से प्रभावित रहेंगे और इनके कई काम सिर्फ इनकी बात करने से ही आसानी से बन जाएंगे। आप नौकरी करते हैं या आपका बिज़नेस है आपको हर स्थिति में इस राजयोग का लाभ मिलने वाला है।

उत्तराखंड के इस मंदिर में स्थापित है एक बिलियन वर्ष पुराना स्वयंभू शिवलिंग

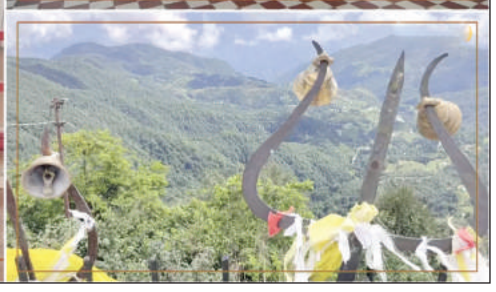

कंदपुराण में है उल्लेख

थलकेदार पिथौरागढ़ का महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल एवं प्रसिद्ध प्राचीन शिव मंदिर है, जो पिथौरागढ़ से लगभग 16 किमी कि दुरी पर बड़ाबे गांव की ऊंची चोटी पर 2100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह धार्मिक स्थान अपने स्वयंभू शिवलिंग के लिए सबसे प्रसिद्ध है, जो 1000 मिलियन वर्ष पुराना माना जाता है। उत्तराखंड में ऐसा दूसरा शिवलिंग केदारनाथ में ही है। जिस कारण थलकेदार को यहां शिवधाम के रूप में केदारनाथ जैसा ही महत्व मिला हुआ है।

थलकेदार शिव मंदिर की गिनती प्राचीनतम मंदिरों में होती है, जिसका वर्णन स्कंदपुराण के मानसखंड के अध्याय 133 में दिया गया है। स्कंदपुराण में लिखा है कि सरयू और काली नदी के संगम का सबसे ऊंचा शिखर स्थाकिल पर्वत है, जहां महादेव अपने प्रतापी स्वरूप के रूप में विराजमान हैं। स्थाकिल पर्वत का नाम ही वर्तमान में थलकेदार है।

5 किमी का कठिन ट्रैक

थलकेदार पहुंचने के लिए 5 किलोमीटर का ट्रैक करना होता है, शिखर पर मौजूद थलकेदार मंदिर से गढ़वाल, कुमाऊं और नेपाल के हिमालय का खूबसूरत दृश्य देखने को मिलता है, शिवरात्रि और सावन में यहां शिवभक्तों का मेला लगता है और लोग दूर-दूर से यहां प्राचीन शिवलिंग पर जल चढ़ाने पहुंचते हैं।

स्वयंभू शिवलिंग है मंदिर में स्थापित

यहां पिछले 8 साल से रहकर शिवधाम की सेवा करने वाले स्वामी वृतानन्द महाराज ने मंदिर की महिमा बताते हुए कहा कि सृष्टि की उत्पत्ति होने के साथ ही यहां धरती से निकला हुआ शिवलिंग मौजूद है। जो महादेव शिव के पवित्र स्थलों में से है। साथ ही उन्होंने बताया कि इतना धार्मिक महत्व रखने वाले इस पवित्र शिवधाम को भक्तों के आपसी सहयोग से भव्य रूप दिया गया है। यहां श्रद्धालुओं के लिए धर्मशाला भी है जहां भक्त रात्रि विश्राम भी कर सकते हैं।

क्या है लोगों की मांग?

थलकेदार में भगवान शिव के प्रहरी के रूप में उनके विशिष्ट गण लाटा देवता भी निवास करते हैं। जो यहां के लोगों के ईष्टदेव भी हैं। 6 पट्टी सोर पिथौरागढ़ के प्राचीनतम, केदारनाथ के बराबर महत्व रखने वाले थलकेदार मंदिर को मानसखण्ड कॉरिडोर में शामिल कर शिवधाम के रूप में विकसित करने की मांग भी यहां के लोग कर रहे हैं।

क्या आप बेडरूम में रखते हैं पानी की बोतल?

रात को सोते समय कई लोगों को प्यास लगती है और इस दौरान उठकर दूर ना जाना पड़े, इसलिए वे पानी की बोतल बेडरूम में ही रख लेते हैं। पुराने समय में लोग अपने कमरे में मटका या सुराही रखते थे, लेकिन जैसे-जैसे समय बदला लोगों ने अपनी सुविधा के अनुसार इसमें चेंज कर लिया। लेकिन क्या घड़ा या सुराही की जगह बोतल रखना चाहिए? वास्तु में ऐसी कई बातों का उल्लेख मिलता है।

पानी की बोतर रखें या ना रखें?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेडरूम में पानी की बोतल रखना सही नहीं माना जाता है। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि आप पानी नहीं रख सकते। यदि इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। आइए जानते हैं इनके बारे में।

बेडरूम में पानी रखना अशुभ

फेंगशुई के अनुसार, यदि आप बेडरूम में अपने आस-पास पानी रखकर सोते हैं तो यह आपकी नींद के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। इससे आपके दांपत्य जीवन में अड़चनें आ सकती हैं। यह पति और पत्नी के बीच दरार तक जा सकता है। वास्तु के अनुसार बेडरूम में पानी ही नहीं, पानी से जुड़े चित्र भी नहीं लगाना चाहिए।

दिशा का सही होना जरूरी

यदि आपको पानी की अधिक जरूरत लगती है तो फिर आप सही दिशा के अनुसार पानी रखें क्योंकि गलत दिशा में रखा गया पानी आपके कमरे में नेगेटिविटी बढ़ाता है। ऐसे में यदि आप बेडरूम में पानी रखना चाहते हैं तो हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। यदि संभव हो तो इसे शीशे के स्टूल पर रखें।

इस जगह पर ना रखें पानी

आपने कई घरों में देखा होगा कि पीने के पानी को बेडरूम में कहीं भी रख देते हैं। इनमें बेड साइड टेबल पर रखना आम बात है। लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आप पानी को रखना जरूरी समझते हैं तो बेड से दूरी पर रखें। पानी को तांबे के लोटे में या बोतल में रखना ठीक हो सकता है।

बेलपत्र पर क्यों लिखा जाता है राम का नाम, किसने की थी शुरुआत?

भगवान शिव को बेलपत्र अत्यधिक प्रिय है। यही कारण है कि सावन में सबसे ज्यादा शिवलिंग में बेलपत्र चढ़ाई जाती है। इसका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व हिंदू धर्म में अत्यधिक है। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि पहली बार बेलपत्र पर राम का नाम किसने और क्यों लिखा था। इस रहस्य से काशी के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पं। संजय उपाध्याय ने पर्दा उठाया है। इन्होंने इस प्राचीन परंपरा के पीछे क्या कारण है और इसका क्या महत्व है, उसे विस्तार से समझाया है।

पंडित संजय उपाध्याय ने बताया कि बेलपत्र पर राम का नाम सबसे पहले माता पार्वती ने लिखा था। ऐसा माना जाता है कि भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनकी आराधना के लिए माता पार्वती ने राम नाम अंकित बेलपत्रों का उपयोग किया था। राम का नाम भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है और इसे बेलपत्र पर लिखकर अर्पित करने से भगवान शिव अति प्रसन्न होते हैं।

धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

बेलपत्र पर राम का नाम लिखने का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी है। पं। संजय उपाध्याय ने बताया कि राम नाम का जप और लेखन, दोनों ही शिव आराधना के महत्वपूर्ण अंग हैं। राम नाम में अद्भुत शक्ति होती है और जब इसे बेलपत्र पर लिखा जाता है, तो इसका प्रभाव और भी बढ़ जाता है। भगवान शिव को बेलपत्र और राम नाम दोनों ही अत्यंत प्रिय हैं।

ये है पौराणिक प्रमाण

पं। संजय उपाध्याय ने पौराणिक कथाओं का हवाला देते हुए कहा कि शिव पुराण और स्कंद पुराण में बेलपत्र का उल्लेख मिलता है।

इन पुराणों के अनुसार, भगवान शिव की पूजा में बेलपत्र का विशेष महत्व है। इसके अलावा रामायण और महाभारत में भी राम नाम के महात्म्य का वर्णन है।

श्रद्धालुओं का अनुभव

वाराणसी के निवासी और भगवान शिव के परम भक्त मनोज मिश्रा का कहना है कि हमारे परिवार में वर्षों से बेलपत्र पर राम नाम लिखकर शिवलिंग पर चढ़ाने की परंपरा है। इससे हमें अपार शांति और मानसिक संतुलन मिलता है। यह हमारी आस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

शिवलिंग पर बेलपत्र सीधा चढ़ाते हैं या उल्टा, क्या है नियम?

देवों के देव महादेव को प्रसन्न करने के लिए शिव भक्त हर वो उपाय करते हैं, जिनका वर्णन शास्त्रों में बताया गया है। उनमें से एक सबसे सरल उपाय है बेलपत्र चढ़ाने का। कहा जाता है कि बेलपत्र भगवान शिव को बहुत प्रिय है, उसके बिना शिव जी की पूजा अधूरी मानी जाती है। सावन, शिवरात्रि, प्रदोष, सोमवार आदि के व्रतों में तो बेलपत्र चढ़ाना अनिवार्य माना जाता है। शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करने से भोलेनाथ को शीतलता मिलती है।

शिव जी को कैसे चढ़ाएं बेलपत्र?

सबसे पहले आपको जानना चाहिए कि बेलपत्र में तीन पत्तियां होती हैं। यदि आप भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित करते हैं तो उसमें 3 पत्तियां होनी जरूरी हैं अन्यथा वह अपूर्ण माना जाएगा। बेलपत्र का चयन करते समय इस बात का ध्यान रखें कि उसकी पत्तियां कटी-फटी न हों और उस पर किसी प्रकार के दाग-धब्बे न हों। बेलपत्र ताजा होना चाहिए, वह मुरझाया न हो।

बेलपत्र अर्पित करने से पूर्व उसे पानी से धोकर अच्छे से साफ कर लेना चाहिए। फिर शिवलिंग पर जल चढ़ाने के बाद बेलपत्र के चिकने हिस्से को शिवलिंग से स्पर्श कराना चाहिए। बेलपत्र को चिकने हिस्से की ओर से शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। बेलपत्र अर्पित करते समय आपको बेलपत्र अर्पण मंत्र पढ़ना चाहिए। यदि वह याद नहीं है तो आप ओम नम: शिवाय का मंत्र उच्चारण भी कर सकते हैं।

बेलपत्र न हो तो क्या करें?

यदि आप शिव मंदिर गए हैं और आपके पास बेलपत्र नहीं है तो परेशान न हों। शिवलिंग पर पहले से अर्पित बेलपत्र को उठाकर पानी से साफ कर लें। फिर उसे शिवजी को अर्पित कर दें। एक बार अर्पित किए गए बेलपत्र को दोबारा भी उपयोग में ला सकते हैं। वह जूठा नहीं माना जाता है।

शिवलिंग पर कितना बेलपत्र चढ़ाना चाहिए?

पूजा के समय आप शिवलिंग पर बेलपत्र 5, 11, 21 की संख्या में चढ़ा सकते हैं। बेलपत्र पर राम नाम अंकित करके शिवजी को अर्पित करेंगे तो भोलेनाथ बहुत प्रसन्न होंगे।

बेलपत्र चढ़ाने का मंत्र क्या है?

नमो बिल्मिने च कवचिने च नमो वर्म्मिणे च वरूथिने च नमः श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो
दुन्दुब्भ्याय चा हनन्न्याय च नमो घृश्णवे।।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनम् पापनाशनम्।
अघोर पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम्।।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम्।
त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम्।।
अखण्डै बिल्वपत्रैश्च पूजये शिव शंकरम्।
कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम्।।
गृहाण बिल्व पत्राणि सपुश्पाणि महेश्वर।
सुगन्धीनि भवानीश शिवत्वंकुसुम प्रिय।।

जाह्नवी कपूर की फिल्म उलझ का पहला गाना शौकन रिलीज

राजकुमार राव के साथ मिस्टर एंड मिसेज माही की सफलता के बाद अब अभिनेत्री जाह्नवी कपूर फिल्म उलझ के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान सुधांशु सरिया ने संभाली है। रोशन मैथ्यू, गुलशन देवैया और आदिल हुसैन जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।हाल ही में फिल्म का ट्रेलर सामने आया था। अब उलझ का पहला गाना शौकन रिलीज हो गया है, जिसमें जाह्नवी नशे में झूमती नजर आ रही हैं।गाने शौकन को नेहा कक्कड़ और जुबिन नौटियाल ने मिलकर गाया है। इस गाने के बोल कुमार ने लिखे हैं।

शाश्वत सचदेव ने इसे कंपोज किया है। उलझ 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।बॉक्स ऑफिस पर उलझ का सामना विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट से होगी, जिसकी कहानी 2002 की गोधरा ट्रेन जलने की घटना पर आधारित है।इसके अलावा अजय देवगन की औरों में कहां दम था भी 2 अगस्त को रिलीज होगी।गाने में जान्हवी के साथ गुलशन देवैया भी हैं। दोनों एक क्लब में डांस करते हुए और काफी एन्जॉय करते नजर आ रहे हैं। शौकन सोनी म्यूजिक इंडिया के लेबल के तहत रिलीज किया गया है।गाने के बारे में जान्हवी ने कहा, मैं हमेशा से नेहा कक्कड़ के गानों की फैन रही हूं, और उनके साथ काम करना मेरी विश लिस्ट में शामिल था। शौकन में पहली बार उनके साथ काम करने का मौका मिला। यह गाना आपको डांस फ्लोर पर जाने के लिए मजबूर कर देगा। यह हॉट, ग्लैमरस और ग्रूवी है।

मुझे लगता है कि शाश्वत, जुबिन और नेहा ने शानदार गाना तैयार किया है।फिल्म में जान्हवी सबसे कम उम्र की डिप्टी हाई कमिश्नर सुहाना भाटिया का किरदार निभा रही हैं। उनके सलेक्शन पर सवाल खड़े होते हैं। कुछ लोग आरोप लगाते हैं कि सुहाना की नियुक्ति में नेपोटिज्म का काफी हाथ है, क्योंकि वह एक समृद्ध परिवार से हैं। वह अपने विभाग में अपनी जगह बनाने के लिए काफी मशक्कत करती हैं।ट्रेलर में दिखाया गया है कि जान्हवी लंदन एंबेसी की एक खबरी की तलाश में निकलती हैं और खुद ही उसके जाल में फंस जाती हैं।

अपने ऊपर लगे देशद्रोह का आरोप हटाने के लिए और देश की रक्षा करने के लिए वह उन लोगों से भी भिड़ती हैं, जिन्होंने उन्हें और उनके देश को धोखा दिया है।जान्हवी कपूर ने फिल्म का ट्रेलर इंस्टाग्राम पर शेयर किया था और कैप्शन में लिखा, हर किसी के पास एक कहानी है। हर कहानी के सीक्रेट्स हैं। हर सीक्रेट में ट्रैप है। इस उलझ को सुलझाना आसान नहीं है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है और यह फिल्म दो अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

धनुष की 50वीं फिल्म रायन को मिला ए कैटेगरी का सर्टिफिकेट

इस हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर साउथ सिनेमा से साउथ सुपरस्टार धनुष की एक्शन-थ्रिलर और मारकाट वाली फिल्म रायन रिलीज के लिए तैयार है। रायन को धनुष ने लिखा और खुद डायरेक्ट किया है। यह दूसरी बार है जब धनुष ने कोई फिल्म डायरेक्ट की है। रायन आगामी 26 जुलाई को रिलीज होने जा रही है। रिलीज से चार दिन पहले रायन की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो गई है। धनुष ने एक एक्स पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। धनुष ने फिल्म रायन से अपना खून से लथपथ एक पोस्टर भी शेयर किया है। वहीं, बीते दिन रायन के प्री-रिलीज इवेंट में धनुष ने अपनी अगली फिल्म का भी एलान कर दिया है। इधर, फिल्म रायन को सेंसर बोर्ड ने ए (वयस्क) कैटेगरी का सर्टिफिकेट थमाया है।धनुष की एडवांस बुकिंग की बात करें तो सैकनिल्क के अनुसार, 22 जुलाई को दोपहर 2 बजे तक फिल्म रायन ने तमिल भाषा में 665 शोज के लिए 34,233 टिकट सेल कर 48,22,604।41 रुपये कमा लिए हैं। वहीं, तेलुगू में फिल्म ने 133 शोज के लिए 3,920 टिकट सेल कर 6,88,975 रुपये बटोर लिए हैं। रायन ने ऑल इंडिया में 798 शोज के लिए 38,153 टिकट सेल किए हैं, जिससे उसकी कुल कमाई 55,11,5,79 रुपये हो गई है।रायन तमिल के साथ-साथ हिंदी और तेलुगू में भी रिलीज होगी। धनुष की बतौर एक्टर रायन 50वीं फिल्म है। बीती 21 जुलाई की रात हैदराबाद में फिल्म रायन का प्री-रिलीज इवेंट हुआ। इस इवेंट में फिल्म की स्टारकास्ट धनुष, प्रकाश राज, नित्या मेनन, दुशारा विजयन, अपर्णा बाला मुरली, सुदीप किशन, कालीदास जयराम और एस जे सूर्या पहुंचे थे।इधर, रायन के प्री-रिलीज इवेंट में प्रकाश राज ने धनुष के फैंस को बड़ी गुडन्यूज दी थी। प्रकाश ने खुलासा किया था कि धनुष अपनी नई फिल्म के निर्देशन को लेकर प्लान कर रहे हैं और इस फिल्म में नित्या मेनन लीड रोल में होंगी। आपको बता दें, प्रकाश राज, धनुष और नित्या मेनन फिल्म रायन से पहले फिल्म थिरुचित्रम्बलम में साथ में देखे जा चुके हैं। फिल्म रायन की बात करें तो यह एक आम आदमी की कहानी पर बेस्ड है। यह एक मारकाट से भरी फिल्म है, जिसे देखते हुए केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने इसे एडल्ट कैटेगरी सर्टिफिकेट दिया है। फिल्म रायन के निर्माता सन पिक्चर्स है।

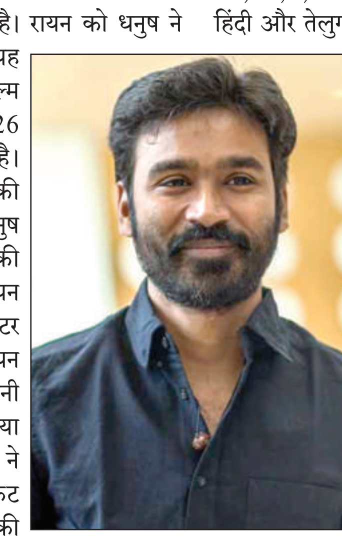

जैस्मिन भसीन ने भर-भरकर लुटाया अली गोनी पर प्यार

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन बीते दिनों अपनी हेल्थ के चलते सुर्खियों में छाई हुई थीं। दरअसल एक इवेंट के दौरान आंखों में लेंस लगाने के चलते उन्हें काफी तकलीफ हुई है। इस खबर के सामने आते ही जैस्मिन भसीन को लोगों ने सोशल मीडिया पर खूब दुआएं दीं और उन्हें 'गेट वेल सून' के मैसेज करने लगे। इसी बीच अली गोनी के नाम जैस्मिन भसीन ने एक लंबी-चौड़ी पोस्ट शेयर करके खूब प्यार लुटाया है। 'बिग बॉस' फेम जैस्मिन भसीन की इस पोस्ट पर लोग जमकर कमेंट्स और लाइक्स की बरसात कर रहे हैं। साथ ही लोग उनसे शादी को लेकर भी खूब सवाल पूछ रहे हैं।

जैस्मिन भसीन ने लिखी लंबी-चौड़ी पोस्ट

जैस्मिन भसीन ने सोशल मीडिया पर अली गोनी संग बिताए गए कई लम्हों की झलक दिखाई है। इस वीडियो को शेयर करते हुए जैस्मिन भसीन ने कैप्शन बड़ी ही खूबसूरती से लिखा है। जैस्मिन भसीन ने लिखा है, 'पिछले कुछ दिन काफी कठिन रहे हैं। बिना विजन और दर्द वाली फीलिंग काफी बुरी है।

अली गोनी 24 घंटे मेरे साथ रहने के लिए तुम्हारा शुक्रिया। मेरी आंखे बनने के लिए और मुझे मेरे दर्द को भुलवाकर हंसाने के लिए...मेरे लिए हर एक मिनट दुआ मांगने के लिए तुम्हारा शुक्रिया।' बता दें कि जैस्मिन भसीन के इस वीडियो को अब तक साढे 3 लाख से भी ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं लोग लगातार उनसे शादी के बारे में पूछ रहे हैं। एक शख्स ने लिखा है, 'जब इतना प्यार है तो शादी क्यों नहीं कर रहे हो तुम लोग?' वहीं एक और शख्स ने लिखा है, 'जाओ ना यार...तुम लोग तो शादी के नाम से भाग जाते हो।'

बिग बॉस में किया था इश्क का इजहार

बता दें कि जैस्मिन भसीन और अली गोनी के बीच नजदीकियां बिग बॉस के दौरान ही बढ़ी थीं। दरअसल दोनों बहुत ही अच्छे दोस्त थे लेकिन अली गोनी के वाइल्ड कार्ड से एंट्री लेते ही पूरी कहानी बदल गई है। सलमान खान के इस शो में अली और जैस्मिन करीब आएं और एक-दूसरे के प्यार में पड़े।

दोनों की केमेस्ट्री को ना सिर्फ दर्शकों ने पसंद किया बल्कि खुद सलमान खान ने भी इनकी तारीफ की। फिलहाल तो फैंस उस दिन के इंतजार में हैं जब दोनों अपनी शादी की डेट अनाउंस करेंगे।

कविता कौशिक ने टीवी इंडस्ट्री को कहा अलविदा

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस और 'बिग बॉस 14' में नजर आईं कविता कौशिक ने तमाम सीरियल्स में काम किया है और अपनी खास पहचान बनाई है। टीवी शो 'एफआईआर' में इंस्पेक्टर चंद्रमुखी चौटला बनकर आने वाली कविता कौशिक लोगों के दिलों पर राज करती थीं। फिलहाल, कविता कौशिक के तमाम चाहने वाले फैंस के लिए हैरान करने वाली खबर आई है। दरअसल, कविता कौशिक ने टीवी इंडस्ट्री को अलविदा कहने का फैसला किया है। कविता कौशिक ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि वह टीवी इंडस्ट्री को छोड़ रही हैं और उन्होंन इसके का पीछे का कारण भी बताया है। आइए जानते हैं कि कविता कौशिक ने क्या कहा है।

कविता कौशिक ने 'टाइम्स नाऊ' से बातचीत करते हुए, 'टीवी तो मुझे करना ही नहीं है। मैं 30 दिन का काम नहीं कर सकती। मैं वेब शो या फिल्म करने के लिए तैयार हूं लेकिन मैं एक एवरेज दिखने वाली एक्ट्रेस नहीं हूं जो आसानी से हर तरह के रोल में ढल जाए। सिर्फ कुछ ही तरह के रोल हैं जो मेरी पर्सनैलिटी पर फिट बैठते हैं। मुझे डायन के रोल के लिए टीवी शो ऑफर होते रहते हैं। लेकिन मैं अब वैसी जिंदगी नहीं जी सकती जो तीन साल पहले थी जब मैं टीवी कर रही थी। मैं उस फेज के लिए आभारी हूं लेकिन मैं यंग थी और मुझे पैसा चाहिए था लेकिन अब मैं उस तरह का समय नहीं दे सकती। जब एफआईआर में ज्यादा समय नहीं लगता था तब भी मैं शिकायत करती थी।'

हृता दुर्गुले ने कमांडर करण सक्सेना के लिए सिर्फ छह सेशन में बाइक चलाना सीखा

ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई कमांडर करण सक्सेना को काफी पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहा है। दर्शक सीरीज में मौजूद किरदारों की सराहना कर रहे हैं। इस कड़ी में एक्ट्रेस हृता दुर्गुले ने अपने किरदार एसीपी रचना म्हात्रे से लोगों के दिलों पर अपनी छाप छोड़ी है। अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए उन्होंने बाइक चलाना सीखा।हृता दुर्गुले ने कहा कि उन्हें बाइक चलाने से डर लगता था, लेकिन कमांडर करण सक्सेना में अपने किरदार के लिए तैयारी करते हुए इस पर काबू पाया। उन्होंने मात्र छह सेशन में इस स्किल को सीखा।एक्ट्रेस ने कहा, शो की मीटिंग में मेकर्स ने मुझसे पूछा कि क्या मैं बाइक चला सकती हूं। मैंने कहा कि मैं बाइक चलाने के अलावा सब कुछ कर सकती हूं, लेकिन मैं इसे सीखूंगी। 10'2 दिनों के बाद, मुझे बताया कि मैं सीरीज में रचना म्हात्रे का किरदार निभा रही हूं, और मैंने अप्रैल में बाइक चलाने की ट्रेनिंग लेना शुरू कर दिया।उन्होंने कहा, इसमें छह सेशन लगे। हाइट की वजह से मेरे पैर जमीन तक नहीं पहुंच रहे थे।एक्ट्रेस ने कहा, मेरे स्किल सेट में एक और चीज शामिल हुई है। मैं बाइक चलाना जारी रखूंगी, क्योंकि यह अब मुझे बहुत आसान लगता है। मैं 18 साल की उम्र से कार चला रही हूं, 13'4 साल हो गए हैं।

खूबसूरत साड़ी पहन रश्मिका मंदाना ने कैमरे के सामने दिए पोज

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना रश्मिका मंदाना आए दिन अपनी हॉट फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टा पर पोस्ट कर फैंस को दीवाना बना दिया है। उनके इस लुक पर से फैंस की नजरें हट पाना मुश्किल हो गई है।एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना आए दिन अपनी लेटेस्ट पोस्ट फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही छा जाता है।हाल ही में एक्ट्रेस के लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोज इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस लट्टू हो गए हैं।रश्मिका मंदाना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान नीले रंग की साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो बला की खूबसूरत नजर आ रही थीं।कानों में इयररिंग्स, बालों में गजरा और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस ने अपनी इस साड़ी के साथ ब्लू कलर का स्टाइलिश ब्लाउज पहना हुआ है जोकि उन पर काफी जंच रहा है।रश्मिका मंदाना ने जिस तरह से अपने आउटफिट को कैरी किया है वो बेहद ही लाजवाब है। एक्ट्रेस जब भी अपनी पोस्ट शेयर करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करती हैं।एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। रश्मिका मंदाना की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज है बजट: योगी

लखनऊ, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नई संसद में वित्त मंत्री ने देश का आम बजट प्रस्तुत किया है। यह बजट सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, विकासोन्मुख, 140 करोड़ भारतवासियों की आशा, आकांक्षा और अमृत काल के संकल्पों को पूरा करने वाला सिद्ध होगा।

आम बजट 2024-25 आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज है। इसमें अंत्योदय की पावन भावना, विकास की असीम संभावना और नवोन्मेष की नवदृष्टि है। समाज के हर तबके के लिए बजट में किया गया प्रावधान रामराज्य की अवधारणा को साकार करने वाला है।

यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय बजट 2024-25 प्रस्तुत होने के उपरांत मीडिया से बातचीत में कहीं। सीएम योगी ने इस बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण व उनकी टीम का अभिनंदन किया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बजट में अन्नदाता किसानों की समृद्धि, कृषि व सहायक सेक्टरों के लिए 1 .52 लाख करोड़ रुपए और महिला सशक्तिकरण के लिए 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है। इससे सर्वाधिक लाभान्वित देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की आधी आबादी होने वाली है। खास तौर पर तब, जब उत्तर प्रदेश 2020 से ही 'मिशन शक्ति' के कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से जमीनी धरातल पर उतार रहा है। सर्वाधिक अन्नदाता किसान उत्तर प्रदेश में निवास कर रहा है। उन अन्नदाता किसानों की समृद्धि में संसद में प्रस्तुत आम बजट बड़ी भूमिका का निर्वहन करने वाला है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने युवाओं के लिए लाखों नौकरियों के साथ-साथ मध्यमवर्गीय परिवार के लिए इनकम टैक्स में नए टैक्स स्लैब की रियायत को स्वागत योग्य बताया। बोले कि यह बजट भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी में बदलने के संकल्प के साथ ही दुनिया के ग्रोथ इंजन के रूप में भारत की भूमिका और विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के आर्थिक दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत किया गया है। मध्यमवर्गीय परिवारों को टैक्स में आज सबसे बड़ी छूट उपलब्ध हुई है। यह मांग लंबे समय तक चली आ रही थी। तीन लाख तक के इनकम टैक्स में कोई टैक्स नहीं लगेगा। अन्य स्लैब भी राहत भरे हैं। अलग-अलग सेक्टर (गांव-गरीब, किसान, नौजवान, इंडस्ट्री, एमएसएमई सेक्टर के लिए किए गए प्रावधान से लाखों नौकरियां सृजित होंगी। समाज के हर तबके के लिए बजट में किया गया प्रावधान रामराज्य की अवधारणा को साकार करने वाला है।

भाजपा विधायक ने सीएम को लिखा पत्र

न साफ हुई, न कब्जा मुक्त हुई काली नदी

बुलंदशहर, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

नगर से होकर गुजर रही काली नदी के साफ और अवैध कब्जा मुक्त न कराए जाने पर सदर विधायक ने मामले में मुख्यमंत्री से शिकायत की है। आरोप लगाया कि मामले में मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री और डीएम को शिकायत दी गई थी, लेकिन काली की जमीन पर अभी भी कब्जा है और अधिकारी कब्जा मुक्त होने की बात कर रहे हैं। सदर विधायक प्रदीप चौधरी ने मुख्यमंत्री और डीएम को शिकायत भेजकर बताया कि नगर से गुजरने वाली काली नदी को साफ करने की मांग की गई थी। उनकी शिकायत के आधार पर ही नदी की सफाई और अवैध कब्जा मुक्त कराने के लिए नमामि गंगे अभियान के तहत 90 करोड़ रुपए जारी किए थे।

विधायक ने आरोप लगाया कि जिले में समीक्षा बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना और डीएम को भी शिकायत दी गई थी।

जिसमें आश्वासन दिया था कि जल्द ही काली को साफ और कब्जा मुक्त कराने के लिए कदम उठाया जाएगा। आश्वासन के बाद भी अभी तक न तो काली नदी को साफ करने के लिए काम शुरू किया गया और न ही अवैध कब्जा हटवाने के लिए कोई कदम उठाया गया है।

दूसरी ओर सिंचाई विभाग के अधिकारी कह रहे हैं कि उनके क्षेत्र में काली नदी पर कोई अवैध कब्जा नहीं है। मामले में डीएम सीपी सिंह ने बताया कि सिंचाई विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों की एक संयुक्त टीम बनाकर काली नदी की पैमाइश कराई जाएगी। अवैध कब्जा हटना चाहिए और इसके लिए कदम भी उठाए जाएंगे।

एक्शन में योगी, लापरवाह पांच एडीएम और तीन एसडीएम को नोटिस

लखनऊ, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने प्रदेश में विभिन्न आपदाओं में हुई जनहानि एवं क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा देने में लापरवाही करने वाले आधा दर्जन से ज्यादा अधिकारियों से जवाब तलब किया है। इसमें पांच जिलों के एडीएम एफआर को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है, जबकि तीन एसडीएम से स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं बाढ़ संबंधी कार्यों में लापरवाही पर कानपुर देहात के आपदा विशेषज्ञ को निलंबित कर दिया। सीएम ने सभी लापरवाह अधिकारियों को दो दिनों में अपना स्पष्टीकरण शासन के सौंपने के निर्देश दिये हैं। बताया जा रहा है कि अगर जवाब संतोषजनक नहीं हुआ तो सीएम योगी सख्त कार्रवाई कर सकते हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश है कि आपदा से हुई जनहानि का मुआवजा 24 घंटे के अंदर प्रदान किया जाए।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश भर में आपदा से हुई जनहानि का सर्वे पूरा कर 24 घंटे में मुआवजा दिया जा रहा है। वहीं इसमें लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में विभिन्न आपद-ाओं के दौरान हुई जनहानि और क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा देने में लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर एक्शन लिया गया है। इनमें बांदा, चित्रकूट, सिद्धार्थनगर, सुल्तानपुर और मुजफ्फरनगर के एडीएम एफआर क्रमश: संतोष सिंह, उमेश चंद्र निगम, उमा शंकर, एस सुधाकरन और गजेंद्र कुमार को प्रतिकूल प्रविष्टि सौंपी गयी है। इसके साथ ही लापरवाही पर सिद्धार्थनगर की सदर तहसील के एसडीएम ललित कुमार मिश्रा, हाथरस की सादाबाद तहसील के एसडीएम संजय कुमार सिंह और अलीगढ़ की अतरौली तहसील के एसडीएम अनिल कुमार कटियार से स्पष्टीकरण तलब किया गया है। वहीं बाढ़ संबंधी कार्यों में लापरवाही पर कानपुर देहात के आपदा विशेषज्ञ अश्विनी कुमार को निलंबित कर दिया है। सभी को दो दिनों के अंदर अपना जवाब शासन को सौंपना होगा

नई क्रेडिट गारंटी स्कीम से प्रदेश की छोटी इकाइयों को मिलेगी बड़ी राहत

लखनऊ, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

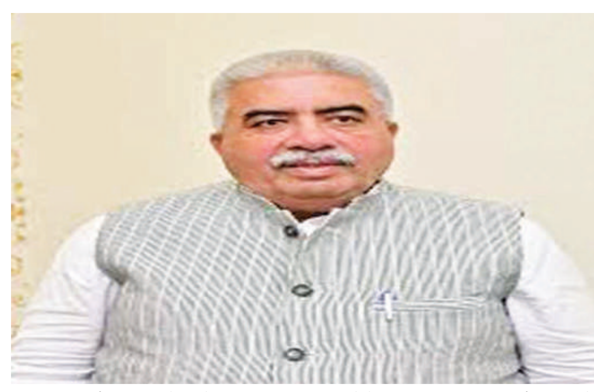

आम बजट में एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) क्षेत्र के लिए भी कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। सबसे प्रमुख घोषणा एक नई क्रेडिट गारंटी स्कीम की है, जिसके तहत एमएसएमई इकाइयों को कोलेट्रल फ्री ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए एक स्व-वित्तपोषित गारंटी फंड स्थापित किया जाएगा, जो प्रत्येक उधारकर्ता को 100 करोड़ रुपए तक का गारंटी कवर प्रदान करेगा। इस पहल से प्रदेश की उन छोटी इकाइयों को भी लाभ मिलेगा जो अपरिहार्य कारणों से समय पर ऋण चुकता नहीं कर पा रही हैं और इससे उनके खातों को एनपीए होने से भी बचाया जा सकेगा। मालूम हो कि योगी सरकार प्रदेश में एमएसएमई इकाइयों को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। बजट में नए प्रावधानों से प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र को नई ऊर्जा मिलेगी।

प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने आम बजट 2024-25 को सर्वस्पर्शी और विकासोन्मुखी बजट बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, एमएसएमई इकाइयों को विभिन्न बैंकों से ऋण प्राप्त करने में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिसका प्रतिकूल प्रभाव उनकी आर्थिक स्थिरता पर पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए बजट में एक नया क्रेडिट असेसमेंट मॉडल पेश किया जाएगा, जो डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर ऋण की स्वीकृति की प्रक्रिया को सरल बनाएगा। यह नई प्रणाली बैंकों से ऋण प्राप्त करने में सुविधा प्रदान करेगी, जो अब तक परंपरागत रूप से असेट्स और टर्नओवर के आधार पर ऋण देती रही हैं। बजट में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत ऋण की सीमा को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए करने की घोषणा की गई है। यह सुविधा उन इकाइयों के लिए होगी जिन्होंने पूर्व में लिए गए ऋण को तय समय सीमा में चुकाया है।

एमएसएमई क्लस्टर में अगले तीन वर्षों में सिडबी की 24 नई शाखाएं खोली जाएंगी, जिससे एमएसएमई इकाइयों को ऋण प्राप्त करने में सुविधा होगी। ट्रेड्स प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण की सीमा को वर्तमान 500 करोड़ रुपए से घटाकर 250 करोड़ रुपए कर दिया गया है, जिससे अधिक एमएसएमई इकाइयां इस प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हो सकेंगी और आसानी से क्रेडिट प्राप्त कर सकेंगी। पीपीई मॉडल पर ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट हब एमएसएमई और पारंपरिक कारीगरों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपने उत्पादों को बेचने में मदद करेंगे। इसके साथ ही, 100 एनएबी मान्यता प्राप्त फूड टेस्टिंग लैब्स खाद्य प्रसंस्करण संबंधित इकाइयों को उच्च गुणवत्ता वाले परीक्षण सेवाएं प्रदान करेंगी। देश की 500 बड़ी कंपनियों में अगले पांच वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकि वे अपने उद्यम शुरू करने के लिए तैयार हो सकें। ये प्रावधान एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने और देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विशेष चेकिंग अभियान में अनफिट मिले 5913 स्कूली वाहन

चालान एवं बंद की कार्यवाही में 60.84 लाख रूपया वसूला गया प्रशमन शुल्क : टीसी

लखनऊ 23 जुलाई।

मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री के निर्देश पर परिवहन विभाग ने स्कूल वाहनों के विरूद्ध 08 से 22 जुलाई तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया। अभियान में स्कूली वाहनों के फिटनेस संबंधी जांच प्रवर्तन दल द्वारा किया गया। जांच के दौरान पूरे प्रदेश में रजिस्टर्ड 61921 स्कूली वाहनों में 47624 वाहनों के फिटनेस संबंधी जांच किये गये, जिसमें से 41675 स्कूली वाहन फिट पाये गये एवं 5913 स्कूली वाहन अनफिट पाये गये। परिवहन आयुक्त चन्द्रभूषण सिंह ने बताया कि स्कूली वाहनों के खिलाफ अभियान में अनफिट पाये गये 2076 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 456 स्कूली वाहनों को बंद किया गया।कार्यवाही से 60.84 लाख रूपये प्रशमन शुल्क वसूला गया और 552 स्कूली वाहनों को नोटिस भेजी गयी। लखनऊ संभाग में 6775 स्कूली वाहन चेक किये गये, जिसमें से 5763 स्कूली वाहन फिट पाये गये एवं 1012 अनफिट पाये गये। इसी प्रकार अयोध्या संभाग में 3050 वाहन चेक किये गये, जिसमें से 151 वाहन अनफिट पाये गये, गोण्डा संभाग में 1744 वाहन चेक किये गये, जिसमें से 600 वाहन अनफिट पाये गये, बस्ती संभाग में 2052 वाहन चेक किये गये, जिसमें से 400 वाहन अनफिट पाये गये। कानपुर संभाग में 2294 वाहन चेक किये गये, जिसमें से 211 वाहन अनफिट पाये गये, प्रयागराज संभाग में 2384 वाहन चेक किये गये, 280 वाहन अनफिट वाहन पाये गये, बांदा संभाग में 663 वाहनों की चेकिंग की गयी, जिसमें 39 वाहन अनफिट पाये गये, बरेली संभाग में 1987 वाहनों की चेकिंग की गयी, जिसमें 184 वाहन अनफिट पाये गये, मुरादाबाद संभाग में 2702 वाहनों की चेकिंग की गयी, जिसमें 327 वाहन अनफिट पाये गये, वाराणसी संभाग में 5159 वाहनों की चेकिंग की गयी, जिसमें 297 वाहन अनफिट पाये गये, गोरखपुर संभाग में 4384 वाहनों की चेकिंग की गयी, जिसमें 985 वाहन अनफिट पाये गये, आजमगढ़ संभाग में 1840 वाहनों की चेकिंग की गयी, जिसमें 236 वाहन अनफिट पाये गये, मिर्जापुर संभाग में 1202 वाहनों की चेकिंग की गयी, जिसमें 10 वाहन अनफिट पाये गये, मेरठ संभाग में 1554 वाहनों की चेकिंग की गयी, जिसमें 281 वाहन अनफिट पाये गये, गाजियाबाद संभाग में 2013 वाहनों की चेकिंग की गयी, जिसमें 119 वाहन अनफिट पाये गये, सहारनपुर संभाग में 1736 वाहनों की चेकिंग की गयी, जिसमें 468 वाहन अनफिट पाये गये, आगरा संभाग में 3810 वाहनों की चेकिंग की गयी, जिसमें 1208 वाहन अनफिट पाये गये, अलीगढ़ संभाग में 1258 वाहनों की चेकिंग की गयी, जिसमें 86 वाहन अनफिट पाये गये एवं झांसी संभाग में 1017 वाहनों की चेकिंग की गयी, जिसमें 139 वाहन अनफिट पाये गये।परिवहन आयुक्त ने प्रवर्तन टीम को निर्देश दिये हैं कि समय-समय पर अभियान चलाकर अनफिट वाहनों की जांच की जाए।

कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम से लाभान्वित होंगे प्रदेश के लाखों युवा

लखनऊ, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

आम बजट 2024-25 में किए गए प्रावधानों से उत्तर प्रदेश के लाखों युवाओं को लाभ मिलेगा। वो न सिर्फ अधिक संख्या में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे, बल्कि भविष्य के रोजगारपरक पाठ्यक्रमों से भी जुड़ सकेंगे। यही नहीं, उन्हें कौशल प्रशिक्षण के लिए ऋण भी मिल सकेगा।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2024-25 पेश करते हुए युवाओं के कौशल विकास को लेकर कई घोषणाएं कीं, जिनसे बड़ी संख्या में प्रदेश और देश के युवाओं का कौशल निखर सकेगा और वो रोजगार से जुड़ सकेंगे।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में युवाओं के कौशल विकास के लिए पहले से ही महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

निश्चित रूप से आम बजट 2024-25 में जो नए प्रावधान किए गए हैं उसका लाभ प्रदेश के युवाओं को मिलेगा और वे प्रशिक्षित होकर रोजगार के नए नए अवसरों को प्राप्त करेंगे। मॉडल कौशल ऋण से कमजोर तबके के छात्रों की आर्थिक मदद होगी तो वहीं 1000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के उन्नयन से प्रदेश में औद्योगिक शिक्षा को बल मिलेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विगत 7 वर्षों में कौशल विकास मिशन के माध्यम से लाखों युवाओं को प्रशिक्षित कर सेवायोजित किया गया है। यदि 2023-24 की बात करें तो 2.08 लाख लोगों को प्रशिक्षित किया गया, जिसमें से 1.21 लाख युवाओ को सेवायोजन प्रदान किए जाने के लिए नियुक्ति प्रदान कराई हैं। 2017 में योगी सरकार बनने के बाद से 16 लाख 38 हजार से ज्यादा युवाओं को प्रशिक्षित किया गया, जिसमें करीब 5.69 लाख को रोजगार भी उपलब्ध कराया गया।

निर्मला सीतारमण ने जो प्रमुख घोषणाएं कीं, उनमें प्रधानमंत्री पैकेज के अंतर्गत राज्य सरकार और उद्योग के सहयोग से कौशल प्रशिक्षण के लिए एक नई योजना भी शामिल रही। इसके अतिरिक्त 5 वर्षों की अवधि में 20 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा।

परिणाम उन्मुख दृष्टिकोण के साथ हब और स्पोक व्यवस्था में 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन किया जाएगा। उद्योग की कौशल संबंधी आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु और फ्रेमवर्क तैयार होगा और नई जरूरतों के लिए नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। यही नहीं, सरकार संवर्धित निधि की गारंटी के साथ 7.5 लाख तक के ऋण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मॉडल कौशल ऋण योजना को संशोधित किया जाएगा। इससे प्रतिवर्ष 25,000 छात्रों को सहायता मिल सकेगी।

जीपीएस युक्त वाहनों से उचित दर विक्रेता की दुकानों तक पहुंच रहा खाद्यान्न

लखनऊ 23 जुलाई।

प्रदेश में स्थित भारतीय खाद्य निगम के डिपो से उचित दर विक्रेता की दुकानों तक खाद्यान्न की पहुंच हेतु जीपीएस युक्त वाहनों का प्रयोग किया जा रहा है।

इस कार्य के लिए भारतीय खाद्य निगम के डिपो की जियोफैन्सिंग, डिपो से उचित दर विक्रेता की दुकानों तक खाद्यान्न प्रेषण के मार्ग की रूट मैपिंग व उचित दर विक्रेता की दुकानों रिसीवर की जियोफैन्सिंग की गयी है। जीपीएस युक्त वाहनों द्वारा खाद्यान्न का भारतीय खाद्य निगम के डिपो से उठान व उचित दर विक्रेता की दुकानों तक पहुंच की निगरानी का कार्य प्रदेश मुख्यालय, मण्डल व जिलास्तर से किया जा रहा है। खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार वर्तमान में खाद्यान्न के उठान कार्यों में लगे लगभग 4300 वाहनों में जीपीएस डिवाइस इन्स्टॉल है।

44 अतिसंवेदनशील एवं संवेदनशील जनपदों में बाढ़ आपदा पर मॉक एक्सरसाइज कल

टेबल टॉप एक्सरसाइज योजना भवन में

लखनऊ 23 जुलाई।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समन्वय से प्रदेश में बाढ़ आपदा के प्रति 44 अतिसंवेदनशील एवं संवेदनशील जनपदों में बाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज का आयोजन 25 जुलाई को किया जाना प्रस्तावित है। मॉक एक्सरसाइज़ के द्वितीय चरण में आज टेबल टॉप एक्-सरसाइज बैठक का आयोजन योजना भवन के सभागार में किया गया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य, ले. जनरल सय्यद अता हसनैन ने कहा कि वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश के कुछ जनपदो में बाढ़ की स्थिति है। इसके लिए किये जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों को मॉक एक्सरसाइज़ के आयोजन के समय एनडीएम द्वारा समीक्षा की जाएगी। जिन जनपदों में अभी बाढ़ कि स्थिति नहीं है, वहाँ सम्बन्धित जिलों को अपने आपदा प्रबंधन योजना एवं बाढ़ योजना की समीक्षा में सहायता मिलेगी। विभाग, भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, एनडीआरएफ एसडीआरएफ तथा स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय बनाने में सहायक होंगे।बैठक को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष, ले. जनरल यो-गेन्द्र डिमरी ने कहा कि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विगत वर्षों से बाढ़ आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ करने हेतु जनपदों के साथ मॉक एक्सरसाइज कराया जाता है जिसके माध्यम से राज्य स्तर पर प्रत्येक विभाग और उसके जिलों की आपदा प्रबंधन योजना की समीक्षा की जाती है। जिले में आपातकालीन सहायता कार्यों के बीच समन्वय का निरीक्षण किया जाता है। एनजीओ, समुदाय और मीडिया को शामिल करके व्यापक रूप से जनमानस में जनजागरूकता की कार्यवाही की जाती है तथा यदि संसाधनों, जनशक्ति, संचार, प्रतिक्रिया क्षमताओं आदि में कोई अंतराल हो तो उसकी पहचान कर उसे मजबूत करने में इस प्रकार के मॉक एक्सरसाइज से सहायता भी मिलती है।सचिव राजस्व एवं राहत आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने कहा कि इस वर्ष पूर्व से ही संवेदनशील जनपदों में राहत एवं बचाव कार्य हेतु एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं पीएसी की टीमें तैनात कर दी गयी थीं। जनपदों को समय-समय पर नदियों के जल स्तर की पूर्व चेतावनी भी प्रेषित की जा रही थी जिस कारण बाढ़ के दौरान विभागों का बेहतर समन्वय रहा एवं बाढ़ प्रबंधन का कार्य सुचारु रूप से किया जा सका। कार्यशाला में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नई दिल्ली, भारत सरकार, ले. जनरल सय्यद अता हसनैन पीवीएसएम यूवाईएसएम एवीएसएम, एसएम वीएसएम और बार से.नि. तथा उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम से.नि. की अध्यक्षता में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, राजस्व विभाग, एनडीआरएफ,एसडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन, कृषि, सिंचाई एवं जल संसाधन, चिकित्सा एवं स्वास्थ,पंचायती राज, खाद्य एवं रसद,परिवहन, ऊर्जा, नागरिक सुरक्षा, दूरसंचार, ग्राम्य विकास, पशु पालन एवं लोक निर्माण विभाग, केन्द्रीय जल आयोग, मौसम विभाग, भारतीय रेलवे, इन्टर एजेंसी ग्रुप उ0प्र0 के साथ राज्य स्तरीय अधिकारी तथा सम्बन्धित जिलों के जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी विरा एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समन्वय स्थापित किया गया।

तैराक धिनिधि पेरिस में हिस्सा लेने वाली सबसे युवा भारतीय

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और खेलों के इस महाकुंभ को शुरू होने में अब तीन दिन शेष रह गए हैं। भारत ने पेरिस ओलंपिक के लिए 117 सदस्यीय दल भेजा है जिन पर पदक लाने का जिम्मा रहेगा। भारत के लिए इस बार महिला तैराक धिनिधि देसिंघू पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली सबसे युवा खिलाड़ी हैं। 14 साल की धिनिधि 200 मीटर फ्री स्टाइल में भाग लेंगी।

भारत की ओर से सबसे युवा खिलाड़ी 14 साल की धिनिधि देसिंघू हैं। वह सीधे क्वालिफाई नहीं कर सकी थीं लेकिन यूनिवर्सिलिटी कोटे के तहत उन्हें भाग लेने का मौका मिला है। वह विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में भी हिस्सा ले चुकी हैं। वैसे भारत की ओर से सबसे युवा ओलंपियन बनने का रिकॉर्ड आरती साहा के नाम है जिन्होंने 11 साल और 10 महीने की उम्र में हेलसिंकी ओलंपिक में हिस्सा लिया था।

कनाडा की जिल खेलेंगी 61 की उम्र में अपना पहला ओलंपिक

26 जुलाई से होने वाले पेरिस ओलंपिक में जहां ऑस्ट्रेलिया की घुड़सवारी टीम में रिजर्व खिलाड़ी के रूप में शामिल 69 साल की मैरी हाना शामिल हैं तो कनाडा की घुड़सवारी टीम में जिल इरविंग भी हैं जो 61 साल की हो चुकी हैं और अपना पहला ओलंपिक खेलेंगी। जिल को तो टोक्यो ओलंपिक में ही खेलना था लेकिन कोरोना के कारण खेल एक साल के लिए खिसक गए और तब तक उनके घोड़े की भाग लेने की उम्र निकल गई। अब घोड़ा बदल गया पर जिल भी वही हैं और खेलने का जज्बा भी वही है। मैरी तो पोते-पोतियों वाली हैं लेकिन घुड़सवारी नहीं छोड़ी है। जिस उम्र में आम लोग लठिया और खटिया पकड़ लेते हैं मैरी पूरी शान से तनकर घोड़े पर ऐड़ लगाती हैं। अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह इस बार अपना सातवां ओलंपिक खेलेंगी। वह ड्रेसेज में हिस्सा लेती हैं। पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में वह 66 साल की उम्र में भाग लेने वालीं सबसे उम्रदराज थीं। 11 साल की चीनी स्केटबोर्ड खिलाड़ी सबसे युवा पेरिस में सबसे युवा खिलाड़ी की बात करें तो चीन की स्केटबोर्ड खिलाड़ी झेंग हाओहाओ महज 11 साल की हैं और चीन की सबसे युवा ओलंपियन हैं। उन्होंने बुडापोस्ट ओलंपिक क्वालिफायर सीरीज में पेरिस के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। सात साल की उम्र में उन्हें एक स्केटबोर्ड जन्मदिन के तोहफे के रूप में मिला था और उसके बाद यह उनका जुनून बन गया। स्केटबोर्ड में टोक्यो ओलंपिक में 13 साल की स्काई ब्राउन ने कांस्य पदक जीता था।

न्यूज ब्रीफ

हरमनप्रीत, शैफाली महिला टी20 रैंकिंग में आगे बढ़ीं

दुबई। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर और ओपनर शैफाली वर्मा श्रीलंका में चल रहे महिला एशिया कप में अपने हालिया प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 खिलाड़ी रैंकिंग में आगे बढ़ गई हैं। ताजा टी20 रैंकिंग में हरमनप्रीत और शैफाली संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर हैं। हरमनप्रीत के पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद पांच और संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ 66 रन के स्कोर ने उन्हें एक स्थान हासिल करने में मदद की है, जबकि शैफाली के 40 और 37 के स्कोर ने उन्हें चार स्थान ऊपर उठाया है। श्रीलंका की ऑफ स्पिनर इनोशी प्रियदर्शनी बांग्लादेश के खिलाफ दो और मलेशिया के खिलाफ एक विकेट लेने के बाद तीन स्थान आगे बढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत की विकेटकीपर ऋचा घोष चार पायदान ऊपर 24वें, बांग्लादेश की मुर्शिदा खातून छह पायदान ऊपर 47वें, श्रीलंका की विशमी गुणरत्ने सात पायदान ऊपर 51वें और थाईलैंड की नट्टाया बूचथम 10 पायदान ऊपर 76वें स्थान पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजों में बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर नौ पायदान ऊपर 21वें स्थान पर हैं जबकि मारुफा अख्तर एक पायदान ऊपर 26वें स्थान पर हैं। श्रीलंका की उदेशिका प्रबोधनी चार स्थान आगे बढ़कर 30वें स्थान पर और भारत की श्रेयंका पाटिल 19 स्थान ऊपर चढ़कर 41वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट, जिन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी घरेलू श्रृंखला के अंतिम मैच में 31 गेंदों पर नाबाद 46 रन की मैच विजयी पारी खेली, जिससे इंग्लैंड ने श्रृंखला 5-0 से जीत ली, दो स्थान हासिल करके शीर्ष 20 में फिर से प्रवेश कर गई है।

स्टिमक ने भारतीय फुटबॉल टीम के नए कोच मार्केज को दी चेतावनी, नई भूमिका को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को हाल ही में नया कोच मिला था। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने गोवा एफसी के मुख्य कोच स्पेन के मनोलो मार्केज को भारतीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया था। हालांकि, टीम के पूर्व कोच इगोर स्टिमक ने मार्केज को इसके लिए बधाई दी और साथ ही चेतावनी भी दी। स्टिमक ने मार्केज से कहा कि उनके लिए यह यात्रा आसान नहीं रहेगी। स्टिमक को किया गया था बर्खास्त स्टिमक 1998 में विश्व कप के सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाली टीम के सदस्य थे। उन्हें अपेक्षाकृत आसान ड्रॉ मिलने के बावजूद 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर के लिए क्वालिफाई करने में भारत की विफलता के बाद पिछले महीने बर्खास्त कर दिया गया था। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने 55 साल के मार्केज को कोच नियुक्त किया था। एआईएफएफ ने बताया था कि मार्केज 2024-25 सत्र में एफसी गोवा के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे। वह पूर्णकालिक आधार पर राष्ट्रीय टीम का कोच बनने से पहले दोनों जिम्मेदारियों को एक साथ संभालेंगे। पिछले चार साल से भारत में कोचिंग कर रहे हैं मार्केज यूएफा प्रो लाइसेंस धारक इस कोच के कार्यकाल का एआईएफएफ द्वारा खुलासा नहीं किया गया है। भारत के मुख्य कोच के रूप में उनका पहला कार्यभार अक्टूबर में वियतनाम में तीन देशों की टूर्नामेंट से होगा। इसमें तीसरी टीम लेबनान की है। मार्केज 2020 से भारत में कोचिंग कर रहे हैं। वह अब तक दो आईएसएल क्लबों के कोच रह चुके हैं। उनका पहला कार्यकाल हैदराबाद एफसी (2020-23) के साथ था। इसके बाद वह 2023 सत्र में गोवा की टीम से जुड़े।

राजस्थान रॉयल्स के कोच बन सकते हैं द्रविड़

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ अब किस आईपीएल टीम से जुड़ते हैं। इसको लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं। द्रविड़ का भारतीय टीम के कोच के तौर पर कार्यकाल विश्वकप के साथ ही समाप्त हो गया था। पहले माना जा रहा था था कि वह आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ सकते हैं पर अब कहा जा रहा है कि वह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ेंगे। गौतम गंभीर के भारतीय टीम का कोच बन जाने के बाद कहा जा रहा था कि द्रविड़ केकेआर टीम के नये कोच बनेंगे पर ये बात गलत निकली। अब कहा जा रहा है कि द्रविड़ राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच बनेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, द्रविड़ की आरआर में वापसी की संभावना है और इस बारे में उनकी टीम से बात चल रही है। इस संबंध में घोषणा जल्द ही होगी। द्रविड़ का रॉयल्स के साथ लंबा रिश्ता रहा है। वह आरआर के कप्तान भी रहे हैं। उनकी कप्तानी में फ्रेंचाइजी साल 2013 में चैंपियंस लीग टी20 फाइनल और आईपीएल प्लेऑफ तक पहुंची थी। उन्होंने इसके अलावा, 2014 और 2015 में मेंटॉर की भूमिका निभाई थी और टीम तीसरे स्थान पर रही थी।

इतिहास रचने की दहलीज पर 44 साल के रोहन बोपन्ना पदक जीते तो बन जाएंगे सबसे उम्रदराज विजेता

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

रोहन बोपन्ना को अपने करियर की बड़ी सफलताएं 35 की उम्र के बाद मिली हैं। बोपन्ना अब 44 वर्ष के हो चुके हैं। बावजूद इसके वह सफलताओं के नए आयाम गढ़ रहे हैं। वह इस वर्ष ही 43 वर्ष की आयु में मैथ्यु एबडेन के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज टेनिस खिलाड़ी बने हैं। अब बोपन्ना की निगाहें पेरिस ओलंपिक पर हैं। वह यहां नियमित साथी मैथ्यु एबडेन के साथ नहीं बल्कि एन श्रीराम बालाजी के साथ जोड़ी बनाकर उतरने जा रहे हैं, लेकिन पेरिस में उनकी दावेदारी को खारिज नहीं किया जा सकता है। बोपन्ना ने पेरिस में बालाजी के साथ पुरुष युगल में पदक जीता तो वह इतिहास रच देंगे। वह ओलंपिक में पदक जीतने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय खिलाड़ी बन सकते हैं।

होटल में साथ ठहरे तब चुना जोड़ीदार

विश्व नंबर 62 बालाजी बोपन्ना के नियमित जोड़ीदार नहीं हैं। ओलंपिक में तालमेल बिठाने के लिए इस वक्त दोनों साथ खेल रहे हैं। बोपन्ना ने सोचने-समझने के बाद बालाजी को ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना। दिसंबर, 2023 में बोपन्ना ने कुछ भारतीय खिलाडियों को अपने खर्च पर साथ में होटल में रुकवाया था। इस प्रवास के दौरान बोपन्ना ने उनके बारे में सब कुछ जाना। इनमें बालाजी भी शामिल थे। माना जा रहा था कि बोपन्ना के जोड़ीदार को लेकर विवाद होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सूत्र बताते हैं कि इस प्रवास के कुछ दिन बाद ही बोपन्ना ने अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (आईटा) को अवगत करा दिया था कि वह बालाजी को जोड़ीदार बनाने जा रहे हैं। हालांकि बालाजी के नाम की घोषणा काफी बाद में हुई। टूर्नामेंट क्ले कोर्ट

पर हो रहा है। बोपन्ना का मानना है कि बालाजी क्ले कोर्ट पर अच्छा खेलते हैं।

रियो में सानिया के साथ पदक से चूक गए

बोपन्ना का यह तीसरा ओलंपिक है। 2012 और 2016 में वह ओलंपिक से पहले जोड़ी को लेकर काफी विवादों में रहे। उन्होंने लंदन में लिएंडर पेस की जगह महेश भूपति के साथ जोड़ी बनाई, जबकि रियो में सानिया ने पेस के स्थान पर बोपन्ना को मिश्रित युगल में वरीयता दी। दोनों ही मौकों पर वह पदक के दावेदार बने, लेकिन वह पास पहुंच कर भी पदक नहीं जीत पाए। लंदन ओलंपिक में वह भूपति के साथ दूसरे दौर में हारे, जबकि रियो ओलंपिक में वह सानिया के साथ सेमीफाइनल में पहुंचे, जहां उन्हें हार मिली और वह कांस्य पदक का मुकाबला भी हार कर चौथे स्थान पर रहे।

क्ले कोर्ट पर अच्छा खेल रहे हैं नागल

बोपन्ना-बालाजी के अलावा एकल में सुमित नागल भारतीय चुनौती पेश करेंगे। नागल का क्ले कोर्ट पर हालिया प्रदर्शन शानदार रहा है। वह दो चैलेंजर टूर्नामेंट इस सतह पर जीत चुके हैं। उनकी विश्व रैंकिंग भी सुधर कर 68 पर जा पहुंची है। वह उलटफेर करने में तो सक्षम हैं, लेकिन उनसे पदक की उम्मीद नहीं की जा रही है।

पेस-भूपति विवाद के कारण नहीं मिले पदक

लिएंडर पेस और महेश भूपति के बीच पनपे मतभेद के कारण विवाद नहीं गहराए होते तो भारत के ओलंपिक में एक से अधिक पदक होते। लिएंडर ने एकल में 1996 में कांस्य पदक जीता, लेकिन वह भूपति के साथ युगल में 2004 में चौथे स्थान पर रहे। 2008 में उन्हें फेडरर-वावरिंका की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी ने हराया।

ऋषभ पंत ने पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत में अब चार दिन शेष हैं। 26 जुलाई से इस टूर्नामेंट का आगाज होगा। इस बीच भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कुल 117 खिलाड़ियों को पेरिस भेजा है। भारत को इनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। टोक्यो ओलंपिक में भारत ने जीते सात पदक आगामी टूर्नामेंट के लिए ऋषभ पंत ने भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी और एक खास अपील की है। पंत ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों का समर्थन करें। उनका लक्ष्य भारत की प्रत्येक खेल में जीत है। भारत ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में कुल सात मेडल अपने नाम किए थे। इनमें एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल थे। पंत ने जारी किया वीडियो पंत ने वीडियो संदेश साझा करते हुए लिखा, पेरिस में तिरंगा ऊंचा लहराए। हमारे भारतीय ओलंपिक एथलीटों को पेरिस 2024 के लिए शुभकामनाएं। वहीं, इस वीडियो में उन्होंने कहा, नमस्ते भारत, आइए हम सब मिलकर अपने भारतीय ओलंपिक एथलीटों का समर्थन करें जो हमारे देश को गौरवान्वित करने के लिए वर्षों से अथक परिश्रम कर रहे हैं। आइए हम उनकी कड़ी मेहनत के लिए उनकी प्रशंसा करें क्योंकि वे दुनिया के सबसे बड़े मंच पर चमक रहे हैं। भारत के संभावित पदक विजेता मीराबाई चानू (रजत), लवलीना बोरगोहेन (कांस्य), पीवी सिंधू (कांस्य), विजय कुमार दहिया (रजत), बजरंग पुनिया (कांस्य), भारतीय हॉकी टीम (कांस्य) और नीरज चोपड़ा (स्वर्ण) ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में पदक जीते थे। इनसे देश के पदक विजेता बनकर उभरे।

आईओसी ने लिया बड़ा फैसला भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को मिलेगा ओलंपिक ऑर्डर सम्मान

नई दिल्ली, 23 जुलाई। 41 वर्षीय बिंद्रा ने 2008 बीजिंग खेलों में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता जीतकर भारत के पहला व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था। वह 2010 से 2020 तक अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) की एथलीट समिति के सदस्य थे। भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनकी उत्कृष्ट योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार समारोह ओलंपिक के समापन से एक दिन पहले 10 अगस्त को पेरिस में 142वें आईओसी सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा। आईओसी अध्यक्ष ने दी बधाई आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाच ने बिंद्रा को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, मुझे आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने ओलंपिक आंदोलन में आपकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए आपको ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित करने का फैसला किया है।

क्या है ओलंपिक ऑर्डर सम्मान ओलंपिक ऑर्डर आईओसी का सर्वोच्च पुरस्कार है, जो ओलंपिक आंदोलन में विशिष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। यह उस व्यक्ति को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जिसने अपने कार्यों के माध्यम से ओलंपिक आदर्श को दर्शाया हो, खेल जगत में उल्लेखनीय योग्यता हासिल की हो, या ओलंपिक के लिए अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि या खेल के विकास में अपने योगदान के माध्यम से उत्कृष्ट सेवाएं दी हों। इसके नामांकन ओलंपिक ऑर्डर काउंसिल द्वारा प्रस्तावित किए जाते हैं और कार्यकारी बोर्ड द्वारा उन पर निर्णय लिया जाता है। खेल मंत्री ने दी बधाई वहीं, खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने भी अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, ओलंपिक आंदोलन में उत्कृष्ट योगदान के लिए ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित होने पर अभिनव बिंद्रा को बधाई! उनकी उपलब्धि हमें गर्व से भर देती है और वे वास्तव में इसके हकदार हैं। उनके नाम ने ही निशानेबाजों और ओलंपियनों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है। बिंद्रा ने 2008 में जीता था स्वर्ण 41 वर्षीय बिंद्रा ने 2008 बीजिंग खेलों में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता जीतकर भारत के पहला व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था।

ओलंपिक में दूसरी बार सात भारतीय शटलर दिखाएंगे दम, प्रणय-लक्ष्य को करना होगा असाधारण प्रदर्शन

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। ओलंपिक में अब तक पदक की दावेदारी पीवी सिंधू, साइना नेहवाल और किदांबी श्रीकांत के इर्द-गिर्द घूमा करती थी। यह पहली बार है जब पुरुष युगल में कोई भारतीय जोड़ी पदक की दावेदार है। पेरिस में विश्व नंबर तीन सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पदक के सबसे बड़े दावेदारों में से एक है। वहीं, विश्व नंबर 13 पीवी सिंधू लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए दावा ठोकने जा रही हैं। पेरिस में सात सदस्यीय बैडमिंटन का दल उतरने जा रहा है। ऐसा ओलंपिक में दूसरी बार होने जा रहा है। 2016 के रियो ओलंपिक में भी सात भारतीय शटलर खेले थे।

जबरदस्त फॉर्म में हैं सात्विक-चिराग

पूर्व विश्व नंबर एक, एशियाड और थॉमस कप चैंपियन सात्विक और चिराग की भारतीय जोड़ी को पेरिस में नंबर तीन वरीयता मिली है। उनका ड्रॉ भी अच्छा है। ग्रुप दौर में उनके सबसे कड़े प्रतिद्वंद्वी इंडोनेशिया की छठी वरीय जोड़ी फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान है। सात्विक-चिराग का इस जोड़ी के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 3-2 है। अंतिम मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने 2023 में कोरिया ओपन

इंडोनेशियाई जोड़ी पर जीत हासिल की थी। इस वर्ष दोनों थाईलैंड ओपन और फ्रेंच ओपन का खिताब जीत चुके हैं।

बड़े टूर्नामेंट की खिलाड़ी हैं सिंधू

2022 में राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण जीतने के बाद से सिंधू लगातार चोटों से जूझती रही हैं। दिग्गज प्रकाश पादुकोण के संरक्षण में आने के बाद उन्होंने जुझारूपन दिखाया है। फिर सिंधू को बड़े टूर्नामेंटों की शटलर माना जाता है। बीते दो ओलंपिक का इसका उदाहरण हैं। रियो में उन्होंने रजत और टोक्यो में कांस्य पदक जीता था। सिंधू को ग्रुप दौर तो आसान मिला है, लेकिन नॉकआउट में उनके सामने चीनी शटलर हैं। अंतिम-16 में उनका चीन की हे बिंग जियाओ और क्वार्टर फाइनल में चीन की टोक्यो ओलंपिक की विजेता चेन यू फेई से मुकाबला संभावित है।

ओलंपिक डेब्यू पर डिफेंडर संजय ने कहा...यह अवसर मुझे और अधिक मेहनत के लिए प्रेरित करता है

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार के पास डबरा गांव के रहने वाले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर संजय 26 जुलाई से पेरिस में शुरू हो रहे ओलंपिक में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। भारतीय हॉकी में सबसे शानदार खिलाड़ियों में से एक के रूप में उभरे संजय का एक छोटे से गांव से ओलंपिक के भव्य मंच तक का सफर उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। संजय ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बनकर मैं गर्व महसूस कर रहा हूं। किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह, ओलंपिक में खेलना मेरा सपना था, इसलिए मुझे खुशी है कि मेरी कड़ी मेहनत रंग लाई। मैं पेरिस ओलंपिक के लिए टीम में जगह बनाने में सफल रहा। यह अवसर मुझे और भी अधिक मेहनत करने और हमारी टीम की सफलता में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। मैं सबसे बड़े खेल मंच पर अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, जब मैंने पेरिस ओलंपिक के लिए अपने चयन की बात अपने परिवार को बताई, तो सभी बहुत खुश हुए। उनका आशीर्वाद और प्रोत्साहन मेरे लिए इस आयोजन में अपना सर्वश्रेष्ठ देने और उन्हें गौरवान्वित करने के

लिए प्रेरणा का एक जबरदस्त स्रोत रहा है। संजय ने पहली बार 2021 जूनियर विश्व कप के दौरान सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया, जहां वह दो हैट्रिक सहित आठ गोल के साथ भारत के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरे। उनके शानदार प्रदर्शन ने न केवल उन्हें टूर्नामेंट में तीसरा सबसे ज्यादा गोल करने वाला खिलाड़ी बनाया, बल्कि भारतीय हॉकी में भविष्य के सितारे के रूप में उनकी क्षमता भी साबित की। संजय ने जून 2022 में सीनियर टीम के साथ अपने सफर की शुरुआत की और भारत को उद्घाटन एफआईएच हॉकी 5एस जीतने में भूमिका निभाई। ड्रैग-फ्लिकर के रूप में उनके कौशल ने महत्वपूर्ण जीत हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संजय ने हांगझोऊ, चीन में 19वें एशियाई खेल 2022 और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों में भी भाग लिया है, जहां टीम ने स्वर्ण पदक जीते। एफआईएच जूनियर विश्व कप भुवनेश्वर 2021 में उनके प्रदर्शन ने भारत को चौथा स्थान दिलाया और उन्होंने 2018 में तीसरे युवा ओलंपिक खेलों में रजत पदक भी हासिल किया। संजय को 2021 में अंडर-21 में वर्ष के उभरते खिलाड़ी (पुरुष) के लिए हॉकी इंडिया जुगराज सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अब संजय का पूरा ध्यान पेरिस ओलंपिक पर है और उनका लक्ष्य एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने कहा, मैं एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित करके और प्रत्येक मैच में अपना 100 प्रतिशत देकर ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित करूंगा। मेरा लक्ष्य पूरी तरह प्रतिबद्ध रहना है और यह सुनिश्चित करना है कि मैं मैदान पर हर अवसर के साथ अपनी टीम की सफलता में योगदान दूं। यह वह क्षण है जिसके लिए मैंने बहुत मेहनत की है और मैं इसका अधिकतम लाभ उठाने का इरादा रखता हूं। एक खिलाड़ी के रूप में अपने अंतिम सपने का खुलासा करते हुए उन्होंने कहा, जब से मैंने हॉकी स्टिक उठाई है।

क्या भारत के लिए फिर शुभ साबित होगा सात अगस्त इस दिन भारत्तोलन में पदक पर दावा ठोकेंगी मीरा

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। नीरज चोपड़ा ने सात अगस्त, 2021 को ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतकर इसे भारतीय खेलों के इतिहास का स्वर्णिम दिन बना दिया। अब सात अगस्त को यादगार बनाने की बारी वेटलिफ्टर मीराबाई चानू की है। मीरा सात अगस्त को ही पेरिस में एक और ओलंपिक पदक के लिए दावा ठोकने उतरेंगी। उन्हें भी मालूम है कि सात अगस्त को नीरज ने स्वर्ण जीता था। मीरा कहती हैं, वह इस दिन की अहमियत जानती हैं और इसे वापस भारतीय खेलों का सबसे शुभ दिन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी।

डायरी बनी सहारा

टोक्यो ओलंपिक में 49 भार वर्ग का रजत पदक जीतने वाली मीरा एक और

पदक के लिए फूंक-फूंक कर कदम रख रही हैं। इसमें 2015 से तैयार की गई उनके अनुभवों की डायरी खूब मदद कर रही है। जब भी वह थोड़ा निराश होती हैं तो अप्रैल, 2021 के दिनों की तैयारी का हिस्सा खोल लेती हैं। इन पन्नों पर उनकी ओर से खुद उकेरे गए शब्द उनमें वापस स्फूर्ति का संचार कर देते हैं। अप्रैल, 2021 में ही उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप में 119 किलो का वजन उठाकर क्लीन एंड जर्क में विश्व कीर्तिमान रचा था।

विश्व रिकॉर्ड से मिल रही ऊर्जा

मीरा कहती हैं, बीते कुछ वर्ष चोट के कारण उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे हैं। कई बार नकारात्मकता हावी हो जाती है। ऐसे में कोच विजय शर्मा उन्हें अच्छे दिनों की याद दिलाते हैं। वह डायरी में हर अच्छी बात और तैयारियों को लिखती आई हैं। 119 का विश्व रिकॉर्ड उनके सबसे करीब है। पेरिस की तैयारियों में यह रिकॉर्ड उनमें ऊर्जा भर रहा है। मीराबाई ने टोक्यो ओलंपिक में कुल 202 किलो वजन उठाकर रजत पदक जीता था। स्नैच राउंड में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 87 किलो वजन का रहा था, जबकि क्लीन एंड जर्क राउंड में उन्होंने 115 किलो वजन उठाया था। अभी 80 से 85 प्रतिशत वजन उठा रही हैं पेरिस के लिए मीरा की तैयारियां हटकर हैं। वह और उनके कोच विजय शर्मा उस गलती को नहीं दोहराना चाहते हैं जो हांगझोऊ एशियाई खेलों के दौरान हुई थी। एशियाड से ठीक पहले मीरा ने अपनी क्षमता का 90 से 95 प्रतिशत वजन कंपटीशन से पहले कई बार उठाया। कंपटीशन वाले दिन वह चोटिल हो गईं। उनका इलाज जाने-माने चिकित्सक डॉ. दिनशी पारदीवाला ने किया, लेकिन दर्द का कारण नहीं पता लगा। इसके बाद मीरा ने लंबे समय तक वजन को हाथ नहीं लगाया। पहले उन्होंने अपने शरीर को मजबूत किया और जीरो से शुरुआत की। मीरा के मुताबिक वह अभी वह 80 से 85 प्रतिशत वजन उठा रही हैं। कमरे में स्थापित किए बजरंगबली कोच विजय शर्मा का मानना है कि मीरा को सात अगस्त से पहले एक बार उनका अधिकतम भार देना है।

ओलंपिक में एक बार फिर नीरज से रहेंगी स्वर्ण की उम्मीदें

पेरिस। इस माह 26 जुलाई से शुरु हो रहे पेरिस ओलंपिक में भारत को भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से स्वर्ण पदक की उम्मीदें रहेंगी। नीरज ने पिछले ओलंपिक में स्वर्ण जीता था। इसके अलावा वह विश्व चैम्पियनशिप में भी विजेता है। ऐसे में अब प्रशंसकों को उनसे अगले माह 8 अगस्त को होने वाले मुकाबले में एक बार फिर स्वर्ण की उम्मीदें रहेंगी। नीरज के अलावा भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना भी यहां बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। नीरज के साथ पिछले दिनों फिटनेस को जो समस्या रही थी वह अब ठीक हो गयी है। उनके कोच क्लाउस बार्टोनिट्ज ने कहा है कि नीरज की जांघ की चोट अब पूरी तरह से ठीक हो गयी है। नीरज ने फिनलैंड में पावो नूरमी गेम्स में 85.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। जिससे अंदाजा होता है कि वह पूरी तहर से फिट हो गये हैं। इस बार ओलंपिक में भारतीय एथलीटो का दल काफी बड़ा है। ऐसे में भारत को अधिक पदकों की उम्मीदें हैं। ओलंपिक लिए भारतीय एथलेटिक्स दल पुरुष: नीरज चोपड़ा, अविनाश साबले, किशोर जेना, मोहम्मद अनस, मोहम्मद अजमल वी, अमोज जैकब, संतोष कुमार तमिलारासन, राजेश रमेश, मिजो चाको कुरियन, आकाशदीप सिंह, विकाश सिंह, परमजीत सिंह बिष्ट, सूरज पंवार, सर्वेश कुशारे, जेस्विन एल्ड्रिन, प्रवीण चित्रावेल, अब्दुल्ला अबूबाकर, तेजिंदरपाल सिंह तूर महिला: ज्योति याराजी, किरण पहल, पारूल चौधरी, अंकिता ध्यानी, ज्योतिका श्री डांडी, शुभा वेंकटेशन, विथ्या रामराज, पोवम्मा राजू एम, प्राची चौधरी, प्रियंका गोस्वामी, अन्नु रानी।

संपादकीय

सर्वर के सहारे दुनिया

विख्यात कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में क्या साइबर खामी आई कि लगभग दुनिया की सांसें हांफने लगीं। गतिविधियां थम गईं। अमरीका समेत जर्मनी, ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया सरीखे विकसित और प्रगतिवादी देशों में उड़ानें अवरुद्ध हो गईं अथवा रद्द करनी पड़ीं। उड़ानों के अलावा, बैंकिंग, रेलवे, स्टॉक एक्सचेंज, अस्पताल, रेस्तरां, डिजिटल पेमेंट्स, टीवी चैनलों से लेकर सुपर मार्केट सरीखी अत्यावश्यक सेवाएं ठहर गईं। कइयों को दिन भर के लिए स्थगित करना पड़ा। माइक्रोसॉफ्ट का यह एकाधिकार बेहद खतरनाक है। क्या इतने बड़े देशों के ऑपरेटिंग सिस्टम एक ही कंपनी के सर्वर के भरोसे होने चाहिए? दुनिया के बड़े आर्थिक तंत्र के घटकों के लिए यह एक खास किस्म की विकलांगता है। दुनिया के 95 फीसदी से अधिक कम्प्यूटर माइक्रोसॉफ्ट के ऑपरेटिंग सिस्टम से ही चलते हैं। उनका भरोसा रहा है कि माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के सिस्टम में कभी गड़बड़ी नहीं होगी, लेकिन सिर्फ एक खामी ने दुनिया की सबसे ताकतवर कंपनी को बेनकाब कर दिया है। माइक्रोसॉफ्ट को साइबर सुरक्षा देने वाली कंपनी-क्राउडस्ट्राइक-के अपडेट के कारण यह खामी पैदा हुई या पूरे सिस्टम में ही गड़बड़ी आई, लेकिन पूरी दुनिया सहम-सी गई, असमंजस में पड़ गई कि अब क्या किया जाए? ऐसे सर्वर की विश्वव्यापी सेवाएं देने वाली कंपनी के पास कमोबेश वैकल्पिक योजना होनी चाहिए थी, लेकिन माइक्रोसॉफ्ट ने किसी 'प्लान बी' का इस्तेमाल नहीं किया। कंपनी सोचती रही कि साइबर सुरक्षा कंपनी क्राउडस्ट्राइक इस खामी को दुरुस्त करेगी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। यह एक ही सर्वर के भरोसे दुनिया चलाने की खतरनाक स्थिति है। ऐसा नहीं है कि माइक्रोसॉफ्ट के विकल्प नहीं हैं। कई कंपनियां 'लाइनेक्स' और 'मेक' का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन दुनिया में माइक्रोसॉफ्ट का एकाधिकार है। चीन और रूस पर इस साइबर संकट का कोई भी असर नहीं पड़ा, क्योंकि उन्होंने यह आशंका काफी पहले भांप ली थी, लिहाजा उन्होंने अपने-अपने सिस्टम को विकसित किया। उनके अपने ऑपरेटिंग सिस्टम हैं, सर्वर हैं, वे पश्चिम के भरोसे नहीं हैं। उनके पश्चिम के साथ संबंध भी बेहतर नहीं हैं। भारत को इस वैश्विक संकट से सबक सीखना चाहिए। हालांकि पहले दिन शुक्रवार, 19 जुलाई को दुनिया भर में 4295 हवाई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, लेकिन भारत में भी 200 उड़ानें रद्द की गईं। भारत की अधिकतर साइबर प्रणालियां माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर से ही जुड़ी हैं। जरा कल्पना करें कि सर्वर फेल हो जाए और हमारा ऊर्जा-उत्पादन, थर्मल प्लांट, उड़ानें, मेट्रो समेत रेलवे सिस्टम, बैंकिंग और एटीएम, संचार, अस्पताल, डिजिटल लेन-देन आदि बुनियादी और अत्यावश्यक सेवाएं रुक जाएं, तो भारत ही ठप हो जाएगा! सॉफ्टवेयर डिवेलपमेंट और यूपीआई जैसे वित्तीय प्रौद्योगिकी सिस्टम बनाना हमारी क्षमताओं को बयां करते हैं। भारत चांद तक अपने अभियान की सफल यात्रा कर चुका है। हम 'आदित्य एल-1' अभियान के जरिए सूर्य का व्यापक अध्ययन कर रहे हैं। अंतरिक्ष में अनेक उपग्रह भेज चुके हैं। सॉफ्टवेयर के सर्वाधिक कुशल चेहरे हिंदुस्तान पैदा कर रहा है, जिनकी दुनिया भर में खूब मांग है। तो हम भारत का अपना ऑपरेटिंग सिस्टम, सर्वर, पूरी तरह लागू क्यों नहीं कर सकते। इतनी संवेदनशील सेवाओं के लिए हम 'पराश्रित' क्यों हैं? अब कुछ सवाल हैं, जो आने वाले वक्त में स्पष्ट होंगे। मसलन-माइक्रोसॉफ्ट की ग्राहक कंपनियां अपने घाटे की भरपाई कैसे करती हैं? क्या मूल कंपनी उन्हें मुआवजा देगी? क्या इस तरह का कोई अनुबंध है? यदि माइक्रोसॉफ्ट किसी भी किस्म का मुआवजा नहीं देती है, तो क्या उसे अदालत में घसीटा जा सकता है? क्या ग्राहक कंपनियों के पास ऐसे अधिकार हैं? दरअसल हम इसे माइक्रोसॉफ्ट की बुनियादी खामी मानते हैं, क्योंकि बाजार में उसी की प्राथमिक ख्याति है। 'क्राउडस्ट्राइक' से कंपनियों ने करार नहीं किया था। अलबत्ता वह माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ी कंपनी जरूर है। सवाल यह भी हो सकता है कि 'क्राउडस्ट्राइक' जो अपडेट कर रही थी, उसे जांचने का काम सिर्फ उसका था अथवा माइक्रोसॉफ्ट का भी था।

> दुनिया के 95 फीसदी से अधिक कम्प्यूटर माइक्रोसॉफ्ट के ऑपरेटिंग सिस्टम से ही चलते हैं। उनका भरोसा रहा है कि माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के सिस्टम में कभी गड़बड़ी नहीं होगी, लेकिन सिर्फ एक खामी ने दुनिया की सबसे ताकतवर कंपनी को बेनकाब कर दिया है। माइक्रोसॉफ्ट को साइबर सुरक्षा देने वाली कंपनी-क्राउडस्ट्राइक-के अपडेट के कारण यह खामी पैदा हुई या पूरे सिस्टम में ही गड़बड़ी आई, लेकिन पूरी दुनिया सहम-सी गई, असमंजस में पड़ गई कि अब क्या किया जाए? ऐसे सर्वर की विश्वव्यापी सेवाएं देने वाली कंपनी के पास कमोबेश वैकल्पिक योजना होनी चाहिए थी, लेकिन माइक्रोसॉफ्ट ने किसी 'प्लान बी' का इस्तेमाल नहीं किया। कंपनी सोचती रही कि साइबर सुरक्षा कंपनी क्राउडस्ट्राइक इस खामी को दुरुस्त करेगी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

दुनिया की निगाहों का मरकज बनाकर भारत पर रणनीतिक दबाव बनाना था

कारगिल के योद्धाओं को याद करे राष्ट्र

प्रताप सिंह पटियाल

> पाकिस्तान हमेशा कश्मीर को हथियाने के मंसूबे तैयार करता रहा है। मगर भारतीय सेना ने पाक हुक्मरानों की ख्वाहिशों का काफिला सरहद से आगे कभी नहीं बढने दिया। सन 1980 के दशक में पाक सेना के कर्नल 'जावेद अब्बास' 'आफिसर कमांड एंड स्टाफ कालेज' 'क्वेटा' में सेवारत थे। जावेद अब्बास को पाक सेना ने भारत पर एक रिसर्च प्रोजेक्ट 'इंडिया ए स्टडी इन प्रोफाइल' का काम सौंपा था। जावेद अब्बास ने अपने शोध में खुलासा किया था कि 'भारत के कुछ निजी मसलों का लाभ उठाकर हिंदोस्तान की ताकतवर सेना को कंट्रोल किया जा सकता है।

भारतीय सेना 26 जुलाई को कारगिल युद्ध की पच्चीसवीं वर्षगांठ मनाएगी। यह दिन पाकिस्तान के लिए शर्मिंदा करने वाली तारीख है। पाकिस्तान हमेशा कश्मीर को हथियाने के मंसूबे तैयार करता रहा है। मगर भारतीय सेना ने पाक हुक्मरानों की ख्वाहिशों का काफिला सरहद से आगे कभी नहीं बढने दिया। सन 1980 के दशक में पाक सेना के कर्नल 'जावेद अब्बास' 'आफिसर कमांड एंड स्टाफ कालेज' 'क्वेटा' में सेवारत थे। जावेद अब्बास को पाक सेना ने भारत पर एक रिसर्च प्रोजेक्ट 'इंडिया ए स्टडी इन प्रोफाइल' का काम सौंपा था। जावेद अब्बास ने अपने शोध में खुलासा किया था कि 'भारत के कुछ निजी मसलों का लाभ उठाकर हिंदोस्तान की ताकतवर सेना को कंट्रोल किया जा सकता है। सन 1990 के दशक में पाक सेना के 'सैन्य अभियान महानिदेशक' के पद पर आसीन परवेज मुशर्रफ जावेद अब्बास के उस शोध से इस कदर प्रभावित हुए कि कश्मीर को हथियाने का जहालत भरा मंसूबा तैयार करने लगे तथा 'डीजीएमओ' रहते कश्मीर मंसूबे का मश्विरा पाकिस्तान की तत्कालीन वजीरे आजम बेनजीर भुट्टो के समक्ष पेश कर डाला। हालांकि परवेज मुशर्रफ के उस प्रस्ताव को मोहतरमा ने नाकाबिले अमल करार देकर खारिज कर दिया था, लेकिन वक्त ने करवट ली।

सन1998 में पाक वजीरे आजम नवाज शरीफ ने पाक सेना के दो सीनियर जरनैलों को दरकिनार करके परवेज मुशर्रफ को पाकिस्तान का चार सितारा जरनैल नियुक्त कर दिया। नवाज शरीफ की जिंदगी की यह सबसे बड़ी भूल साबित हुई। 17 मई 1999 को जनरल परवेज मुशर्रफ ने पाक सेना के 'ओजड़ी कैंप' में वजीरे आजम नवाज शरीफ को कारगिल मंसूबे की ब्रीफिंग पेश करके कश्मीर का फातिम बनने का ख्वाब दिखाकर नियंत्रण रेखा के पार भारतीय हदूद में जाने की इजाजत लेने का ढोंग रचा था। जबकि हकीकत यह थी कि 18 हजार फीट की बुलंदी पर मौजूद कारगिल के दुर्गम क्षेत्रों में शीतकालीन स्थिति में भारतीय सेना जिन चौकियों को खाली कर देती थी, पाक सेना सन 1999 के शुरुआती दौर में ही एलओसी पार करके उन चौकियों पर रक्षात्मक किलेबंदी कर चुकी थी। यानी पाकिस्तान 21 फरवरी 1999 के लाहौर समझौते को नजरअंदाज करके

एलओसी पर मंसूबाबंदी को अंजाम दे चुका था। उस पेशकदमी के दौरान एवलांच की चपेट में आने से कई पाकिस्तानी सैनिकों की मौत भी हो गई थी। एलओसी पर सिविल लिबास में घुसपैठ कर चुके हजारों सैनिक पाकिस्तान की 'नार्दर्न लाइट इन्फैंट्री' तथा 'स्पेशल सर्विस ग्रुप' के थे। कारगिल के मंसूबे को पाक सेना ने आपरेशन 'कोह-ए-पैमा' का नाम दिया था जिसका मकसद कारगिल क्षेत्र पर कब्जा करके सियाचिन ग्लेशियर को भारतीय सेना की पहुंच से अलग करके कश्मीर मसले को आलमी सतह पर दुनिया की निगाहों का मरकज बनाकर भारत पर रणनीतिक दबाव बनाना था। तीन मई 1999 को स्थानीय चरवाहों ने कारगिल क्षेत्र में पाक घुसपैठ की खबर भारतीय सेना को दी। छह मई 1999 को तुर्तुक क्षेत्र में 'जाट रेजिमेंट' की गश्त पार्टी पर पाक सेना की एनएलआई ने घात लगाकर हमला कर दिया। भीषण गोलीबारी में लांस नायक 'खडग़ सिंह गुर्जर' वीरगति को प्राप्त हो गए। खडग़ सिंह कारगिल युद्ध के प्रथम बलिदानी थे।

आठ मई 1999 को द्रास सेक्टर में भारतीय सेना की 'ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट' के चार जवान तथा 13 मई 1999 को 'गढ़वाल राइफल्स' की पैट्रोलिंग पार्टी के भी चार जवान पाक सेना से मुठभेड़ में शहीद हो गए थे। 14 मई 1999 को पाक घुसपैठ का पता लगाने के लिए कैप्टन सौरभ कालिया के नेतृत्व में निकले गश्ती दल का कॉकसर क्षेत्र में पाक सेना से मुकाबला हुआ। सौरभ कालिया का गश्ती दल दुश्मन से आखिरी गोली तक लड़ा, मगर गोला बारूद खत्म होने के बाद उस गश्ती दल को हिरासत में लेकर पाक सेना ने उन सैनिकों की नृशंस हत्या कर दी थी। सौरभ कालिया के गश्ती दल को खोजने के लिए उनकी यूनिट 'चार जाट' का एक अन्य गश्ती दल 17 मई 1999 को कैप्टन अमित भारद्वाज के नेतृत्व में निकला। मगर पाक सेना से मुठभेड़ के दौरान कैप्टन अमित भारद्वाज सहित तीन अन्य जवान वीरगति को प्राप्त हो गए थे। उन शहीद सैनिकों के पार्थिव शव सीजफायर के बाद 56 दिनों के बाद उठाए गए थे। कारगिल के पहाड़ों पर पाकिस्तानी घुसपैठ का पर्दाफाश होने के बाद 19 मई तक कारगिल सेक्टर युद्ध क्षेत्र घोषित हो चुका था। भारतीय सेना ने 'आपरेशन विजय' लांच करके जब पूरी तजवीज से पलटवार किया तो कारगिल का महाज पाक सेना के लिए कयामत का मंजर पेश करने लगा। बटालिक सेक्टर में 17 हजार फीट की बुलंदी पर प्वांइट 5203 पर कब्जा जमा चुकी पाक फौज पर '12 जम्मू एंड कश्मीर लाइट इन्फैंट्री' के कैप्टन अमोल कालिया ने अपने सैन्य दल के साथ आठ जून 1999 को जोरदार हमला करके उस क्षेत्र को मुक्त कराने में अहम किरदार निभाया था, मगर आक्रामक कार्रवाई के दौरान अमोल कालिया अपने कई सैनिकों के साथ वीरगति को प्राप्त हो गए थे।

दुश्मन की भीषण गोलीबारी के कारण अमोल कालिया का पार्थिव शव भी बारह दिनों बाद 20 जून 1999 को बरामद किया गया था। युद्ध में उत्कृष्ट बहादुरी के लिए सेना ने हिमाचली शूरवीर कै. अमोल कालिया को 'वीर चक्र' (मरणोपरांत) से नवाजा था। 'खालूबार' पर्वतीय श्रेणी पर स्थित प्वांइट 4812 पर भी '12 जैकलाई' के सात जवानों ने शहादत को गले लगाकर तीन जुलाई 1999 को कब्जा जमाया था तथा कारगिल जंग के जिंदा सबूत पाकिस्तानी सैनिक 'इनायत अली' को हिरासत में लिया था। भारतीय सेना के ऑपरेशन विजय के आगे पाक मिशन कोह-ए-पैमा पाक सेना के लिए इस कदर आत्मघाती साबित हुआ कि दुश्मन अपनी कयामत की दुआ मांगने पर मजबूर हो चुका था। बहरहाल कारगिल जंग में भारतीय शूरवीरों ने पाक सेना की तजवीज को नेस्तनाबूद करके पाकिस्तान के नामुराद जरनैलों की कश्मीर फतह करने की जंगी सनक को ध्वस्त कर दिया था। लाजिमी है विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्र कारगिल के योद्धाओं की दास्तान-ए-सुजात को नमन करे। देश अपने रणबांकुरों के शौर्य का हमेशा ऋणी रहेगा।

दृष्टि कोण

असहनीय गर्मी से बचाव हेतु बनें सरकारी नीतियां

पृथ्वी ने लगातार 13 महीनों तक तापमान के रिकॉर्ड तोड़े हैं। हर महीने तापमान पूर्व-औद्योगिक औसत से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार जून, 2023 से हर महीना अपने पिछले महीने से ज्यादा गर्म रहा है जिससे जुलाई, 2023 और जून, 2024 के बीच वैश्विक औसत तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के तापमान से (1.64 डिग्री सेल्सियस) ज्यादा हो गया है। नई रिपोर्ट तैयार करने वाली यूरोपियन यूनियन की कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के निदेशक कार्लो बुओनटेम्पो ने कहा कि यह सिर्फ सांख्यिकीय विषमता नहीं है। ये आंकड़े हमारी जलवायु में एक बड़े और निरंतर परिवर्तन को उजागर करते हैं। भले ही चरम सीमाओं का यह विशिष्ट सिलसिला किसी बिंदु पर समाप्त हो जाए, लेकिन जलवायु के गर्म होने के साथ-साथ हम नए रिकॉर्ड टूटते हुए देखेंगे। जब तक हम वायुमंडल और महासागरों में ग्रीनहाउस गैसों को जोड़ना बंद नहीं करते, यह सिलसिला जारी रहेगा। दुनिया ने इस साल गर्मी का रौद्र रूप देखा है। दक्षिणी और पूर्वी एशिया, दक्षिणी पश्चिमी अमेरिका, मध्य अमेरिका और दक्षिण-पूर्वी यूरोप सहित दुनिया के कई हिस्सों को अत्यधिक गर्मी का सामना करना पड़ा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह काफी हद तक ग्लोबल वार्मिंग का ही नतीजा है। उत्तरी भारत ने कई सप्ताह तक भीषण गर्मी झेली, जिसमें तापमान 44-45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अत्यधिक गर्मी जानलेवा हो सकती है। मार्च में भारत में गर्मी शुरू होने के बाद साढ़े तीन महीनों के दौरान अनेक लोगों की जानें गई। लू और गर्मी से मरने वालों की सही-सही संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार गर्मी की वजह से 143 लोगों की मृत्यु हुई। लेकिन विभिन्न राज्यों से मिले आंकड़े बताते हैं कि हीट स्ट्रोक से मौत के पुष्ट और संदिग्ध मामले 400 से अधिक हैं। सबसे ज्यादा मौतें उत्तर प्रदेश में हुईं जबकि पुष्ट मामलों में दिल्ली सबसे आगे रहा। भारत में इस साल गर्मी असाधारण रूप से असहनीय रही। पिछले सालों की तुलना में लू इस बार अधिक तीव्र रही। गर्म हवाओं की अवधि भी सामान्य से अधिक रही। इस बार न सिर्फ दिन बल्कि रातें भी अच्छी-खासी गर्म रहीं। दिल्ली में जून के महीने में एक दिन रात का न्यूनतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो कि पिछले 60 वर्षों में दर्ज सबसे अधिक न्यूनतम तापमान है। लंबे समय से चल रही गर्मी के कारण बिजली की खपत के रिकॉर्ड भी टूटे। पानी के संकट के कारण लोगों की कठिनाइयां और भी बढ़ गईं। भारत के अलावा दुनिया के दूसरे देशों में भी हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन से कई मौतें हुईं। सबसे भयानक त्रासदी सऊदी अरब में हुई जहां 1300 से अधिक हाजियों ने भीषण गर्मी में दम तोड़ दिया। उन दिनों वहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा था। शोध से पता चलता है कि उत्तरी गोलार्ध में गर्मी की खतरनाक लहरों के पीछे मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन है और आने वाले दशकों में दुनिया को ऐसे ही मौसम का सामना करना पड़ेगा। जीवाश्म ईंधन के निरंतर जलने से वायुमंडल में अधिक कार्बन का उत्सर्जन होता है, जिससे हवा सूर्य से आने वाली अधिक गर्मी को ट्रैप कर सकती है। इससे औसत वैश्विक तापमान बढ़ता है। दुनिया में तापमान वृद्धि की शुरुआत पश्चिमी देशों द्वारा कोयला और अन्य जीवाश्म ईंधन जलाने से हुई। वैज्ञानिक यह पता लगाने के लिए अध्ययन कर रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन ने किसी विशिष्ट गर्मी की लहर को कितना प्रभावित किया है। उन्होंने पिछले दशक में ऐसे सैकड़ों अध्ययन किए हैं, जिसमें कंप्यूटर सिमुलेशन के जरिए आज की मौसम प्रणालियों की तुलना की गई है। वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि यदि पिछली सदी में मनुष्यों ने वायुमंडल की केमिस्ट्री को नहीं बदला होता तो आज मौसम कैसा व्यवहार करता। ग्लोबल वार्मिंग के अलावा, अन्य कारक और परिस्थितियां भी हीट वेव को प्रभावित कर सकती हैं। एल नीनो या ला नीना जैसी जलवायु प्रणालियां, क्षेत्रीय सर्कुलेशन पैटर्न के साथ-साथ एक बड़ा प्रभाव डाल सकती हैं। भूमि आवरण भी एक बड़ी भूमिका निभा सकता है, जिसमें अंधेरी सतह और निर्मित वातावरण परावर्तक सफेद सतहों या जंगलों या आर्द्र भूमि जैसी प्राकृतिक प्रणालियों की तुलना में अधिक गर्म होते हैं। जलवायु प्रणाली में भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका है। भूमि के इस्तेमाल में परिवर्तन से जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा मिलता है। जलवायु परिवर्तन मानव स्वास्थ्य को संकट में डालने के अलावा प्राकृतिक प्रणालियों को भी प्रभावित कर रहा है। इसकी वजह से वर्षा, बाढ़ और समुद्री तूफान का पैटर्न बदल रहा है। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। वैज्ञानिकों का निष्कर्ष यह है कि जलवायु परिवर्तन पहले से ही गर्मी की लहरों को अधिक गर्म बना रहा है।

कुछ अलग

आपके फोन में कौन झांक रहा

ऑफिस के हमारे एक सहयोगी काम खत्म कर घर जाने की तैयारी कर ही रहे थे कि किसी अनजान नंबर से उन्हें वट्सऐप कॉल आया, जिस पर पुलिस इंस्पेक्टर की तस्वीर लगी हुई थी। कॉल करने वाले ने उनका नाम लेते हुए पूछा, आपके बेटे का नाम यह है? हां बोलने पर पूछा कि अभी कहां है वह? हमारे साथी ने कहा गुजरात, तो कॉलर ने तुरंत कहा कि हम गुजरात पुलिस से बोल रहे हैं। आपके बेटे और उसके तीन दोस्तों को हमने रेप केस में पकड़ा है। अभी हमने इस पर केस दर्ज नहीं किया है, आप बताएं, यहीं मामला सेटल करना है या इसे अंदर कर दें। बेटा कहां है पूछने पर कॉलर बोला, लो खुद उससे बात कर लो। उधर से एक लड़का रोते हुए बोलता है, पापा मुझे बचा लो। इससे आगे बात कराए बिना ही कॉलर फोन छीनते हुए बोलता है, देखो बाहिर मीडिया वाले खड़े हैं, पांच लाख देते हो तो यहीं केस खत्म कर देंगे। हमारे साथी ने पूछा कि गुजरात के किस थाने से बोल रहे हो, तो उनकी बात अनसुनी कर वह फोन पर ही सेटलमेंट करने की बात दोहराता रहा। चूंकि अखबार में हम हर रोज़ इस तरह की धोखाधड़ी की खबरें छापते रहते हैं, इसलिए हमारे साथी ऐसे फ्रॉड से वाकिफ तो थे, लेकिन फिर भी उन्हें एक बार लगा कि वाकई बेटा कहीं फंस न गया है। लेकिन जब बार-बार पूछने पर भी कॉलर ने नहीं बताया कि किस थाने से बोल रहा है तो इन्होंने फोन काट दिया। और झट से वडोदरा में पढ़ रहे अपने बेटे को फोन मिला दिया। बेटा अपनी क्लास में था तो वह फोन नहीं उठा पाया, पर पिता के कई फोन आने पर मेसेज कर दिया कि पापा क्लास में हूं, दस मिनट में फ्री होकर बात करता हूं। तब जाकर इनकी जान में जान आई। पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान के नंबर से इस तरह के कॉल कई लोगों को आ चुके हैं। हमारे साथी को तो आभास था कि यह स्पैम कॉल हो सकता है इसलिए वह ठग की बातों में नहीं आए। लेकिन हर कोई इस तरह हिम्मत नहीं कर पाता, खासकर जब ठग एआई के ज़रिए आपके बच्चे की आवाज़ सुनाकर डरा रहे हों। हाल के दिनों में डिजिटल अरेस्ट के ऐसे कई मामले आए हैं, जिनमें डर के मारे लोगों ने ठगों के खाते में पैसे भी ट्रांसफर कर दिए। ठग आपको फोन न काटने की धमकी देकर बैठाए रखते हैं और किसी को भी कॉल नहीं करने देते। इनके निशाने पर ऐसे लोग होते हैं, जिनके बच्चे किसी दूसरे शहर या देश में रहते हैं। इन ठगों को बस आपका और बच्चे का नाम पता होता है और यह कि वह कहीं बाहर है। पिछले हफ्ते हमारे एक परिजन को भी अनगिनत अनजान नंबरों से सैकड़ों स्पैम कॉल आए। सबमें अमेरिका में रहने वाली उनकी दोस्त को कॉन्फ्रेंस कॉल पर लाने की ज़िद कि वे लोन नहीं चुका रही हैं। ऐसा करने से मना करने और फोन काटने पर कॉलर धमकियों पर उतर आए कि बात नहीं कराई तो जीना मुश्किल कर देंगे। तीन दिनों में न जाने कितने नंबर ब्लॉक किए होंगे, लेकिन वो लोग अलग-अलग नंबरों से कॉल कर मानसिक प्रताड़ना देते रहे।

सवाल यह है कि आखिर इन ठगों तक आपकी निजी जानकारी कहां से पहुंच रही है। दरअसल, हमारे फोन में बैंकिंग, शॉपिंग समेत ढेरों ऐप्स हैं। अपनी कॉन्टैक्ट लिस्ट और फोटोज़ तक पहुंच को मंजूरी दिए बिना हम इन पर आगे बढ़ ही नहीं सकते। ज़ाहिर है डेटा वहीं से लीक हो रहा है। ऐसे कई मामले आ चुके हैं, जिनमें ठगों ने किसी बैंककर्मी को साथ मिलाकर उससे अकाउंट होल्डर्स की डिटेल निकलवा लीं। हाल में दुनियाभर के 10 अरब से अधिक पासवर्ड लीक होने की खबर आई थी। पिछले साल एक अमेरिकी फर्म ने दावा किया था कि भारत के करीब 82 करोड़ लोगों का डेटा लीक हुआ है।

देश दुनिया से

प्रवासी भारतवंशियों की जटिल दास्तां

> ट्रंप स्वयं अपनी आवाज़ तमाम अमेरिका की बताना चाह रहे हैं, न कि केवल आधे रिपब्लिकनों की। खुद वेंस, जो कभी ट्रंप को 'कल्चरल हिरोइन' कहा करते थे, अब उप-राष्ट्रपति पद के लिए ट्रंप की प्राथमिकता बन चुके हैं। और फिर दूसरी ओर कमला हैरिस तो हैं ही। यदि जो बाइडेन ने खुद को राष्ट्रपति पद की दौड़ से अलग किया, जैसा कि इस सप्ताह होने की उम्मीद है, तो क्या बिसराने लायक किंतु महत्वपूर्ण कमला हैरिस उनकी जगह लेंगी या फिर डेमोक्रेट पार्टी नेतृत्व करने के लिए कोई नया नेता ढूंढ़ लेगी। जो लोग भारत में भारतीय-अमेरिकियों की बढ़ती महत्ता को लेकर खुश हो रहे हैं कि वे ताकत के ठीक केंद्र बिंदु में होंगे– तो तथ्य यह है कि अमेरिका में कमला हैरिस को बतौर एक 'भूरी' नहीं 'काली' की तरह लिया जाता है।

लगता है ऊषा चिलुकुरी वेंस पर लिख-लिखकर न्यूयॉर्क टाइम्स का दिल नहीं भर रहा। बात चाहे उनकी गैर-डिज़ाइनर पोशाकों की हो या वो चौरस हील पहनती हैं या फिर उनके बाल काले हैं जिसमें सफेद बालों की लटें साफ दिखाई पड़ती हैं– वास्तव में, पिछले पूरे हफ्ते उनके स्वरूप को लेकर चर्चाएं चलीं जब अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में उनके पति जेडी वेंस ने डोनल्ड ट्रंप को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाए जाने की पेशकश को स्वीकार किया। उत्साह में आकर बहुत पुराने इस अख़बार ने तो उन्हें विश्व की भावी दूसरी सबसे ताकतवर महिला तक बता डाला। किंतु वे ट्रंप की पत्नी की तरह नहीं हैं, जो अपना पूरा वक्त 'मर्दों की नज़रें पाने' के लिए सजने संवरने में लगाती हैं। व्यावसायिक लिहाज से ऊषा की उपलब्धि कम रोचक नहीं है, वे सान फ्रेंसिस्को की एक वकालत कंपनी 'कूल, वॉक' में कार्यरत हैं। जेडी वेंस से उनकी भेंट येल यूनिवर्सिटी में हुई और आगे चलकर कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में उन्हें गेट्स फेलोशिप मिली। वर्ष 2014 तक, वे बतौर एक डेमोक्रेट पंजीकृत थीं। वेंस से उनकी शादी को तब सात साल हो चुके थे जब उन्होंने 2021 में 'यूनिवर्सिटीस आर द एनिमी' शीर्षक वाला भाषण दिया था। अमेरिका में इन दिनों मतदाताओं का रुझान काफी बदल रहा है, वे पहले की तरह लाल (रिपब्लिकन पार्टी का रंग) और नीला (डेमोक्रेटिक दल का सूचक) से बंधे नहीं हैं। ट्रंप स्वयं अपनी आवाज़ तमाम अमेरिका की बताना चाह रहे हैं, न कि केवल आधे रिपब्लिकनों की। खुद वेंस, जो कभी ट्रंप को 'कल्चरल हिरोइन' कहा करते थे, अब उप-राष्ट्रपति पद के लिए ट्रंप की प्राथमिकता बन चुके हैं। और फिर दूसरी ओर कमला हैरिस तो हैं ही। यदि जो बाइडेन ने खुद को राष्ट्रपति पद की दौड़ से अलग किया, जैसा कि इस सप्ताह होने की उम्मीद है, तो क्या बिसराने लायक किंतु महत्वपूर्ण कमला हैरिस उनकी जगह लेंगी या फिर डेमोक्रेट पार्टी नेतृत्व करने के लिए कोई नया नेता ढूंढ़ लेगी। जो लोग भारत में भारतीय-अमेरिकियों की बढ़ती महत्ता को लेकर खुश हो रहे हैं कि वे ताकत के ठीक केंद्र बिंदु में होंगे– तो तथ्य यह है कि अमेरिका में कमला हैरिस को बतौर एक 'भूरी' नहीं 'काली' की तरह लिया जाता है। ऊषा के मामले में भी, जो आज भी हिंदू और शाकाहारी हैं, इस बात की संभावना बहुत कम है कि अपने पति को भारत के पक्ष में नीतियां बदलने को राज़ी कर पाएंगी, भले ही एक समय उनके दादा के सगे छोटे भाई आंध्र प्रदेश में आरएसएस इकाई के प्रदेशाध्यक्ष रहे हों। चंडीगढ़ियों की आम बोली में कहें तो ये लोग नारियल की तरह हैं– बाहर से भूरे दिखते हैं, अंदर से हैं सफेद! आपको एक दलीप सिंह याद हैं? दो साल पहले वे अमेरिका के उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे– वे उन दलीप सिंह सौंध के भाई के पोते हैं, जो अमेरिका की संसद में पहली बार चुने जाने वाले भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक थे– उन्होंने मोदी सरकार को दोटूक चेतावनी दी थी कि यदि भारत ने यूक्रेन पर रूसी चढ़ाई के संदर्भ में लगाए अमेरिकी प्रतिबंधों को नहीं माना और रूस से सस्ती दर पर तेल खरीदने की कोशिश की, तो इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। तब दलीप सिंह के इन बोलों को लेकर भारत वाकई असहज हुआ था। भारतीय अधिकारियों को अमेरिकियों को कहना पड़ा कि यदि उन्हें बेलाग बोलना है, तो बंद कमरे में कहा कहें। इस हिसाब से दलीप सिंह को वाकई उच्च गुणवत्ता वाला नारियल कहा जा सकता है– चेहरे-मोहरे से अपने लोगों जैसा किंतु उनके प्रति संवेदना-शून्य। बेशक हमें भारतीय मूल के अनिवासियों की उपलब्धि पर खुश होना चाहिए– यह स्वाभाविक भी है। जब 1917 में एशियाटिक बार्ड ज़ोन एक्ट बनाकर अमेरिका में भारतीयों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया था। पिछले कोई 100 सालों में अमेरिका में बाहर से आकर बसने वालों से भारतवंशी सबसे अधिक सफल समुदाय है। जिनकी गिनती लगभग 50 लाख है। एक्स एप्प पर दरैबिटहोल 84 नामक हैंडल की एक पोस्ट बताती है कि भारतीय मूल के अमेरिकी परिवार की औसत वार्षिक आय 119,858 डॉलर है, जो कि किसी भी अन्य एशियाई समुदाय में सबसे अधिक है, फिर चाहे यह चीनी, जापानी और पाकिस्तानी क्यों न हों। खुद एलन मस्क ने इस पोस्ट को आगे शेयर किया है। आज अल्फाबेट के सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला अमेरिका की सबसे बड़ी 10 बड़ी कंपनियों में से दो के सर्वेसर्वा हैं। भारतीय मूल के अनिवासी समुदाय की कहानी जटिल है। मूल मातृभूमि के प्रति प्यार और चाव 'परदेस' में भी सदा बना रहता है, हालांकि 'देस' में भी उन्होंने अपने समृद्ध पांव अच्छी तरह जमा रखे हैं।

आप का नजरिया

पहाड़ी बोलियां खत्म हो जाएंगी

बोलियों में छुपा क्षेत्रवाद दाल माश को धाम में बांट देता है जहां, वहां राज्य की तासीर में टापुओं के धंसने का खतरा है बरकरार। जिस संस्कृति, बोली, भाषा, खान-पान, सादगी व पहाड़ीपन के साथ मिल कर हम एक हुए, हिमाचल की अस्मिता दिखी, वह अब भुरभुरा रहे अनेक टीलों पर सवार है। मराठी कलाकार के रूप में हिंदी के सुप्रिसद्ध एक्टर नाना पाटेकर को अगर अपने सुकून के लिए मराठी थियेटर और मराठी फिल्म में लौटना पड़ता है, तो इस सांस्कृतिक उजास को सलाम। महाराष्ट्र में कुल 38 जिले हैं और करीब इतनी ही बोलियां हैं जिनके सेतु पर मराठी भाषा का उद्भव, प्रभाव, साहित्य और संप्रेषण विकसित होता है। भले ही बालीवुड मुंबई को मुंबइया हिंदी भाषा देता है, लेकिन यह प्रदेश अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मराठी की एकरूपता में सराबोर रखता है। इसी तरह गुजरात ने ग्यारह अलग-अलग बोलियों से गुजराती भाषा से जुड़ा एक प्रगतिशील भूगोल और भाषाई संबल चुन लिया। बांग्ला के उद्भव में प. बंगाल की पांच, तो मलयालम ने भी कमोबेश इतनी ही बोलियों के संगम पर केरल की अभिव्यक्ति को राष्ट्रीय फलक पर सजा दिया। हर राज्य ने बोलियों को विस्मृत होने से बचाने के लिए भाषाई संगठन से राज्य की भाषा का सांस्कृतिक चेहरा व ओज प्रकट किया। इसके विपरीत हिमाचली भाषा की जरूरत में क्षेत्रवाद के दर्पण टकराने लगते हैं और भय यह कि कहीं सियासत का यह दंभ टूट न जाए। यह इसलिए भी कि सृजन में पाखंड और ऐसे तत्वों का समावेश है जिनका दायरा दस से बीस किलोमीटर तक ही सिमट गया है। हिमाचल की आठ बोलियों से निकली सांस्कृतिक विरासत से अगर पंजाबी भाषा को संपन्नता मिलती है या जम्मू-कश्मीर की डोगरी में हिमाचल की दो से तीन बोलियां समाहित हैं, तो यह समझना होगा कि हिमाचली भाषा के कितनी नजदीक दो भाषाएं पहले ही समृद्ध हैं। स्वयं हिंदी भी, जिसे ओढक़र हिमाचल स्वयं को हिंदी राज्यों की श्रेणी में देखता है, अठारह बोलियों और पांव उप भाषाओं के गठजोड़ से पारंगत होती है। तेरह प्रमुख बोलियों और उप बोलियों के सामथ्र्य व समर्थन का सांस्कृतिक महत्त्व को स्वीकार करें तो जिस सेतु ने हिमाचल का अस्तित्व, पूर्ण राज्यत्व तथा सांस्कृतिक पहचान को जोड़ा, वही भावना एक हिमाचली भाषा में परिलक्षित हो रही है। अन्यथा जिन्हें बोली कह रहे हैं, उनके भीतर भी तो उप बोलियों की खाद जुड़ी है। मसलन कुल्लवी के भीतर सिराजी सैंजी और कुल्लवी का जिक्र अलग-अलग कर दिया जाए तो बचेगा क्या। शिमला में फिर क्योंथली, कोच्ची व बरारी में हम कितने जिले खोजेंगे, जबकि हकीकत में हमें हिंदी राज्यों के साथ नत्थी करके तत्कालीन मुख्यमंत्री शांता कुमार ने हिमाचल के भाषाई सरोकारों को चोट पहुंचा दी है। अब केवल तर्क के लिए भाषाई कोस मापे व कोष समझे जाते हैं, जबकि यथार्थ यह है कि आने वाली पीढियां धीरे-धीरे अपनी सांस्कृतिक विरासत का अर्थ भूल जाएंगी। हम हिमाचल के खान-पान में एक धाम को विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग बांट कर शौर्य अर्जित करना चाहते हैं, जबकि सीने पर फास्टफूड का कूड़ा लटका हुआ है।

समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के लिए देश की सफल आर्थिक रणनीति को निरंतरता प्रदान करता है बजट : उद्योग जगत

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। उद्योग जगत ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के मंगलवार को संसद में चालू वित्त वर्ष के लिए पेश बजट के प्रस्तावों का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के लिए देश की सफल आर्थिक रणनीति को निरंतरता प्रदान करता है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महासचिव चंद्रजीत बनर्जी ने मंगलवार को बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि केंद्रीय बजट 2024-25 निवेश और सुधारों के नेतृत्व में सरकार के पिछले दो कार्यकाल की सफल आर्थिक रणनीति को आगे बढ़ाता है।

यह बजट समावेशी विकास और सशक्तिकरण पर केंद्रित है। रोजगार सृजन और विकास के दोहरे उद्देश्यों के साथ अगली पीढ़ी के सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए राज्यों के साथ सहयोग की घोषणा एक स्वागत योग्य कदम है। श्री बनर्जी ने कहा कि पांच वर्षों की अवधि में 4.1 करोड़ युवाओं को रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए दो लाख करोड़ रुपये का प्रावधान, भारत के युवाओं को भारत के विकास की कहानी में भाग लेने के लिए सशक्त बनाने में मदद करेगा। महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण की योजनाओं के लिए तीन लाख करोड़ रुपये के आवंटन के साथ, महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास उच्च प्राथमिकता बना हुआ है। रोजगार से जुड़े प्रोत्साहन (ईएलआई) के तहत घोषित तीन योजनाएं वास्तव में स्वागत योग्य हैं और सीआईआई की सिफारिशों के अनुरूप हैं। सब्जी क्लस्टर स्थापित करना, कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना और सहकारी समितियों को बढ़ावा देना जैसी पहल भारतीय किसानों को सशक्त बनाएगी और उनकी आय बढ़ाने में मदद करेगी। सभी के लिए अवसर पैदा करने के उद्देश्य से बजट में घोषित नौ प्राथमिकताओं ने भारत के लिए सतत उच्च विकास पथ पर अग्रसर होने का मंच तैयार कर दिया है, जो विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। भारतीय निर्यात संगठनों का संघ फीओ के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि बजट में किसानों, गरीबों, युवाओं और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करके भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसने न केवल देश को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में बनाए रखने बल्कि इसे विकसित भारत के रूप में विकसित करने के लिए एक दीर्घकालिक रोडमैप भी बनाया है। रोजगार, कौशल, एमएसएमई और मध्यम वर्ग के बजट विषय आयात प्रतिस्थापन के प्रयास के अलावा विनिर्माण और निर्यात को और बढ़ावा देंगे। कृषि अनुसंधान में बदलाव करके कृषि में उत्पादकता और लचीलेपन को प्राथमिकता देना इस क्षेत्र को और बढ़ावा देने की कुंजी है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये के बजट प्रावधान के साथ झींगा उत्पादन, निर्यात और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के साथ प्राकृतिक खेती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास को तेज करने और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसरों का सृजन करने में मदद करेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हम सोते...

दरअसल इस पुल का निर्माण करने के पीछे यह वजह है कि चीन फिर से अगस्त 2020 को दोहराना नहीं चाहता है। मई 2020 में पैंगोंग त्सो में चीन के साथ हुई झड़प के बाद 15-16 जून 2020 में गलवान घाटी में बड़ी हिंसक झड़प हुई थी। इस झड़प में 20 बहादुर भारतीय सैनिक शहीद हो गए और 45 से ज्यादा संख्या में चीनी सैनिक भी मारे गए थे। उस घटना के बाद से दोनों देशों के बीच लंबे समय से गतिरोध जारी है, जो जल्द खत्म होता नहीं दिख रहा है। अगस्त 2020 में भारतीय सेना ने एक स्पेशल ऑपरेशन को अंजाम देते हुए 29 और 30 अगस्त 2020 की रात को पैंगोंग त्सो के दक्षिणी किनारे की चोटियों पर कब्जा कर लिया था। वहीं चीन का यह पुल खुर्नक से दक्षिणी तट के बीच करीब 200 किमी की दूरी को खत्म कर देगा। पुल बन जाने के बाद खुर्नक से रुतोग तक का रास्ता 200 किमी के बजाय अब केवल 40-50 किमी का होगा। चीन की मोल्दो गैरिस तक पहुंच आसान होगी।

14,000 फीट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित पैंगोंग त्सो 3,488 किमी लंबी एलएसी से होकर गुजरती है। पूर्वी लद्दाख में आने वाली करीब 826 किलोमीटर लंबी एलएसी के लगभग बीच में पैंगोंग त्सो पड़ती है। इसकी लंबाई 135 किलोमीटर है और यह 604 वर्ग किलोमीटर से भी ज्यादा क्षेत्र में फैली है। कहीं-कहीं इसकी चौड़ाई 6 किलोमीटर तक है। इस झील का 45 किमी क्षेत्र भारत में, जबकि 90 किमी क्षेत्र चीन में पड़ता है। रणनीतिक रूप से यह झील इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर चीन भारत पर आक्रमण करना चाहे, तो उसके पास चुशूल के रास्ते भारत में घुसने का विकल्प है और उसी के रास्ते में यह झील पड़ती है।

इस इलाके में चीन की गतिविधियों पर भारत की नजर है और एलएसी के पास सभी महत्वपूर्ण इलाकों में तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है। हाल ही में भारत ने अपनी सीमा में कई पुलों और मजबूत सड़कों का निर्माण किया है। ताकि चीन की तरफ से किसी भी दुस्साहस से निपटने के लिए, जल्द ही सैनिकों की टुकड़ी के साथ ही टैंक जैसे भारी सैन्य साजो सामान को बॉर्डर तक पहुंचाया जा सके।

इससे पहले 31 मई को तस्वीरें आई थीं कि चीनी सेना पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के आसपास के क्षेत्र में खुदाई कर रही है, और उसने हथियार और ईंधन के स्टोर करने के लिए भूमिगत बंकरों का निर्माण किया है। पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे पर सिरजाप में चीनी सेना का बेस झील के आसपास तैनात चीनी सैनिकों का मुख्यालय है, जो एलएसी से लगभग 5 किमी दूर है। मई 2020 में एलएसी पर गतिरोध शुरू होने तक, यह क्षेत्र लगभग पूरी तरह से मेंस लैंड था। यह बेस गलवान घाटी से 120 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। चीन ने ये शेल्टर्स हवाई हमलों से बचने के लिए बनाए हैं।इससे पहले सैटेलाइट इमेजेस से खुलासा हुआ था कि चीन ने अपने शिगात्से एयरबेस पर लगभग आधा दर्जन चेंग्दू जे-20, चीन के सबसे उन्नत स्टेल्थ लड़ाकू जेट, को तैनात था। शिगात्से बेस पश्चिम बंगाल में भारतीय वायु सेना के हासीमारा बेस से करीब 300 किलोमीटर दूर स्थित है, जहां राफेल लड़ाकू विमानों का एक स्क्वाड्रन है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन द्वारा जे-20 की तैनाती का उद्देश्य भारतीय वायुसेना के सबसे उन्नत विमानों में से एक राफेल का मुकाबला करना है। वहीं कुछ जे-20 को झिंजियांग में तैनात किया गया है। जबकि 30 जून को जारी सैटेलाइट इमेज में शिगात्से एयरबेस के सेंट्रल एप्रन पर कम से कम दो जे-10 जेट खड़े दिखाई दिए थे।

आम बजट अमृत...

सरकार ने कहा कि मोबाइल फोन और उपकरणों के घरेलू उत्पादन में इजाफा हुआ है। मोबाइल फोन, मोबाइल चार्जर पर सीमा शुल्क घटाया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा मोबाइल फोन और मोबाइल पीसीबीएस तथा मोबाइल चार्जर पर बीसीडी को घटाकर 15 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। कैंसर के मरीजों के लिए तीन और दवाओं को पूरी तरह सीमा शुल्क से मुक्त कर दिया जाएगा। एक्सरे ट्यूब, फ्लैट पैनल डिटेक्टर में भी सीमा शुल्क घटाया जाएगा। सोने और चांदी पर सीमा शुल्क छह फीसदी और प्लेटिनम पर 6.4 फीसदी सीमा शुल्क घटाया जाएगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 25,000 ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसमों के अनुकूल सड़कें प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण 4 का शुभारंभ किया जाएगा। बिहार में अक्सर बाढ़ आती रहती है। नेपाल में बाढ़ नियंत्रण संरचनाओं के निर्माण की योजना अभी तक आगे नहीं बढ़ पाई है। हमारी सरकार 11,500 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। असम, जो हर साल बाढ़ से जूझता है, उसे बाढ़ प्रबंधन और संबंधित परियोजनाओं के लिए सहायता मिलेगी। बाढ़ के कारण व्यापक नुकसान झेलने वाले हिमाचल प्रदेश को भी बहुपक्षीय सहायता के माध्यम से पुनर्निर्माण के लिए समर्थन मिलेगा। इसके अतिरिक्त, उत्तराखंड, जिसे भूस्खलन और बादल फटने से काफी नुकसान हुआ है, उसे आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, दिवालियापन एवं दिवालियापन संहिता के तहत परिणामों में सुधार के लिए एकीकृत प्रौद्योगिकी मंच स्थापित किया जाएगा। ऋण वसूली न्यायाधिकरणों को मजबूत किया जाएगा और वसूली में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त न्यायाधिकरण स्थापित किए जाएंगे। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, एनटीपीसी और बीएचईएल के बीच एक संयुक्त उद्यम एयूएससी (उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल) प्रौद्योगिकी का उपयोग करके 100 मेगावाट का वाणिज्यिक ताप विद्युत संयंत्र स्थापित किया जाएगा। देश में छोटे और मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टरों के विकास पर, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, भारत छोटे रिएक्टरों की स्थापना, भारत छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के अनुसंधान और विकास और परमाणु ऊर्जा के लिए नई प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास के लिए सरकार निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी करेगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण निवेश किए गए हैं। बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पूंजीगत व्यय के लिए 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक आवंटित किए गए हैं। यह हमारे सकल घरेलू उत्पाद का 3.4 प्रतिशत होगा। निजी क्षेत्र द्वारा बुनियादी ढांचे में निजी निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा और इसके लिए वित्तपोषण और सक्षम नीतियां बनाई जाएंगी। पर्यटन के विकास पर केंद्र सरकार का विशेष ध्यान है। बोधगया के महाबोधि मंदिर के लिए कॉरिडोर निर्माण का ऐलान किया गया है। गया के विष्णुपद मंदिर के लिए कॉरिडोर बनेगा। यह काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास पर आधारित होंगे। राजगीर भी बौद्ध और जैन श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। राजगीर के तीर्थ क्षेत्रों का भी विकास होगा। नालंदा को भी पर्यटन केंद्र के रूप में मजबूत करने के लिए वहां विकास जाएगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार ने पीएम गरीब कल्याण योजना को पांच साल के लिए बढ़ाया। इससे 80 करोड़ से अधिक गरीबों को लाभ हो रहा। सरकार ने रोजगार, कौशल प्रशिक्षण के लिए पीएम की पांच योजनाओं के पैकेज की घोषणा। इससे पांच साल में 4 करोड़ 10 लाख युवाओं को लाभ होगा। इन योजनाओं पर दो लाख करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। अंतरिम बजट में हमने विकसित भारत को रोडमैप को देने का वादा किया था।

बजट में सरकार द्वारा तय अपनी प्राथमिकताओं में खेती में उत्पादकता बढ़ाने, रोजगार और क्षमता विकास, समग्र मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, अधोसंरचना, नवाचार, शोध और विकास एवं अगली पीढ़ी के सुधार जैसी नीतियां शामिल हैं।

निर्माण-उद्योग, शहरी विकास और ऊर्जा क्षेत्र में हुए बड़े ऐलान

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2024-25 के आम बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर उद्योग, शहरी विकास और ऊर्जा सुरक्षा क्षेत्र में भी कई बड़े ऐलान किए हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे के तहत गया में औद्योगिक केंद्र का विकास किया जाएगा। 26 हजार करोड़ रुपए की कुल लागत से पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस-वे, बोधगया, राजगीर, वैशाली और दरभंगा में सड़कों के काम में तेजी लाई जाएगी और बक्सर में गंगा नदी पर नया 2-लेन वाला एक पुल बनेगा।

देश के 100 शहरों में या उसके आसपास निवेश के लिए प्लग एंड प्ले औद्योगिक पार्कों का निर्माण किया जाएगा। राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास कार्यक्रम के तहत 12 औद्योगिक पार्कों को मंजूरी दी जाएगी। खनिजों के घरेलू उत्पादन, रिसाइक्लिंग और विदेश में महत्वपूर्ण खनिज आस्तियों का अधिग्रहण करने के लिए महत्वपूर्ण खनिज मिशन शुरू किया जाएगा। शहरी विकास के लिए आर्थिक और आवागमन योजना के जरिए बाह्य शहरी क्षेत्रों का सुनियोजित विकास होगा। मौजूदा शहरों के रचनात्मक ब्राउनफील्ड पुनर्विकास के लिए रूपरेखा बनेगी। 100 बड़े शहरों के लिए जलापूर्ति, सीवेज ट्रीटमेंट और ठोस कचरे का प्रबंधन परियोजनाएं एवं सेवाएं दुरुस्त की जाएंगी। 30 लाख से ज्यादा आबादी वाले 14 बड़े शहरों के लिए आवागमन संबंधी विकास योजनाएं काम करेंगी। पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत एक करोड़ शहरी गरीब व मध्यमवर्गीय परिवारों को लाभ मिलेगा। चयनित शहरों में 100 हाट या स्ट्रीट फूड हब बनेंगे। औद्योगिक कर्मियों के लिए पीपीपी मोड में किराए के मकानों का निर्माण किया जाएगा।

ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 1.28 करोड़ से ज्यादा पंजीकरण किए गए और 14 लाख आवेदन प्राप्त हुए। विद्युत भंडारण और समग्र ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा के निर्बाध एकीकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक नई नीति लाई जाएगी। परमाणु ऊर्जा के लिए नई प्रौद्योगिकियों और स्मॉल और मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर का अनुसंधान और विकास होगा। उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर (एयूएससी) प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से एनटीपीसी और बीएचईएल का एक संयुक्त उद्यम 800 मेगावाट का वाणिज्यिक संयंत्र स्थापित करेगा। हार्ट टू एबेट उद्योगों के लिए रोडमैप तैयार किया जाएगा। 60 कलस्टरों में सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों की निवेश ग्रेड ऊर्जा लेखा परीक्षा की सुविधा से स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

पिछली बार की तुलना में खेल बजट में मामूली वृद्धि

ओलंपिक से पहले खेलो इंडिया को मिले 900 करोड़

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। ओलंपिक वर्ष में पिछली बार की तुलना में खेल बजट में मामूली वृद्धि हुई है। सरकार की प्रमुख परियोजना खेलो इंडिया को एक बार फिर फायदा हुआ और जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने वाले इस कार्यक्रम के लिए केंद्रीय बजट में सबसे अधिक राशि आवंटित की गई है।

इस साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक चक्र समाप्त होने वाला है और राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में अभी भी दो साल का समय है। ऐसे में खेल मंत्रालय के बजट में पिछले चक्र की तुलना में केवल 45.36 करोड़ रुपए की मामूली वृद्धि की गई है। इस बार खेल बजट 3,442.32 करोड़ रुपए का है। खेल मंत्रालय के लिए पिछले वित्तीय वर्ष के लिए पिछले चक्र का बजट 3,396.96 करोड़ रुपए था।

खेल मंत्रालय के बजट में से खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह रकम पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 880 करोड़ रुपए के संशोधित आवंटन से 20 करोड़ रुपए अधिक है। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में खेलो इंडिया में भारी निवेश किया है क्योंकि यह कार्यक्रम देश के सभी हिस्सों से प्रतिभाओं को सामने लाने का काम करता है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में खेलो इंडिया का वास्तविक आवंटन 596.39 करोड़ रुपए था। अगले साल (2023-24) के बजट में लगभग 400 करोड़ रुपए से अधिक बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपए कर दिया गया था। इसे हालांकि संशोधित कर 880 करोड़ रुपए किया गया था।

खेलो इंडिया युवा खेलों 2018 (केआईवाईजी) की शुरुआत के बाद से सरकार ने इसमें और खेल आयोजनों को जोड़ना जारी रखा है। मंत्रालय ने उसी वर्ष खेलो इंडिया शीतकालीन खेल और 2023 में खेलो इंडिया पैरा खेलों शुरू करने के साथ 2020 में खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों की शुरुआत की। देश भर में सैकड़ों खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) स्थापित किए गए हैं, जिनका उद्देश्य प्रतिभाशाली उदीयमान खिलाड़ियों को सुविधाएं प्रदान करना है। खेलो इंडिया के कई एथलीट वर्तमान में भारतीय ओलंपिक दल में शामिल हैं।

राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को भी सरकार की सहायता में 15 करोड़ रुपए की वृद्धि की गई है। यह 2023-24 में 325 करोड़ रुपए से बढ़कर नवीनतम बजट में 340 करोड़ रुपए हो गया है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) का बजट भी 795.77 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 822.60 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इसमें 26.83 करोड़ रुपए का उछाल है। साई देश भर में अपने स्टेडियमों के रख रखाव अलावा वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) का प्रबंधन भी करता है।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) को बजट में मामूली वृद्धि मिली है। नाडा और एनडीटीएल का काम खिलाड़ियों की डोपिंग जांच करना है। नाडा के बजट को 21.73 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 22.30 करोड़ रुपए कर दिया गया है, जबकि एनडीटीएल के बजट को 19.50 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 22 करोड़ कर दिया गया है।

रक्षा बजट मोदी ...

तब हथियार खरीद में कटौती देखने को मिली है। एक समझने वाली बात यह है कि भारत का जो रक्षा बजट है, उसमें 67.7 फीसदी तो सिर्फ सैलरी-पेंशन देने में निकल जाती है। कुल बजट में इस बार डिफेंस को 12.9 फीसदी हिस्सा मिला है, पिछले साल तक यह 13 प्रतिशत था। एक और अहम पहलू यह है कि डिफेंस के अंदर जो कैपिटल बजट आता है, उसमें लगातार तीसरे साल गिरावट है। असल में कैपिटल बजट के जरिए ही तीनों सेनाओं के हथियार खरीदे जाते हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार कैपिटल बजट 5.7 फीसदी बढ़ा है, लेकिन पिछले साल 6.5 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया था।

इसी तरह 2022 में 12 परसेंट का बड़ा इजाफा अकेले कैपिटल बजट में रहा था। ऐसे में आंकड़ों में तो जरूर लग रहा है कि जैसे पैसे ज्यादा खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जब पूरी तस्वीर देखी जाती है तो पता इस क्षेत्र में गिरावट आई है। अगर पेंशन की बात करें तो सरकार ने इस बार 1.41 लाख करोड़ रुपए इसके लिए रखे हैं, यह कुल डिफेंस बजट का 22.7 फीसदी है। पिछले बजट में यह आंकड़ा 1.38 लाख करोड़ था, ऐसे में यहां भी कुछ गिरावट आई है। वैसे एक तथ्य यह भी है कि पेंशन और दूसरे खर्च निकालने के बाद बजट का ज्यादा हिस्सा भारतीय सेना के पास गया है। वही तीनों सेनाओं को हथियार खरीदने के लिए कितना पैसा दिया गया है, इसका जिक्र बजट में नहीं हुआ है। वैसे अगर यूपीए और एनडीए कार्यकाल की बात करें तो पता चलता है कि कांग्रेस के शासनकाल में रक्षा बजट 10 साल के अंदर 162 फीसदी तक बढ़ गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद पिछले 10 सालों में रक्षा बजट 184 प्रतिशत तक बढ़ चुका है।

बजट में रेलवे...

मोदी सरकार आने के बाद से रेलवे पर फोकस नहीं किया जा रहा है। इतने सारे एक्सीडेंट हो रहे हैं, लेकिन रेलवे ट्रैक्स में इम्प्रूवमेंट और यात्रियों की सुरक्षा पर कोई फोकस नहीं रखा गया।

64 हजार महीने की...

बजट में किए गए ऐलान के बाद अगर किसी करदाता की सालाना आय 7 लाख 75 हजार रुपए तक है तो स्टैंडर्ड डिडक्शन के 75,000 रुपए घटाने के बाद उसकी आमदनी 7 लाख रुपए सालाना हो जाएगी। ऐसे में उसे कोई टैक्स नहीं देना पड़ेगा। इसका मतलब है अगर किसी व्यक्ति का मासिक वेतन 64000 या 64500 रुपए के आसपास है तो उसे नई कर प्रणाली में कोई आयकर देने की जरूरत नहीं है। बजट से पहले की स्थिति में सालाना आमदनी 7,50,000 रुपए तक रहने पर ही करदाता को टैक्स देने से राहत मिलती थी।

भले ही नई कर व्यवस्था में तीन लाख तक की कमाई ही टैक्स फ्री है लेकिन सात लाख तक कमाने वाले को भी टैक्स नहीं देना होता है। इसका कारण है इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 87ए के तहत मिलने वाली छूट। धारा 87ए के अनुसार, किसी व्यक्ति की टैक्सेबल इनकम 7 लाख रुपए होने पर उसे टैक्स में छूट दी जाएगी और उसे कोई टैक्स नहीं देना होगा।

अगर किसी करदाता की आमदनी 8 लाख 50 हजार रुपए सालाना है तो स्टैंडर्ड डिडक्शन के 75000 रुपए घटाने के बाद उसकी आमदनी 7,75,000 हजार रुपए रह जाती है। नई कर प्रणाली के तहत नई दर के अनुसार उसे आयकर के रूप में 27500 चुकानें पड़ेंगे। पुरानी दरों के आधार पर उक्त करदाता की सालाना आमदनी 8 लाख रुपए मानी जाती। ऐसे में उसे पुरानी दरों के हिसाब से उसे 35000 रुपए कर के रूप में चुकाने होते। इस तरह वित्त मंत्री के स्लैब बदलने के ऐलान के बाद अब करदाता को 7,500 रुपए की बचत होगी।

इसी गणना के आधार पर मान लीजिए स्टैंडर्ड डिडक्शन की 75 हजार रुपए की राशि घटाने के बाद किसी करदाता की आमदनी 9,75,000 रुपए है, तो उसे उपरोक्त गणना के हिसाब से 47,500 रुपए कर चुकाना पड़ेगा। पुरानी स्थिति में उक्त करदाता की आमदनी 50 हजार के स्टैंडर्ड डिडक्शन के अनुसार 10 लाख रुपए सालाना मानी जाती। ऐसे में उन्हें 60 हजार रुपए आयकर मद में चुकाने पड़ते। इस तरह करदाताओं को नई दरों के ऐलान के बाद 12,500 रुपए बचेंगे। अब मान लीजिए किसी करदाता की आमदनी इस बार के बजट में हुए ऐलानों से पहले 15 लाख 50 हजार रुपए थी। तो उसे आयकर की गणना के अनुसार 1,50,000 रुपए कर चुकाने पड़ते। अब सरकार सरकार के नए ऐलान के बाद उसी करदाता की आमदनी 14 लाख 75 हजार रुपए मानी जाएगी और उसे कर के रूप में 1,35,000 रुपए चुकानी पड़ेगी। इस तरह उसे 15000 रुपए की बचत होगी।

वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में चार करोड़ करदाताओं को नई दरों के ऐलान के बाद अधिकतम 17,500 रुपए की बचत की बात कही थी। ऐसा कैसे होगा यह भी जान लीजिए। 20 लाख 50 हजार रुपए तक की आमदनी की स्थिति में पुरानी दरों की गणना के अनुसार करदाता पर तीन लाख रुपए के आयकर की देनदारी बनती थी। अब नई व्यवस्था के तहत उसकी सालाना आमदनी 19,75,000 रुपए मानी जाएगी। इस तरह नई दरों के अनुसार उसे 2,82,500 रुपए चुकाने होंगे। इस तरह उन्हें आयकर मद में 17,500 रुपए बचत होगी। यहां एक गौर करने वाली बात यह है कि स्टैंडर्ड डिडक्शन मद में कटौती का लाभ भारतीय प्रणाली में केवल नौकरीपेशा करदाताओं को ही दिया जाता है। इसके अलावा करदाताओं को आयकर के साथ 4 प्रतिशत सेस के रूप में भी चुकाने पड़ेंगे।

केंद्र सरकार ने नई टैक्स रिजीम में तीन से सात लाख रुपए तक 5 प्रतिशत कर का प्रावधान किया है। वित्त मंत्री ने एंजल टैक्स हटाने की घोषणा की है। चैरिटी के मामलों में दो अलग-अलग व्यवस्थाओं की जगह एक कर छूट व्यवस्था होगी। न्यू टैक्स रिजीम में स्टैंडर्ड डिडक्शन 50 हजार से बढ़ाकर 75 कर दिया गया है। विभिन्न भुगतान के लिए पांच फीसदी टीडीएस की जगह दो फीसदी टीडीएस की व्यवस्था होगी। म्यूच्यूअल फंड्स या यूटीआई के री-परचेज पर 20 फीसदी टीडीएस को वापस ले लिया गया है। ई-कॉमर्स ऑपरेटर्स के लिए टीडीएस को एक फीसदी से घटाकर 0.1 फीसदी कर दिया गया है। टैक्स समाधान के लिए जन विश्वास-2.ज पर काम जारी है। म्यूचुअल फंड के रिपरचेज पर टीडीएस खत्म कर दिया गया है। शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स की दर 20 प्रतिशत रहेगी। सरकार ने यह भी कहा कि इनकम टैक्स कानून की छह महीने में समीक्षा करेंगे।

कई वस्तुओं की...

बजट में जो वस्तुएं महंगी हुई हैं, उनमें पीवीसी फ्लेक्स बैनर का आयात करना महंगा होगा। कुछ दूरसंचार उपकरणों का आयात महंगा होगा। मेक इन इंडिया के तहत देश में बने सस्ते घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए सरकार का यह निर्णय लिया है।

4.1 करोड़ रोजगार...

प्रधानमंत्री पैकेज के तहत यह योजना कर्मचारी भविष्य निधि संस्था (ईपीएफओ) पर आधारित होगी। इसके अलावा इस योजना के तहत पहली बार नौकरी कर रहे कर्मचारियों और नियोक्ताओं का ध्यान रखा जाएगा। योजना के तहत सभी क्षेत्रों में पहली बार काम करने वाले कर्मचारियों को एक महीने की दिहाड़ी दी जाएगी। पहली बार काम करने वाले कर्मचारियों को तीन किस्तों में पहला वेतन दिया जाएगा। ईपीएफओ में पंजीकृत होने के साथ ही यह न्यूनतम राशि 15 हजार रुपए होगी। ईपीएफओ में पंजीकृत लोगों को यह मदद मिलेगी। योग्यता सीमा एक लाख रुपए प्रति माह होगी। इससे 2.10 करोड़ युवाओं को फायदा होगा।

विनिर्माण क्षेत्र में नौकरियां बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इस योजना से विनिर्माण क्षेत्र में पहली बार नौकरी कर रहे अतिरिक्त कर्मचारियों को प्रोत्साहन मिलेगा। इस योजना में एक निर्दिष्ट पैमाने के तहत कर्मचारियों और नियोक्ताओं को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस योजना से विनिर्माण क्षेत्र में आने वाले 30 लाख युवाओं और उनके नियोक्ताओं को मदद मिलेगी। सभी क्षेत्रों में अतिरिक्त रोजगार के लिए नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करने की योजना बनी है। एक लाख रुपए वेतन वाले सभी कर्मचारियों को भी इस योजना में शामिल किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा, केंद्र सरकार नियोक्ताओं को प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के ईपीएफओ योगदान के लिए दो साल तक प्रतिमाह 3000 रुपए तक की प्रतिपूर्ति करेगी। यह योजना 50 लाख लोगों के अतिरिक्त रोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए स्वीकृत है।

वित्त मंत्री ने कहा, रोजगार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए उद्योगों के साथ मिलकर महिला हॉस्टल और बाल गृहों की स्थापना की जाएगी। यह योजना महिला कौशल कार्यक्रम को प्रोत्साहित करेगी। वित्त मंत्री ने कहा, कौशल योजना में प्रधानमंत्री पैकेज के तहत राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम किया जाएगा। इसके तहत अगले पांच वर्षों में 20 लाख युवाओं को कुशल बनाया जाएगा। 7.5 लाख रुपए तक के ऋण की सुविधा के लिए मॉडल कौशल ऋण योजना को संशोधित किया जाएगा। इससे हर वर्ष 25 हजार छात्रों को मदद मिलेगी।

वित्त मंत्री ने कहा, वे युवा, जो सरकार की योजनाओं से जुड़ने के लिए पात्र नहीं हैं। ऐसे युवाओं को 10 लाख रुपए तक का ऋण देने में हम मदद करेंगे। घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए ऐसे युवाओं को शैक्षणिक ऋण दिया जाएगा। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हर वर्ष एक लाख युवाओं को ई-वाउचर दिए जाएंगे। वार्षिक ब्याज सहायता के लिए सरकार की तरफ से कुल ऋण राशि का तीन प्रतिशत दिया जाएगा।

युवकों के फायदे ...

यह वेतन डीबीटी के जरिए तीन किस्तों में जारी होगा। इसकी अधिकतम राशि 15 हजार रुपए होगी। ईपीएफओ में पंजीकृत लोगों को यह मदद मिलेगी। योग्यता सीमा एक लाख रुपए प्रति माह होगी। इससे 2.10 करोड़ युवाओं को फायदा होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार रोजगार से जुड़ी तीन योजनाएं शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि एक महीने का पीएफ (भविष्य निधि) योगदान प्रदान करके नौकरी बाजार में प्रवेश करने वाले 30 लाख युवाओं को प्रोत्साहन प्रदान करेगी। उन्होंने घोषणा की कि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए देश में कामकाजी महिला छात्रावास स्थापित किए जाएंगे।

एक करोड़ युवाओं को टॉप-500 कंपनियों में 12 महीने इंटर्नशिप और हर महीने भत्ता मिलेगा। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि सरकार एक करोड़ युवाओं को अगले पांच साल में टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका देगी। यह इंटर्नशिप 12 महीने की होगी। इसमें युवाओं को कारोबार के वास्तविक माहौल को जानने और अलग-अलग पेशे की चुनौतियों से रूबरू होने का मौका मिलेगा। इसके तहत युवाओं को हर महीने पांच हजार रुपए का भत्ता भी दिया जाएगा। यही नहीं, उन्हें एकमुश्त मदद के रूप में छह हजार रुपए दिए जाएंगे। कंपनियों को अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत प्रशिक्षण का खर्च और इंटर्नशिप की 10 फीसदी लागत को वहन करना होगा। उन्होंने कहा, मुझे कौशल विकास और राज्य सरकारों व उद्योग जगत के साथ सहयोग के लिए प्रधानमंत्री पैकेज के तहत चौथी योजना के तौर पर केंद्र की नई प्रस्तावित योजना की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। पांच साल की अवधि में 20 लाख युवाओं को कुशल बनाया जाएगा। एक हजार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को हब में अपग्रेड किया जाएगा।

सीतारमण ने कहा कि सरकार जलवायु के अनुकूल बीज विकसित करने के लिए निजी क्षेत्र और उससे जुड़े विशेषज्ञों व अन्य को धन मुहैया कराएगी। मनरेगा में परिवार के एक सदस्य को कम से कम 100 दिन का रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा, पहले मौजूद मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी) योजना में प्रत्येक उस परिवार के कम से कम एक व्यक्ति को 100 दिनों का रोजगार प्रदान किया जाएगा, जिसके वयस्क सदस्य शारीरिक काम चाहते हैं।

गरीब और मध्यम वर्ग ...

इसके तहत 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश से एक करोड़ गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की आवास की जरूरत को पूरा किया जाएगा। इसमें अगले पांच वर्षों में 2.2 लाख करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता शामिल होगी। शहरी आवास के लिए किफायती दरों पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए सरकार ब्याज सब्सिडी योजना लाएगी। इसके साथ ही सरकार बेहतर उपलब्धता के साथ कुशल और पारदर्शी किराये के आवास बाजार की स्थापना करेगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना जून 2015 में सभी के लिए आवास के उद्देश्य से शुरू की गई थी। योजना की मौजूदा समय सीमा दिसंबर 2024 को पांच साल तक बढ़ाया गया है। पीएम ग्रामीण योजना के तहत 3 करोड़ घर दिए गए हैं वहीं अगले पांच वर्षों में इसमें 2 करोड़ नए आशियाने बनाए जाएंगे। निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि केंद्र सरकार मध्यम वर्ग को आवास देने के लिए एक योजना शुरू करेगी।

वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में वित्त मंत्री ने लोगों को किफायती घर मुहैया करने के लिए बड़ी घोषणा की थी। पीएम आवास योजना के लिए बजट को 66 फीसदी बढ़ाया गया था। इसका फंड 79 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा कर दिया गया था। वहीं शहरी विकास पर सालाना 10,000 करोड़ रुपए खर्च करने की घोषणा हुई थी।

बिहार और आंध्र ...

वित्त मंत्री ने संसद में बिहार की सड़क-संपर्क परियोजनाओं के लिए 26 हजार करोड़ रुपए देने का ऐलान किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि बक्सर में गंगा नदी पर दो लेना वाला एक अतिरिक्त पुल बनाने में भी मदद होगी। बिहार में 21 हजार 400 करोड़ रुपए की लागत से विद्युत परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। इसमें पीरपैंती में 2400 मेगावाट के एक नए संयंत्र की स्थापना भी शामिल है। बिहार में नए एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेजों और खेलकूद की अवसंरचना का भी निर्माण होगा। पूंजीगत निवेशों में सहायता के लिए अतिरिक्त आवंटन उपलब्ध कराया जाएगा। बिहार सरकार के बहुपक्षीय विकास बैंकों से बाह्य सहायता के अनुरोध पर तेजी से कार्यवाही होगी।

गया के विष्णुपद मंदिर और बोधगया के महाबोधि मंदिर में गलियारे बनेंगे। काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए बने गलियारे के तहत इन दोनों मंदिरों के गलियारों का विकास होगा। राजगीर भी बौद्ध और जैन श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण है। राजगीर के तीर्थ क्षेत्रों का भी विकास होगा। नालंदा को भी पर्यटन केंद्र के रूप में मजबूत करने के लिए वहां विकास जाएगा। बिहार कई सालों से बाढ़ की त्रासदी झेल रहा है। लाखों को बाढ़ के साथ परेशान हैं। केंद्र सरकार बाढ़ नियंत्रण पर 11 हजार 500 करोड़ रुपए परियोजनाएं शुरू करेगी। इससे बैराज पर काम, नदी के गाद की समस्या, कोसी नदी पर बाढ़ के बचाव के उपाय, तटबंधों पर काम किया जाएगा। ताकि लोगों को बाढ़ का दंश नहीं झेलना पड़े।

उत्तराखंड को...

पर इन क्षेत्रों के मजबूत होने से देश की आर्थिकी सशक्त होगी। कहा कि यह महत्वपूर्ण निर्णय विकसित भारत के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केंद्रीय बजट 2024-25 में उत्तराखंड में दैवीय आपदा से होने वाले नुकसान के लिए स्पेशल सहायता पैकेज देने की घोषणा करने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री का आभार जताया। कहा कि इस स्पेशल पैकेज के माध्यम से प्रदेश में आपदाओं से होने वाली क्षति राज्य की विकास की गति को बाधित नहीं कर सकेगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 24 जुलाई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

11 अगस्त को होगी अग्रवाल समाज अत्तापुर सेन्ट्रल शाखा की सावन की सैर

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज अत्तापुर सेन्ट्रल शाखा कार्यकारीणी समिति की सभा का आयोजन सोमवार को किया गया। अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा सेन्ट्रल के मंत्री विरेन्द्र कुमार अग्रवाल ने बताया कि अत्तापुर स्थित समाज के उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल के निवास स्थान में आयोजित सभा की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल ने की। सभा का शुभारंभ प्रथम गणपति वंदन एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी दी गई। अध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल ने पधारे सभी सदस्यो का स्वागत किया एवं कहा कि आगामी 11 अगस्त को सुबह 10 बजे से 8 बजे तक सावन की सैर का आयोजन सीरी नेचर वैली रिसोर्ट इब्राहीमपट्टनम मे करने का निर्णय लिया गया है। जिसमे आगमन पर वैल्कम ड्रिंक, मध्यान्ह भोजन, हाई टी एवं डिनर शामिल है। रिसोर्ट में सभी के लिए विभिन्न गेम्स का आयोजन किया गया है।

जिसमे क्रिकेट, स्विमिंग पुल, इंडोर गेम्स, तंबोला, वॉटर राईड्स आदि गेम्स रहेंगे। सभी के लिए लक्की ड्रा एवं रोमांचक उपहार रखे गये हैं। लक्की ड्रॉ में चांदी के 11 सिक्के दिये जायेगे।

मंत्री विरेन्द्र अग्रवाल ने अत्ता-पुर सेन्ट्रल शाखा सदस्यों एवं सभी पदाधिकारियों को आगामी सावन की सैर मे अपने परिवार सहित पधारने का निवेदन किया है। बैठक मे अध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, मंत्री विरेन्द्र कुमार अग्रवाल, सहमंत्री प्रशांत गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार अग्रवाल, केन्द्रीय समिति सदस्य ललित अग्रवाल एवं रामकिशन अग्रवाल, कार्यकारीणी सदस्य विनय अग्रवाल, राजकुमार गोयल, राहुल अग्रवाल, जितेन्द्र अग्रवाल, रोशन फीटकरीवाला, सुरेश बंसल, गोपाल अग्रवाल, यश गुप्ता आदि उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज सखी सहेली शाखा गोशामहल की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज सखी सहेली शाखा गोशामहल तेलंगाना की सावन की सेल की बैठक आयोजित की गई। शाखा की सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा बैठक बेगम बाजार स्थित संतोष ढाबा में रखी गई। इसमें यह कि निर्णय लिया गया की इस वर्ष सावन की सैर 27 जुलाई को अदिलाबाद शामिरपेट स्थित रतनालयम एवं वरंगल स्थित श्री विद्या सरस्वती मंदिर में की जाएगी। हर वर्ष की तरह इस वर्ष की सभी सखियों को तीज के अवसर पर सैर में ले जाया जायेगा। 27 जुलाई को सुबह 9:45 को बस का बंदोबस्त गोशामहल पुलिस ग्राऊड़ के पास किया जाएगा। वहां से मंदिर होते हुए रतनालयम जाएगी। और सभी सदस्यो के लिए स्नेक्स, लंच, एवं हाई टी का बंदोबस्त किया गया है। उस के बाद तंबोला एवं कई आर्कषक गेम्स आयोजन किया गया है। सभी जल्दी ही अपना नाम लिखवा दें। आखिरी तिथि 25 जुलाई रहेगी। अवसर पर आरती अग्रवाल, संगीता पटवारी, दीपा अग्रवाल, एकता गुप्ता, निलम संधी, शिखा अग्रवाल, वर्षा पित्ती, मनीषा संघी, प्रिती पटवारी, सुमन अग्रवाल, कीर्ति गुप्ता उपस्थित रहे।

बीईएल में पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

औद्योगिक परिसर, नाचारम, हैदराबाद में स्थित रक्षा मंत्रालय के अधीन भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में मंगलवार को पूर्ण दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिंदी में दैनिक कामकाज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला का नगर स्थित हिंदी शिक्षण योजना कार्यालय के प्रभारी एवं उप निदेशक डॉ. बेला द्वारा संचालन किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 50 कर्मचारी उपस्थित हुए और हिंदी से जुड़े अनेक पहलुओं की जानकारी प्राप्त की एवं अपने संदेह की पुष्टि करते हुए ज्यादा से ज्यादा कार्यक्रम से लाभान्वित हुए।

प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त हुए 606 आवेदन

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंगलवार को महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 606 आवेदन प्राप्त हुए।

राजस्व संबंधी 108 आवेदन, नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित 106, विद्युत विभाग से संबंधित 64, आवास से संबंधित 115 आवेदन आए। अधिकारियों ने बताया कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संबंध में 38 तथा अन्य विभागों के संबंध में 175 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस कार्यक्रम में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी, सार्वजनिक प्रसारण की विशेष अधिकारी दिव्या ने भाग लिया और आवेदन प्राप्त किए। उन्होंने प्रजा भवन में आए लोगों से उनकी समस्याएं पूछीं।

तेरापंथ युवक परिषद का रक्तदान शिविर आयोजित

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा जारी मेगा ब्लड डो-नेशन ड्राइव के अंतर्गत तेरापंथ युवक परिषद्, हैदराबाद लगातार रक्तदान शिविर आयोजित कर रहा है। राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार पिछले हफ्ते विभिन्न शिविरो का आयोजन किया गया जिसमे 13 से 22 जुलाई तक मलिक मोटर्स बोवनपल्ली, लक्ष्मीनारायण विला आरामघर, कृष्णा नगर कॉलोनी, जेएसएन कम्युनिटी हॉल हब्सीगुड़ा, अविनाश कॉलेज, डालिम त्रिलोकजी सिपानी निवास एवं माता मंदिर काटेदान, राघव रतना टावर्स, एयरफ्लो कंट्रोल रानीगंज, इस्ता सिटी अत्तापुर, ए 2 ए लाइफ स्पेसेज बालानगर एवं तेरापंथ भवन बोलारम में

आयोजित किया गया। इन आयोजित शिविर में विभिन्न ब्लड बैंक ने अपना सहयोग दिया एवं लगभग 900 रक्त यूनिट्स ब्लड बैंक में जमा किए गए। तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा के नेतृत्व में मानवीय सेवा के रूप में रक्तदान शिविर निरंतर रूप से आयोजित कर रही है।

तेयुप हैदराबाद द्वारा चलने वाले रिथम ब्लड डोनेशन ड्राइव के अंतर्गत अविनाश कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स, सिकंदराबाद में आयोजित हुए मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव कैम्प में ऑल्विन वायर्स और केबल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर लक्ष्मीकान्त झँवर और कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. श्रीकांता ने फ़ीता काटकर उदघाटन किया ।

विभिन्न शिविरो के आयोजन में सहमंत्री जिनेन्द्र सेठिया के साथ अभातेयूप साथी एवं तेलंगाना रक्तदान प्रभारी राहुल श्यामसुखा व आशीष डक, एमबीडीडी प्रभारी रक्तवीर मनोज जैन, कार्यक्रम संयोजक श्रेणिक गोलछा, दर्शन सिपानी, दीपक धारेवां, अरिहंत गुजरानी, कुशल भंसाली, दीपक सेठिया, प्रशांत गांधी, संजय सेठिया, सुमित सिपानी, दर्शन सिपानी , डा मोहित सेठिया, सुदीप नौलखा , मनीष संचेती, धवल लूनिया, नवीन लूनिया, नीरज सुर-ाणा, विपुल कातरेला, मनीष सेठिया ने कैंप आयोजन में अपनी विशेष भूमिका निभाई। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र दे कर सम्मानित किया गया।

मंगलवार को स्वतंत्रता सेनानी पंडित चंद्रशेखर आजाद की जयंती चूड़ी बाजार स्थित एच,एन राव स्कूल में आज़ाद थे आज़ाद रहेंगे वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा मनाया गया। साथ में लोकमान्य तिलक एवं चंद्रशेखर आज़ाद की जीवनी विस्तार से बच्चों को बताई गई। एसोसिएशन का इस वर्ष का कॉन्सेप्ट मैं संगीत में जिंदा हूं और मेरी आवाज संगीत में जीवित है का उद्घाटन भी किया गया। स्कूली बच्चों में से कलाकारों को निकालने का काम अपने सिर पर लिया। इस अवसर पर राजेश तोषनीवाल, आजाद नितेश येलादुरी, अनुराग शर्मा, सी. रमा रावजी रिटायर्ड साइंटिस्ट, रामू पापड़ वाला, प्रिंसीपल ओमप्रकाश, अध्यापक गण एवं अन्य उपस्थित रहे।

आगमों पर हमें पूर्ण श्रद्धा व आस्था होनी चाहिए : देवेंद्रप्रभाजी म.सा

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कलिकाल सर्वज्ञ पूज्य श्री जेष्ठमलजी म.सा की अनुकम्पा से राजस्थान केसरी उपाध्याय पूज्य श्री पुष्करमुनिजी म.सा,श्रमण संघीय आचार्य पूज्य डॉ.श्री शिवमुनिजी म.सा, महाश्रमण पूज्य श्री जितेंद्रमुनिजी म.सा की आज्ञानुवर्तिनी जिनशासन चंद्रिका पूज्य गुरुणीमैया श्री शीलकुंवरजी म.सा, जिनशाशन गौरव तत्व चिन्तामणि गुरुणीमैया श्री चन्दनबालाजी म.सा की सुशिष्या धवल यशस्वी चरित्र चिन्तामणि साध्वीरत्ना श्री देवेंद्रप्रभाजी म.सा, साध्वी श्री धर्मज्योतिजी म.सा, नवदीक्षित साध्वी श्री प्रियांशश्रीजी म.सा आदि ठाणा 3 का शासनोत्कर्ष वर्षावास 2024 के अंतर्गत जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में सुख साता पूर्वक विराज रहे है।

चातुर्मास स्वागताध्यक्ष कुशलराज पोकरणा के अनुसार पुष्कर-शील-चन्दन दरबार में चातुर्मास हेतु विराजित पूज्य साध्वी श्री धर्मज्योतिजी म.सा ने अपनी अमृतमय जिनवाणी से प्रभु महावीर के चरणों में वंदना वंदना वंदना, प्रभु महावीर को वन्दना के स्वर स्व वंदना करते हुए बताया कि मनुष्य कोई मशीन नही है वो जीवित प्राणी है। यह जीवन कोई लोहे का तार नही कच्ची कली की डाली है। आगमो में कोई लिखित लेख नही यह तो देवादिवेव द्वारा रचित मानव जीवन है। आगे बताया कि हमे आगमो का श्रवण करना चाहिए। आगमो को चार अनुयोग में विभाजित किया गया है। चारणकर्णमु योग, गणितअनु योग, द्रव्यअनु योग एवं धर्मकथानु योग। इतिहास महापुरुषों का बनता है। किसी का इतिहास सोने की स्याही से लिखा जाता है तो किसी का काली स्याही से लिखा जाता है। धर्मकथानु योग के विपकसूत्र में बताया गया हैं कि विपाक का मतलब फल। फल मीठे या खट्टे होते हैं वैसे ही हमारे जीवन मे मिठास और खटास होती है और जैसे जैसे कर्म हम भोगते है वैसे वैसे फल हमे मिलते है। पूण्य को बन्दना कठिन है पर भोगना सरल है वही पाप को बन्दना आसान है पर भोगना कठिन है। आगमों पर हमें पूर्ण श्रद्धा व आस्था होनी चाहिए। आगोमो में आता है कि तेनेनम कालेनाम- तेनेनम समयणं। काल क्या है और समय क्या है। काल साल या संवत है और समय तारिक है। काल चक्र में छे आरे है और हम अभी पाचवे आरे में जी रहे है। आगे बताया कि तीसरे आरे में भगवान आदिनाथ ऋषभ देव का जन्म हवा और बाकी की 23 तीर्थंकर भगवंतों का जन्म चौथे आरे में हुए है। मानुष का जन्म पाचवे आरे में होता है और इस आरे में कोई भी मनुष्य मोक्ष की प्राप्ति नहीं कर सकता है। जो भी आत्माओ ने चौथे आरे में जन्म लिया वो पांचवें आरे में मोक्ष पा सकते है। हमे चिंतन यह करना है कि हम पाचवे आरे में मोक्ष तो नही जा सकते है पर वहाँ जाने का प्रयत्न कर सकते है। हम मोक्ष तो नही जा सकते पर अपने कर्मो और धर्म के सहारे एक भाव अवतारी बन सकते है। संसार के अंदर कोई भी जीव सुखी नही है। जो जीव वीतराग के पथ पर चलता है वही सही मायने में सुखी है।

धर्म मे सभा का संचालन करते हुवे चातुर्मास प्रधान संयोजक पारस डोसी ने पुष्कर-शील-चन्दन दरबार मे पधारे सभी का स्वागत किया। धर्म सभा मे त्रयनगर के विभिन्न क्षेत्रों से धर्मानुरागी श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित होकर संघ की शोभा बढ़ाई।

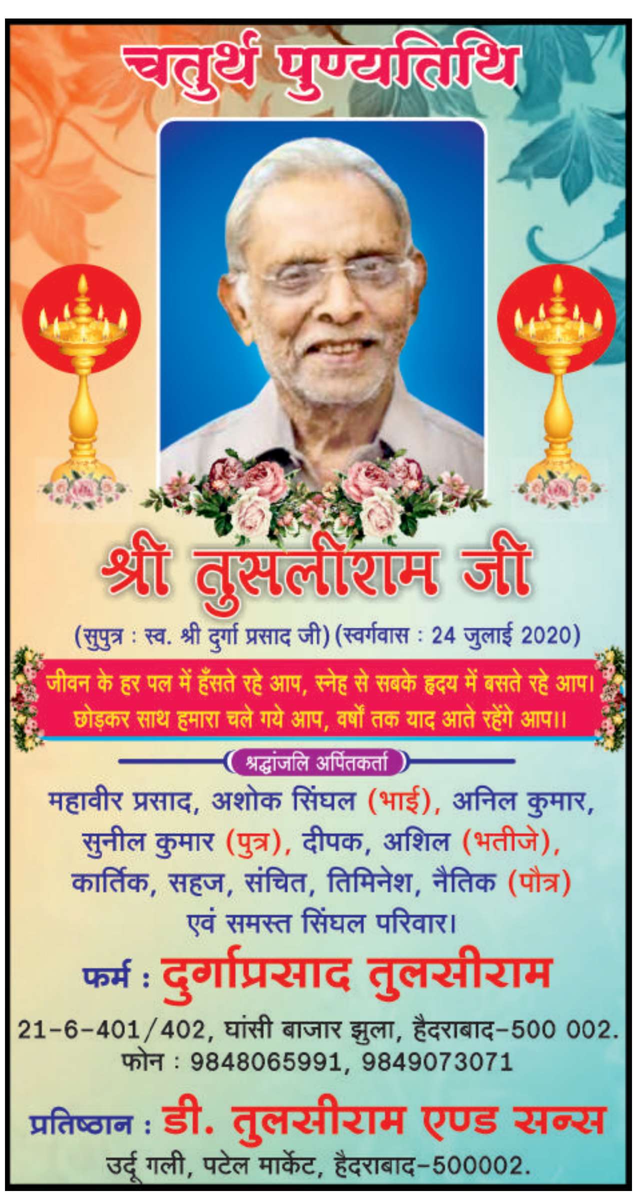

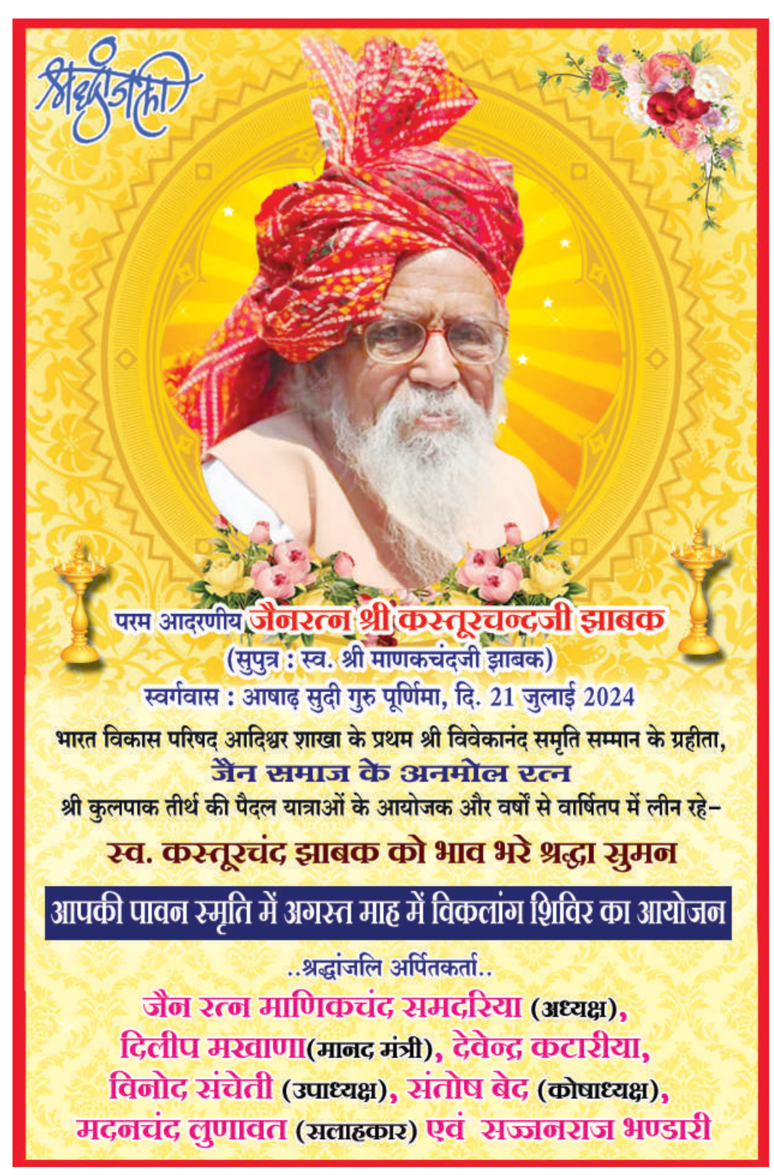

हमें गुरु और शिक्षकों के प्रति पूरी तरह से समर्पित रहना चाहिए : अखिल

किनवट, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु पुर्णिमा पर्व पर गुरु की आराधना करने की परंपरा है। हमें गुरु और शिक्षको के प्रति पूरी तरह से समर्पित और उनके प्रति आदर से रहना चाहिए। उनका मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद ही हमे सफलता के शिखर तक पहुंचाने में मदद करता है। योग साधकों को चरित्रवान बनने व व्यक्तित्व विकसित करना ही योग साधना होता है। उक्त प्रतिपादन स्वामी रामदेव बाबा के शिष्य तथा योग प्रचारक अखिल खान ने गुरु पुर्णिमा महोत्सव पर व्यक्त किए। किनवट स्थित पैनगंगा नदी तट पर मनसब योग साधना केंद्र में गुरु पुर्णिमा महोत्सव को योग साधकों ने आयोजित किया। इस अवसर पर वे बोल रहे थे। उन्होंने अपने गुरुओ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए माता-पिता, भोपटकर गुरुजी, स्वामी रामदेव बाबा का स्मरण किया। उन्होंने बताया कि योग गत अनेक वर्षे से योग सभी के लिए निःशुल्क सेवा मनसब योग साधना केंद्र मे शबाना,ओमल दे रही हैं। प्रारंभ मे अखिल खान और उनके परिवार को योग साधको ने सम्मानित किया। योग केंद्र में अपनी बीमारी से लाभ को बताते हुए रेहाना युसुफ खान, नागेश सलाम, कांचन सचिन पवार करुणा आलने रवि नेमानीवार ने योगा से ही हम ठीक हुए। गुरु पुर्णिमा महोत्सव पर अपने मनोगत मे पूपुर्व नगराध्यक्ष के मूर्ती, पूर्व सभापती व्यंकट भंडारवार, बबीता भंडारे, प्रमोद पोहरकर ने गुरु पुर्णिमा की शुभकामना देकर अखिल खान और उनके परिवार कि निःशुल्क योगा सेवा की सराहना की। गुरु पुर्णिमा पर्व विशेष आयोजन मे व्यंकट सातुरवार, किरणं किनवटकर अपना योगदान देकर और पूर्व नगराध्यक्ष के मूर्ती के जन्मदिन को लेकर उनका सत्कार कर बधाई दी गई। इस अवसरपर अखिल खान की माताजी सहारामनसबखान, सच्चिदानंद पवार गुरु स्वामी, जसवंत सिंग सोखी, रफिक खान, रामेश्वर पंड्या,एड शंकर राठोड, जावेद खान, प्रा गुलाब राठोड, सुनील खामकर, घुले, भालेराव, वसंत न्यालमवार, इंदुलकर, सुरेश पाटील, अकॅडमी के पाटील, दिनेश काबले, समेत योग साधक, महिला, नागरिक छात्र आदि उपस्थित थे। गुरु शिष्य का समारोह मे शामिल हुए लोगो मे खुशी दिखाई दी। कार्यक्रम के बाद महाप्रसाद वितरण किया गया।

क्रिएटिव आर्ट्स के तत्वावधान में
स्टाइल पिटारा फैशन एवं लाइफस्टाइल प्रदर्शनी कल से

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पिछले आठ वर्षों से क्रिएटिव आर्ट्स के तत्वावधान में स्टाइल पिटारा फैशन लाइफस्टाइल प्रदर्शनी का आयोजन आगामी 25 जुलाई से किया जा रहा है। इस संबंध में सोमवार को रामकोटी स्थित कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में स्टाइल पिटारा पोस्टर का अनावरण करने के बाद प्रतिनिधि रमा राठी, वैशाली इन्नानी, मीनल शारदा और विनीता बल्दवा ने बताया कि वे गृहणियों को आर्थिक सहयोग देने के लिए पिछले आठ वर्षों से स्टाइल पिटारा प्रदर्शनी का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की प्रदर्शनी में 100 से अधिक स्टॉल उपलब्ध कराए जा रहे हैं ताकि गृहणियां अपने घरों में काम करके अपनी प्रतिभा से बनाए गए उत्पादों का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि सामाजिक और आध्यात्मिक तौर पर क्रिएटिव आर्ट्स चैरिटी कई सेवा कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। उन्होंने बताया कि स्टाइल पिटारा प्रदर्शनी इस महीने की 25 और 26 तारीख को दो दिनों के लिए रामकोटी के कच्ची भवन में आयोजित की जा रही है। इस प्रदर्शनी का आयोजन में प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता भगवती बल्दवा मुख्य अतिथि होंगे एवं डॉ. श्वेता अग्रवाल सम्मानित अथिति होंगे तथा प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि दो दिनों तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता, जयपुर और देश के अन्य राज्यों की महिलाएं फैशन डिजाइनिंग, ज्वैलरी स्टॉल, फूड स्टॉल, गेम्स, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, हस्तकला, खाद्य सामग्री और अन्य उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे।

पी. भास्कर ने रेवंत रेड्डी से की शिष्टाचार भेंट

बांसवाड़ा, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। निजामाबाद के पूर्व डीसीसीबी अध्यक्ष और बांसवाड़ा कांग्रेस पार्टी के नेता पोचारम भास्कर रेड्डी ने दिल्ली में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार मुलाकात की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, कांग्रेस पार्टी के नेता रोहन रेड्डी, अंजनी कुमार यादव के साथ पोचारम भास्कर रेड्डी ने कवि और योद्धा के सम्मान में दशरथी कृष्णमाचार्य के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुधोल गुरुकुल पाठशाला का विद्यार्थी आईआईटी मद्रास के लिए चयनित

तानूर, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुधोल तालुका के गुरुकुल पाठशाला के विद्यार्थी का आईआईटी में चयन होने पर पाठशाला के अध्यापको ने हर्ष व्यक्त किया। इस मौके पर संघिक गुरुकुल पाठशाला के प्रिंसिपल वेणुगोपाल ने कहा कि यह गर्व की बात है के सोशल वेलफेयर गुरुकुल कॉलेज के छात्र अमन ने आईआईटी मद्रास में सीट हासिल की। प्रिंसिपल ने कहा अमन तानूर मंडल का रहने वाला है।

10वीं कक्षा तक मुधोल सोशल वेलफेयर गुरुकुल स्कूल से पढ़ाई की इसके बाद, गॉलिडोड्डी ने सीओई में एक सीट हासिल की और पहले प्रयास में आईआईटी मद्रास में एक सीट हासिल की। जो सामाजिक कल्याण गुरुकुल के लिए गर्व का स्रोत है। विद्यालय के प्रधान शिक्षकों द्वारा छात्र के पिता अशोक को सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में भास्कर, बुची रामुलु, श्रीधर, सीताराम, प्रेम कुमार, रविंदर और अन्य शिक्षण टीम ने भाग लिया और छात्र को बधाई दी। वहीं अमन के तानूर मंडल तानूर ग्राम निवासी रहने पर तानूर के सभी दल के प्रजाप्रतिनिधियों ने दलित मुस्लिम और अन्य समाज के लोगो ने छात्र अमन को बधाई देते हुए आगे और भी उच्च शिक्षा मे अपने हौसले बुलंद रखते हुए अच्छी शिक्षा हासिल कर अपने माता पिता का नाम रोशन करने हेतु भगवान से प्रार्थना की है।

स्थानीय जनता कर रही डोंगली में पक्की सड़क निर्माण करने की मांग

मदनूर, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय जनता ने मंगलवार को पत्रकार से बातचीत करते हुए बताया कि लगभग दो वर्ष पहले भारत राष्ट्र समिति के शासन काल में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के हाथों मदनूर मंडल से डोंगली मंडल निर्माण किया गया। लेकिन आज तक तेलंगाना सरकार द्वारा डोंगली मंडल के डोंगली बिरकुर मुख्य सड़क को लेकर महाधन हिपारगा एक्स रोड तक पक्की सड़क निर्माण नही किया गया उन्होंने आगे बताया कि इस मार्ग पर शासकीय दवाखाना, तहसील कार्यालय, सहकार सोसायटी है। मंडल की जनता को कामकाज हेतु आने-जाने के लिए विभिन्न समस्याओं

का सामना करना पड़ रहा है। इस के साथ-साथ यह सड़क राहगीरों को बिरकुर, बांसवाड़ा, बोधन निजामाबाद जाने के लिए उपयोग आती है। इस सड़क से जाने के लिए वाहन चालकों को व राहगीरों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस सड़क पर बड़े बड़े खड़े निर्माण होने पर मोटर सायकल सवार कई बार जमीन पर गिर पड़े। स्थानिक जनता राज नेताओं एवं आधिकारियों से डोंगली मंडल में पक्की सड़क निर्माण करने की मांग कर रही है।

ऐतिहासिक श्री अक्कन्ना मदन्ना मंदिरम हरिबावली हैदराबाद में 76वें वार्षिक बोनालु नवरात्रि उत्सव के अवसर पर सोमवार शाम को मंदिर समिति के आयोजन सचिव एसपी क्रांति कुमार और उनकी पत्नी एस.शैलजा द्वारा बिल्वार्चना और रुद्र त्रिशती ओमम का प्रदर्शन किया गया। मंदिर के पुजारी के. रवि नारायण मूर्ति और गोपाल महाराज ने इन पूजा कार्यक्रमों का संचालन किया।

तपस्या के पारणा कराते हुए स्व. श्री जैन रत्न शेरमल बोरा परिवार के अशोक कुमार, राजेंद्र कुमार व किशोर कुमार बोरा परिवार ने वर्षीतप आयोजक समूह के जैन रत्न मानिकचंद समदरिया, राजस्थानी मूर्ति पूजक संघ अध्यक्ष योगेश गांधी, संयोजक समिति के सज्जन राज भंडारी एवं अशोक लुणावत को सम्मानित किया।

भावसार विजन इंडिया हैदराबाद क्षेत्र-104 द्वारा मलकपेट स्थित सरकारी नेत्रहीन विद्यालय में बच्चों के लिए बाल विकास गतिविधियों और ट्रैक पैंट-टीशर्ट एवं स्नैक्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अर्चना बास्तुकर, घनश्याम पतंगे, अश्विनी पतंगे, शीतल नीमकर, अर्चना सुत्रावे, कविता घनाते, सुलभा महेन्दरकर, प्रेक्षा पतंगे ने सहयोग प्रदान किया।

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,429.04
-73.04 -0.09% ↓
एनएसई :24,479.05
-30.20 (-0.12%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

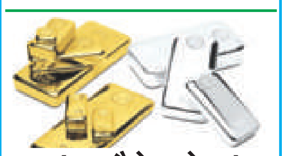

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 71,430/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 87,240/- (प्रति किलोग्राम)

गीत चांदनी की गोष्ठी में गुरु पूर्णिमा पर चर्चा और कवि गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की संस्था गीत चांदनी के तत्वावधान में 43वें वर्ष की 488वीं प्रतिमास आयोजित होने वाली कवि गोष्ठी गुरु पूर्णिमा के दिन नामपल्ली रेलवे स्टेशन प्लेट फार्म नं.1 पर स्थित श्री बालवीर हनुमान मंदिर के महंत महामण्डलेश्वर प्रभुदास जी महाराज के सान्निध्य में संपन्न हुई। कार्यक्रम के संचालन का भार गोलकोण्डा दर्पण के संपादक, गीत चांदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने संभाला और गीत चांदनी की प्रमुख गतिविधियों पर प्रकाश डाला। गीत चांदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यूनियन बैंक के राजभाषा प्रबंधक देवकांत पवार, समाज सेवी परमानंद बंसल, छत्तीसगढ़ से नगर पधारे महेश कुमार शर्मा बतौर विशेष अतिथि मंच पर उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता ठाकुर दिनेश सिंह ने गुरु पूर्णिमा के महत्व और उसकी विशेषताओं पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया और कहा कि जीवन में गुरु का महत्वपूर्ण स्थान है। हम सभी को ज्ञान, विद्या आदि की आवश्यकता होती है जो गुरु से ही प्राप्त होती है। गुरु हमें अंधकार से प्रकाश में लाते हैं। कार्यक्रम में संस्कृत और हिंदी की विद्वान साहित्यकार डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने भगवान श्री हनुमान जी की विशेषताओं पर प्रकाश डाला।

विशेष अतिथि व समाज सेवी परमानंद बंसल ने कहा कि आज की गोष्ठी में विद्वान वक्ताओं और कवियों द्वारा अच्छे विचार सुनने को मिले। नगरद्वय में गीत चांदनी की गतिविधियां सक्रिय रूप से नियमित चल रही है। इसके लिए मैं संस्था के सभी साहित्यकारों, कवियों और पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। विशिष्ट अतिथि महेश कुमार शर्मा ने कहा कि जीवन के अनुभव कवियों ने कविताओं के माध्यम से प्रस्तुत कर कवि गोष्ठी में चार चांद लगा दिये। नई बातें निकल कर सामने आई हैं। महेश कुमार शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त की कि मुझे हैदराबाद में विद्वानों का सम्मान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर संपन्न कवि गोष्ठी में नगरद्वय के बहुभाषी कविगण देश की समसामयिक परिस्थितियों, गुरु की विशेषताओं पर तथा जीवन के विभिन्न पहलुओं पर अपने मार्मिक गीत, ग़ज़ल, हास्य-व्यंग्य और नई कविताओं का पाठ किया और भक्ति प्रदान कविताओं का पाठ कर श्रोताओं से ख़ूब वाहवाही लूटी। कवि संतोष कुमार मिश्र ने अपनी स्वरचित सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कविता पाठ करने वाले कवियों में देवकांत पवार, पूनम जोधपुरी, महेश कुमार शर्मा (छत्तीसगढ़), डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, सुधा ठाकुर, चंपालाल बैद, गोविंद अक्षय, आर. दुर्गाराज पटून, रत्नकला मिश्र, गोविंद मिश्रा, चंद्र प्रकाश दायमा, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, शोभा देश पांडे, पुष्पा वर्मा, ठाकुर दिनेश सिंह, रेखा देवी वर्मा, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य आदि के नाम सम्मिलित हैं। अध्यक्षीय टिप्पणी में वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद ने कहा कि आज समाज व देश में अंधविश्वासों का दौर चल रहा है। ऐसे समय में सच्चा मार्ग दिखाने वाला एक सच्चा गुरु ही होता है। श्री बालवीर हनुमान मंदिर के महंत महामण्डलेश्वर प्रभुदास जी महाराज ने इस अवसर पर कहा कि हमारे भारत देश में गुरुओं का बहुत सम्मान किया जाता है। क्योंकि एक गुरु ही है जो अपने शिष्य को ग़लत मार्ग से हटाकर सही राह पर लाता है। किसी भी व्यक्ति को महान बनाने में गुरु का विशेष योगदान रहा है। कवि गोष्ठी में भाग लेने वाले सभी कवियों, कवयित्रियों, विशेष अतिथि और विशिष्ट व्यक्तियों को महंत प्रभुदास जी महाराज ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया एवं गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएँ दीं।कार्यक्रम में नगरद्वय के कवियों, बुद्धिजीवियों और श्रोत-ाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफलता प्रदान की व गौरवान्वित किया। इस अवसर पर भक्तों द्वारा मंदिर प्रांगण में संगीत पर भजनों की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र थी। कवयित्री रत्नकला मिश्र ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रसादी ग्रहण करने बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

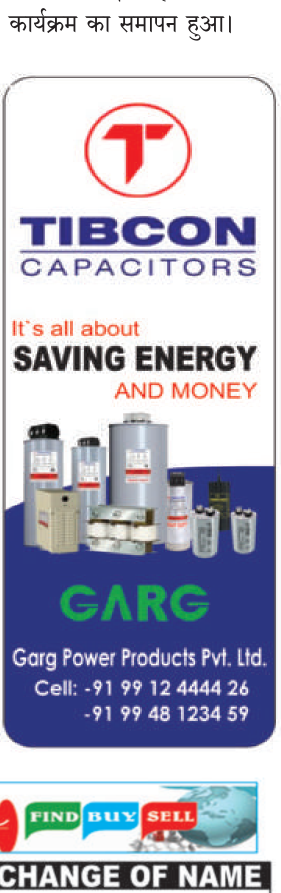

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No.JC 764839Y Sub Maj MD MOZAFOR ALI, R/o.4-2-174/1/191, Priyadarshini Enclave Opp:Masjid, Kowkoor, Alwal, Hyderabad-500010 hereby declare that my son name is to be changed from **MD SOHAIB MALIK** to **MD SHOAIB MALIK** vide affidavit dt:23-7-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, No.6941231M Hav GirishKumar.G of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name is changed from **SYAMALA** to **SYAMALA.K** vide affidavit S.NO.38AA 857593.

CHANGE OF NAME
I, No JC 734611N Sub Anand Pal Singh of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name is changed from **KUSMARTI DEVI** to **KUSHAMEE DEVI** vide affidavit S.NO.38AA 857594.

रेल संरक्षा के लिए एक लाख आठ हजार करोड़ रुपए : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। देश में रेल दुर्घटनाओं में वृद्धि के बीच आये आम बजट में रेलवे के पूंजीगत आवंटन में एक लाख आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक संरक्षा के लिए व्यय करने का प्रस्ताव किया गया है।

रेल, सूचना- प्रौद्योगिकी एवं सूचना-प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज मीडिया को बजट प्रस्तावों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में रेलवे के लिए रिकॉर्ड दो लाख 65 हजार 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जबकि वर्ष 2014 में रेलवे के लिए पूंजीगत आवंटन 35 हजार करोड़ रुपये के आसपास था। उन्होंने कहा कि इस दो लाख 65 हजार 200 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय में से एक लाख आठ हजार 795 करोड़ रुपये संरक्षा के मद में खर्च किए जाने हैं। संरक्षा के मद में पुरानी रेल पटरियों को बदलना, कवच का नया 4.0 संस्करण लगाना, इंजन एवं कोचों के अनुरक्षण, ओवरब्रिज और अंडरपास बनाने आदि में यह धनराशि खर्च की जाएगी। श्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों की सवारी है। इसलिए जनरल एवं गैर एसी स्लीपर कोचों की मांग बढ़ी है। पूंजीगत व्यय से करीब 10 हज़ार जनरल एवं गैर एसी स्लीपर कोचों के उत्पादन किया जाएगा।

कवच के नये संस्करण के बारे में उन्होंने कहा कि कवच 4.0 में भारतीय रेलवे के सभी तरह की प्रणालियों को समाहित करते हुए नया साफ़्टवेयर बनाया गया है, जिसे दो तीन दिन पहले ही आरडीएसओ लखनऊ से

स्वीकृति हासिल हुई है। अब इसको तेजी से बड़े पैमाने पर उत्पादन करके अधिक से अधिक लाइनों पर लगाया जाएगा। रेल मंत्री ने कहा कि रोज़गार की दृष्टि से देखें तो संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के 10 साल के शासनकाल में चार लाख 16 हजार नियुक्तियां हुईं थीं, जबकि मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल में पांच लाख से अधिक लोगों को रेलवे की नौकरी मिली है। इस वर्ष भी 38 से 40 हजार लोगों की भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। श्री वैष्णव ने कहा कि इस साल भी नयी परियोजनाओं पर फोकस बना रहेगा। जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में नयी लाइनों पर काम तेजी से चल रहा है। जम्मू-कश्मीर में कटरा से रियासी के बीच सुरंग संख्या एक में काम हो रहा है। बाकी लाइन करीब करीब तैयार है। उम्मीद है कि दो से तीन महीने में यह काम भी पूरा हो जाएगा।

रेलवे ने इंफ्रास्ट्रक्चर में भी कई उपलब्धियां हासिल की हैं। पिछले 10 वर्षों में, रेलवे ने 31,180 ट्रैक किलोमीटर चालू किए। ट्रैक बिछाने की गति 2014-15 में 4 किमी प्रति दिन से बढ़कर 2023-24 में 14.54 किमी प्रति दिन हो गई। 2014-2024 के दौरान, आईआर ने 41,655 रूट किलोमीटर (आरकेएम) का विद्युतीकरण किया है, जबकि 2014 तक केवल 21,413 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण किया गया था।

इस वर्ष के बजट में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त धनराशि आवंटित की गई है। ये फंड रणनीतिक नोड्स पर औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का समर्थन करेंगे: विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारे पर कोप्पर्थी, आंध्र प्रदेश में हैदराबाद-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे पर ओर्वाकल, और बिहार में अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे पर गया। इस पहल का उद्देश्य भारत के पूर्वी क्षेत्र में औद्योगिक विकास को उत्प्रेरित करना है। रेलवे ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक नया दृष्टिकोण अपनाया है। तीन आर्थिक रेलवे गलियारे- ऊर्जा, खनिज और सीमेंट गलियारे (192 परियोजनाएं); मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को सक्षम करने के लिए पीएम गति शक्ति मिशन के तहत पोर्ट कनेक्टिविटी कॉरिडोर (42 परियोजनाएं) और उच्च यातायात घनत्व कॉरिडोर (200 परियोजनाएं) की पहचान की गई है। क्षमता वृद्धि, उच्च घनत्व वाले नेटवर्क की भीड़ कम करना, देश में लॉजिस्टिक लागत में कमी लाना, यात्री अनुभव को बढ़ाना और उनकी सुरक्षा सरकार के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र बने हुए हैं।

विकसित भारत थीम बजट

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार सातवीं बार विकसित भारत थीम पर बजट प्रस्तुत किया। जिसमें भारत के

विकास को 4 स्तंभों - गरीब, महिलाएँ, युवा और अन्नदाता पर केन्द्रित करते हुए दर्शाया गया है, न केवल प्रत्येक नागरिक के लिए बल्कि देश के विकास के लिए भी प्रोत्साहन देने योग्य है।

एक सहकारिता कार्यकर्ता के रूप में, मैं सहकारी क्षेत्र के लिए प्रस्तावित राष्ट्रीय सहकारी नीति को वर्तमान 2002 की नीति के साथ 2024 में लागू करने के प्रस्ताव की सराहना करता हूँ, जिससे देश में सहकारिता आंदोलन को मजबूती मिलेगी और देश के सहकारिता आधारित आर्थिक विकास की संभावना बढ़ेगी।

एम.एस.एम.ई. को मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए बिना किसी जमानत या तीसरे पक्ष की गारंटी के 100 करोड़ रुपये तक की गारंटी कवर वाली ऋण गारंटी योजना शुरू करके टर्म लोन की सुविधा देना भी इस क्षेत्र के लिए`क स्वागत योग्य कदम है । मुद्रा लोन की सीमा को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करना उधारकर्ताओं के लिए बड़ी राहत होगी ।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पाँच साल के लिए बढ़ा दिया गया है, जिससे 80 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ मिलेगा, यह एक अच्छा संकेत है और पीएम विश्वकर्मा, पीएम स्वनिधि, राष्ट्रीय आजीविका मिशन और स्टैण्ड अप इंडिया जैसी आर्थिक गतिविथियों का समर्थन करने वाली योजनाओं का कार्यान्वयन निश्चित रूप से देश के जरुरतमंद नागरिकों की मदद करेगा।

एफडीआई और विदेशी निवेश के लिए नियमों और विनियमों का सरलीकरण निश्चित रूप से विदेशी निवेश के लिए मुद्रा के रूप में भारतीय रुपये के लिए अधिक अवसर प्रदान करेगा । निवेशकों के सभी वर्गों के लिए एंजल टैक्स को समाप्त करना एक अच्छा संकेत है जो निश्चित रूप से स्टार्टअप में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करेगा।आयकर अधिनियम 1961 की व्यापक समीक्षा, दान और टीडीएस का सरलीकरण पुनर्मूल्यांकन का सरलीकरण और पूंजीगत लाभ का युक्तिकरण एक अच्छा कदम होगा । वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती में 50,000 रुपये से 75000 रुपये की वृद्धि और पेंशनभोगियों के लिए पारिवारिक पेंशन पर कटौती को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25000 रुपये करना व्यक्तियों के लिए एक बड़ी राहत होगी । कृषि, रोजगार और कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवा, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढाँचा, नवाचार अनुसंधान और विकास और अगली पीढ़ी के सुधारों जैसे 9 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाला बजट सराहनीय है ।

-रमेश कुमार बंग
चेयरमैन, महेश बैंक

संतुलित बजट

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामण द्वारा आम जनता कि आशाओं के अनुरूप संतुलित बजट पेश किया है । मुद्रा लोन की

अधिकतम सीमा को 10 लाख से बढाकर 20 लाख रुपये करना, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 करोड़ नए आवास बनाना, मुफ्त राश योजना को 5 साल के लिए और बढाना आदि बजट में एनडीए सरकार के कुछ सराहनीय कदम है ।

बिहार, बोधगया में काशी की तर्ज पर महाबोधि कॉरिडोर बनाने, राजगीर में टूरिस्ट सेन्टर तथा बिहार में 3 एक्सप्रेस वे बनाने का प्रावधान भी सराहनीय है । बडे शहरों में पेयजल की किल्लत को देखते हुए 100 बड़े शहरों मे पानी सप्लाई पर काम के लिए प्रावधान केन्द्र सरकार का एक बहुत अच्छा कदम है। सटैण्डर्ड डिडक्शन को 50 हजार से बढाकर 75 हजार रुपये करना भी एक सही कदम है । कृषि क्षेत्र तथा किसान कल्याण के लिए भी बजट में अच्छे प्रावधान रखे गए है । कुल मिलाकर बजट द्वारा मध्यम वर्ग, रेलवे, चिकित्सा, शिक्षा, पिछडे वर्ग, बच्चों, युवाओं एवं वरिष्ठजनों सभी के लिए कुछ न कुछ सकारात्मक प्रावधान रखें गए है जिसकी सराहना होनी चाहिए।

-करोड़ीमल अग्रवाल
चेयरमैन, अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट

भारत के भविष्य के विकास के लिए सकारात्मक बजट

मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट से देश में औद्योगिक पार्कों के विकास से सूक्ष्म, लघु और

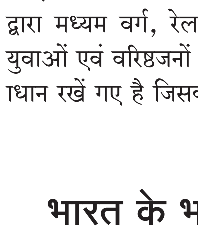

मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। औद्योगिक पार्कों के निर्माण से एमएसएमई के लिए आवश्यक संसाधन, इन्फ्रास्ट्रक्चर और बाजार की पहुंच में सुधार होगा, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। इससे न केवल एमएसएमई को मजबूती मिलेगी, बल्कि नए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे, जो देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेंगे।

एमएसएमई क्षेत्र के लिए योजनाएं नई पीढ़ी के उद्यमियों को प्रेरित और समर्थन प्रदान करेंगी। सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं को उद्यमिता के क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए प्रोत्साहन और आवश्यक प्रशिक्षण मिलेगा। ये योजनाएं वित्तीय सहायता, तकनीकी सहायता, और मार्केटिंग के अवसरों को बढ़ावा देंगी, जिससे युवा उद्यमियों को अपने व्यापार को स्थापित करने और सफलतापूर्वक संचालित करने में मदद मिलेगी।

भारत भर में विभिन्न मंदिरों के लिए गलियारे बनाने से पर्यटन उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का अवसर मिलेगा। मंदिरों के आस-पास आधुनिक और सुविधाजनक गलियारों के निर्माण से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्राप्त होगा। इससे न केवल तीर्थयात्रा को अधिक आकर्षक बनाया जाएगा, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों में पर्यटन का भी विस्तार होगा। इन परियोजनाओं से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी, क्योंकि अधिक पर्यटक स्थानीय व्यवसायों को समर्थन देंगे।

कुल मिलाकर, प्रस्तुत बजट भारत के भविष्य के विकास के लिए अच्छा और सकारात्मक दिशा में कदम है। यह बजट न केवल आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी देश को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। इन योजनाओं और परियोजनाओं से भारत के विभिन्न क्षेत्रों में समान विकास सुनिश्चित होगा, जिससे समग्र रूप से देश का भविष्य उज्ज्वल और समृद्ध होगा।

-अरुण लाहोटी
संयुक्त सचिव, तापमा,हैदराबाद

दूरगामी बजट

मोदी सरकार की तीसरी पारी के अंतर्गत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया केंद्रीय बजट एक दूरगामी बजट है, जिसके अंतर्गत देश के सभी वर्गों मुख्यतः युवा, महिला, गरीब

और किसान के उत्थान हेतु विभिन्न प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष बेहतर कोशिशों के माध्यम से देश के लिए विभिन्न क्षेत्रों में दूरगामी दृष्टि से उत्तम और लाभदायक कोशिश की गई है।

स्टार्टअप के क्षेत्र में अनावश्यक कर को हटाकर सरकार ने नए उद्योग और व्यावसायों के प्रारंभ और संचालन की प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाया है, तो वहीं दूसरी तरफ आयकर में छूट की सीमाओं को परिवर्तित करके भी देश के आर्थिक ढांचे को और विस्तृत तथा मजबूत करने की एक अच्छी पहल की है।

बजट में विभिन्न धार्मिक और अन्य क्षेत्रों के विकास के अंतर्गत भी इस विकास से होने वाले आर्थिक लाभ की क्षेत्र में विशेष ध्यान रखा दिया है।कुल मिलाकर प्रस्तुत किया बजट गैर राजनीतिक, दूरगामी, सराहनानीय और राष्ट्रहित बजट है।

-डॉ दिलीप पंसारी
महा सचिव, दि हैदराबाद सिकंदराबाद रीटेल डीलर एसोसिएशन

समृद्ध भारत का बजट

मोदी सरकार का कोई भी बजट लोकलुभावन नहीं रहा अपितु भारत की समृद्धि को ध्यान में रखकर पेश किया जाने वाला बजट

रहा हैं।यह मोदी सरकार 3.0 का पहला व अमृत महोत्सव काल का खास बजट है। गरीब, महिलाएं, युवा व अन्नदाता के लिए यह बजट विशेष है। इस समय जहाँ वैश्विक अर्थव्यस्थायें दबाव में है, वहीं भारत की अर्थव्यवस्था ठीक-ठाक स्थिति मे दिखती है।

वर्तमान में राजकोषीय घाटा 4.9% है, जिसे आने वाले वर्षों मे कम करने के लिए बजट संकल्पित है।

आयकर कानून का सरलिकरण अच्छा इरादा है। शेरबाजार वालों के लिए एलटीसीजी पर टैक्स में फेरबदल परेशानी का सबब है। वहीं नौकरी पेशा और आम लोगों को इनकम टैक्स में राहत वास्तव मे ऊंट के मुँह में जीरा है।

भूमि के स्वामित्व की जाटीलताओ में सुधार हेतु ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में भू-आधार की योजना सराहनीय है। बजट में कृषि अनुसंधान और विकास पर जोर तथा रोजगार के अवसर का सृजन स्वागत योग्य कदम है। एमएसएमई क्षेत्र को अनेक मदों में सहयोग किया है। साथ ही पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के द्वारा अनेक ई-कॉमर्स हब की स्थापना से रोजगार के अवसर निकलेंगे ।

पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना मे कृषि उत्पादन 1.4 प्रतिशत बढा है । इस वर्ष भी अच्छे मानसून के चलते कृषि उत्पाद आशानुरूप रहेगा । सरकार नई तकनीक के उपयोग को कृषि उत्पादन के क्षेत्र मे बढ़ावा दे कर किसानों की आय वृद्धि कर सकती है।

-हरिप्रकाश मारू
विश्लेषक

आमजन हितकारी बजट

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामण ने इस बार देश के हर वर्ग, हर क्षेत्र के लिए आत्म निर्भर भारत की संकल्पना का विचार रखते हुए देश को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में पहुँचाने मे लक्ष्य से बजट

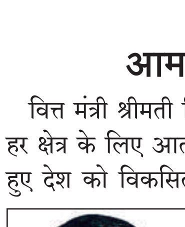

प्रस्तुत किया है।

वित्त मंत्री ने सहकारी क्षेत्र के लिए भी विकासोन्मुखी घोषणाएँ की है । केंद्रीय बजट में युवाओं के रोजगार को लेकर बड़ा ऐलान किया गया है । वित्त मंत्री ने अपने भाषण में कहा, सरकार 500 टॉप कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर मुहैया के लिए एक स्कीम शुरू करेगी । इसमें 5000 रुपये हर महीने इंटर्नशिप स्टाइपेंड और 6000 रुपये की एकमुश्त सहायता दी जाएगी । जो कि युवाओं को रोजगार मुहैया कराने की दिशा में सरकार का एक सराहनीय कदम होगा।जनजातीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की शुरुआत से 63 हजार गांवों के 5 करोड़ से अधिक जनजातीय लोग लाभान्वित होंगे । जो कि एक सरकार का एक अति सराहनीय कदम कहा जाना चाहिए । सम्पूर्ण विपक्ष द्वारा पिछले लोकसभा चुनाव में रोजगार एवं ग्रामीण विकास के मुद्दों पर घेरा था । इसे के मद्देनजर लगता है सरकार ने इस दिशा में सुधार करने का निर्णय लिया है । कमोबेश हर वर्ग एवं हर क्षेत्र के लिए उत्साहजनक परिणाम देने वाला बजट है ।

-रामप्रकाश भण्डारी
महामंत्री, तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन,हैदराबाद

युवाओं एवं मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचाने वाला बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को संसद में पेश केंद्रीय बजट 2024-25 में सबसे महत्वपूर्ण घोषणा अपनी एनडीए सरकार के सहयोगी टीडीपी, जद-यू एवं अन्य पार्टियों को खुश

करते हुए आन्ध्रप्रदेश एवं बिहार को विशेष पैकेज की घोषणा कर अपने संबंध और ज़्यादा गहराने की दिशा में एक कदम है । बजट में पहली बार नौकरी करने वालों को विशेष राहत दी गई। जिसके फलस्वरूप नए रोज़गार उपलब्ध होंगे ।

इनकम टैक्स में तीन लाख तक कोई टैक्स नहीं एवं अन्य टैक्स में छूट दी गई है स्टैण्डर्ड डिडक्शन 50000 से बढ़ाकर 75,000/- करना माध्यम वर्ग के लिए उचित कदम है । सोना, चाँदी, कैंसर की दवाई, मोबाइल फ़ोन उसके चार्जर आदि में ड्यूटी कम करके सस्ता किया गया, मुद्रा योजना के अंतर्गत बिना गारंटी के लोन को दस से बढ़ाकर बीस लाख किया गया यह बजट की खासियत है। विशेष कर युवाओं एवं मध्यम वर्ग के लोगों को लाभ पहुँचाने वाला अच्छा बजट है।

-मुकुंद लाल अग्रवाल
चेयरमैन अग्रवाल समाज मैरिज डेटा कमिटी

मोदी सरकार का रोजगारोन्मुखी बजट

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के प्रथम पूर्ण बजट का श्रीगणेश

वित्तमंत्री निर्मला सीतारणम ने रोजगार और नौकरियों को फोकस कर रोजगार सृजन एवं नौकरियों में खटाखट बढोत्तरी को लेकर नये रोजगारों के लिए दो लाख करोड़ का प्रावधान, बड़ी कंपनियों में एक लाख युवाओं को एक वर्ष की इंटर्नशिप वेतन के संग, रोजगार स्किलिंग के लिए बजट में एक लाख करोड़ का आवंटन, ये सभी कदम स्वागत योग्य है।कुल मिलाकर यह बजट मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर और बेरोजगारों के लिए लॉटरी वाला है। इस उत्तम बजट के लिए एनडीए की सरकार बधाई की पात्र है।

-शंकरलाल बंग
संयुक्त मंत्री, राजस्थानी प्रगति समाज,हैदराबाद

सराहनीय बजट

केंद्रीय बजट सराहनीय, दूरदर्शी और दूरगामी है। इसमें 12 नए औद्योगिक गलियारे विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना है जिसमें

बेंगलुरु-चेन्नई और हैदराबाद-बेंगलुरु जैसे प्रमुख मार्ग शामिल हैं।

बजट में देश भर में रोजगार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में इन गलियारों की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। बजट में शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये के रणनीतिक आवंटन करना वित्त मंत्री श्रीमती निर्मजर हतरीमए कर प्रशंसनीय कदम है।

इस महत्वपूर्ण निवेश का उद्देश्य चार करोड़ नौकरियां पैदा करना और मानव संसाधनों का अनुकूलन करना है, जो व्यापक विकास के लिए बजट की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। महिलाओं को सशक्त बनाने, छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई) को समर्थन देने और कृषि अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाने पर बजट में फोकस किया गया है।

-गोपाल बल्दवा
समाज सेवी

शेयर बाज़ार निवेशकों के लिए मध्यम बजट

मंगलवार को संसद में पेश केंद्रीय बजट 2024-25 में कैंसर की

3 दवाई पर कस्टर्म ड्यूटी पर कटौती की गई, मुद्रा लोन की सीमा 10 से 20 करोड़ की गई, मोबाइल, फोन एवं चार्जर सस्ते किए गए, सोलर पैनल भी सस्ता किया गया, एक करोड़ घर में प्रधान मंत्री योजना पर बिजली मुफ्त की गई, सोना एवं चांदी में 6 प्रतिशत तक कस्टम ड्यूटी की कोटोती की गई। यह आम बजट शेयर बाज़ार निवेशकों के लिए मध्यम है ।

-लड्डू बंग
प्रचार मंत्री, हैदराबाद सिकंदराबाद जिला माहेश्वरी सभा

विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का बजट

केंद्रीय आम बजट विकसित और आत्म निर्भर भारत के निर्माण में एक अहम भूमिका का निर्वाह करेगा। यह बजट भारत की 5 ट्रिलियन इकोनॉमी के लक्ष्य को पूरा करेगा । यह बजट सर्वस्पर्शी,

सर्वसमावेशी, विकासोन्मुखी 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और अमृतकाल के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला है। आम बजट 2024-25 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज है। यह हर वर्ग को समृद्द करने वाला बजट है। इस बजट से आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने में कारगर साबित होगा। यह बजट समाज के हर वर्ग को शक्ति देने वाला और उद्योगों को प्रगति के नए रास्ते प्रदान करेगा। यह अनगिनत नए अवसर वाला बजट है। इससे महिलाओं में भागीदारी सुनिश्चित होगी। बजट में टीडीएस के नियम को आसान किया गया जो सराहनीय है। इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव से हर टैक्पेयर्स को फायदा होगा। बजट में किसान, युवा एवं महिलाओं का स्वालम्बी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

-रामप्रकाश अग्रवाल
गोयल फार्मा एंड गोयल ड्रग्स,हैदराबाद

हर वर्ग को समृद्ध करने वाला बजट

मंगलवार को संसद में पेश केंद्रीय बजट 2024-25 हर वर्ग को समृद्ध एवं स्वालंबी बनाने वाला है। इस बजट से आर्थिक विकास

को नई गति मिलेगी। यह बजट समाज के हर वर्ग को शक्ति देने वाला और उद्योगो को प्रगति के नए रास्ते प्रदान करेगा. यह अनगिनत नए अवसर वाला बजट है। इससे महिलाओं में भागीदारी सुनिश्चित होगी।

केंद्रीय बजट 2024-25 में महिलाओं और बालिकाओं को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के लिए तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन करना इसके साथ ही कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास स्थापित करने की घोषणा अच्छा कदम है।

विनिर्माण क्षेत्र में एमएसएमई के लिए लोन गारंटी योजना लाई जाएगी, जिसमें 100 करोड़ रुपये तक के लोन के लिए गारंटी की जरूरत नहीं होगी। संकट से गुजर रहे एमएसएमई की कर्ज जरूरत सरकार-समर्थित कोष से पूरी की जाएगी। सरकार एमएसएमई खरीदारों के लिए टीआरईडीएस मंच पर अनिवार्य रूप से जुड़ने के लिए कारोबार की सीमा को 500 करोड़ रुपये से घटाकर 250 करोड़ रुपये किया जो एक सराहनीय कदम है।

-बजरंग लाल शर्मा (बसईवाले),हैदराबाद

प्रशंसनीय बजट

मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया

बजट प्रशंसा का पात्र है। केंद्रीय बजट 2024-25 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के लक्ष्य को साकार करने वाला एवं 'विकसित भारत' की संकल्पना को साकार करने वाला एक सशक्त बजट है। जिससे गरीब एवं मध्यम वर्ग को लाभ होगा। नवयुकों के रोजगार के लिए फंड आवंटित किया गया इससे रोजगार बढेगा।

-अमर सिंह राजपुरोहित
भाजपा नेता

शानदार बजट

वित्त मंत्री निर्मला सितारमण द्वारा पेश केंद्रीय बजट एक स्वर्णिम बजट है। इतना शानदार बजट इससे पहले कभी प्रस्तुत नहीं हुआ है। बजट में वित्त मंत्री का कठोर परिश्रम और भारत के चहुंमुखी विकास का प्रयास प्रत्यक्षरत से परिलक्षित होते हैं। इस बजट का उच्चतम फोकस अधिकतर रोजगार का सृजन कर युवा शक्ति का कल्याण है जिसमें 5 वर्षों में 4 करोड़ रोजगार का महत्वकांक्षी लक्ष्मी साधने का रखा गया है। साथ ही स्किल डेवेलप्मेंट के अंतर्गत 500 टॉप कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को 5000 रुपये मासिक पर इंटर्नशिप का प्रस्ताव है।आंध्र प्रदेश के लिए 15000 करोड़ और बिहार के लिए 26000 करोड़ का विशेष आर्थिक पैकेज, झारखंड, उड़ीशा और पश्चिम बंगाल को एक विशेष आर्थिक हब के रूप में उभरने में मददगार होगा। प्राकृतिक आपदा को भी वित्त मंत्री ने प्राकृति के भरोसे ना छोड़कर प्रतिवर्ष बाढ का कोप भाजन बन रहे बिहार और असम के लिए समुचित राशि आवंटित की है। इस बजट द्वारा भारत की निगाहें 2047 पर केंद्रित करते हुए वित्त मंत्री ने कई दूरगामी योजनाएं बजट से रखी हैं। केवल जल थल और नभ से भी संतुष्ट ना होते हुए वित्त मंत्री ने अंतरिक्ष में भी भारत के विकास के झंडे गाडने की महत्वकांक्षा के साभ स्पेस अर्थव्यवस्था को 10 वर्षों में 5 गुणा करने का लक्ष्य रखा है। कुल मिलाकर यह स्वतंत्र भारत का संतुलित और श्रेष्ठ बजट है, जिसमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर ठोस घोषणाएं हैं तो साथ ही साथ किसान, युवा, शिक्षा, कृषि, आदिवासी और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ठ बनाने की महत्वकांक्षी योजना का रूट मैप है।

-जी.डी. उपाध्याय,चार्टर्ड एकाउंटेंट

तेलंगाना विधानसभा का बजट सत्र शुरू

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना विधानसभा का बजट सत्र मंगलवार को शुरू हो गया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सत्र शुरू होते ही मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने दिवंगत कैंटोनमेंट विधायक लास्या नंदिता के लिए शोक प्रस्ताव पेश किया और चर्चा शुरू की।

उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क 25 जुलाई को विधानसभा में राज्य का बजट पेश करने वाले हैं। उसी दिन सुबह नौ बजे बजट को मंजूरी देने के लिए विधानसभा समिति हॉल में मंत्रिमंडल की बैठक होगी। विधान परिषद का सत्र बुधवार सुबह 10 बजे शुरू होगा।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि विधानसभा सत्र के दौरान, किसान आश्वासन और रोजगार कैलेंडर पर चर्चा होगी। पुलिस ने विधानसभा और परिषद के आसपास के इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये हैं।

कांग्रेस के विधायक ने कहा कि उनकी सरकार ने सात महीने में वह कर दिखाया जो पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की सरकार दस साल में नहीं कर पायी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के 64 विधायक जीते थे, जिससे विधानसभा में कांग्रेस की संख्या में इजाफा हुआ है। हाल ही में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कई विधायक कांग्रेस में शामिल हुए, जिससे 10 और विधायकों की संख्या बढ़ गई।

इसके अलावा कैंटोनमेंट उपचुनाव जीतने वाले नए कांग्रेस विधायक गणेश विधानसभा में प्रवेश करेंगे। साथ ही कांग्रेस पार्टी के साथ छह और विधानसभा परिषद के सदस्य शामिल हुए हैं।

दूसरी ओर, बीआरएस नेताओं ने कहा है कि वे विधानसभा सत्र के दौरान सरकार द्वारा छह गारंटियों के क्रियान्वयन का विरोध करेंगे। बीआरएस विधायकों ने विधानसभा पहुंचने से पहले गनपार्क शहीद स्तूप पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व मुख्यमंत्री राव इस बजट सत्र में मुख्य विपक्षी नेता के रूप में शामिल होंगे।

नंदिता के निधन पर शोक प्रस्ताव के बाद सदन स्थगित

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना विधानसभा का बजट सत्र मंगलवार को यहां शुरू हुआ और भारत राष्ट्रीय समिति (बीआरएस) की छावनी विधायक लास्या नंदिता के निधन पर शोक प्रस्ताव के बाद स्थगित कर दिया गया।सभी सदस्यों ने सुश्री नंदिता के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन रखा। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने सत्र बुधवार को 10 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। बजट सत्र 11 बजे शुरू हुआ। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सिकंदराबाद के छावनी की विधायक लास्या नंदिता के निधन पर शोक प्रस्ताव पेश किया। सदस्यों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर नंदिता को श्रद्धांजलि दी, जिनकी 23 फरवरी को एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

श्री रेवंत रेड्डी ने शोक प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि सुश्री लास्या नंदिता के पिता सायन्ना एक साधारण परिवार में पैदा हुए और कदम दर कदम आगे बढ़े। उन्होंने

विधायक के रूप में लोगों को कई सेवाएं दीं और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हुए ही उनका निधन हो गया। लोगों ने सायन्ना के उत्तराधिकारी के रूप में कुमारी लास्या नंदिता को छावनी विधायक के रूप में चुना। उन्होंने कहा, सुश्री लास्या की आकस्मिक मृत्यु बहुत दुखद है। सायन्ना मृदुभाषी थे और राजनीति से परे सभी के साथ मिलजुलकर रहते थे। वे छावनी क्षेत्र को जीएचएमसी में विलय करने की आकांक्षा रखते थे। दुर्भाग्य से, जब यह पूरा हुआ, तब वे हमारे बीच नहीं थे। अगर लास्या जीवित होतीं तो उन्हें बहुत खुशी होती। दुख की बात है कि वे इस महत्वपूर्ण समय में हमारे बीच नहीं हैं। भले ही वे अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वे हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगे। हमारी सरकार उनकी महत्वाकांक्षाओं और उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों को आगे बढ़ाएगी। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए शोक प्रस्ताव पेश करता हूं।

बाद में विधायी कार्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, विधायक केटीआर, तलसानी श्रीनिवास यादव, सुनीता लक्ष्मारेड्डी, मुथा गोपाल, राजशेखर रेड्डी, कूनानेनी संबाशिवराव, एलेटी महेश्वर रेड्डी, एल. शंकर, मक्कन सिंह राज ठाकुर और गणेश ने लास्या नंदिता के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की और शोक प्रस्ताव का समर्थन किया। बीआरएस विधायक के. टी. रामा राव ने कहा कि यह बहुत दुखद है कि एक साल के अंतराल में पिता और बेटी का निधन हो गया। उन्होंने कहा कि जब सायन्ना का निधन हुआ तो तत्कालीन मुख्यमंत्री केसीआर ने विधानसभा में कहा था कि पार्टी परिवार के साथ खड़ी रहेगी और उनकी बेटी नंदिता को बीआरएस उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने का फैसला किया। कांग्रेस, बीआरएस, बीजेपी, एआईएमआईएम और सीपीआई के सदस्यों ने नंदिता के निधन पर शोक व्यक्त किया। सर्वसम्मति से शोक प्रस्ताव पारित करने के बाद सदन स्थगित कर दिया गया और सम्मान स्वरूप एक मिनट का मौन रखा गया।

किसानों के मुद्दे पर भाजपा विधायकों ने अंबेडकर प्रतिमा से विधानसभा तक मार्च निकाला

हैदराबाद/कागजनगर, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के विधायकों और विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) ने मंगलवार को बजट सत्र के पहले दिन टैंकबंड में अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद विधानसभा तक मार्च निकाला। इस अवसर पर सिरपुर टी विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने तेलंगाना राज्य में किसानों की समस्याओं से खराब तरीके से निपटने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने फसल बीमा योजना लागू नहीं किये जाने और फसल क्षति मुआवजा नहीं दिये जाने के लिए कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लिया। साथ ही मांग की कि धान का 500 रुपए बोनस और प्रत्येक किसान को 15 हजार रुपए तथा किसान की मजदूरी का 12 हजार रुपए तुरंत जारी किया जाए। इस पदयात्रा में भारतीय जनता पार्टी के विधायक नेता इलेटी महेश्वर रेड्डी, विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू, के. वेंकटरमण रेड्डी, पायला शंकर, धनपाल सूर्यनारायण गुप्ता, रामाराव पटेल, राकेश रेड्डी और एमएलसी एवीएन रेड्डी, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कोंडापल्ली श्रीधर ने भाग लिया। फिर वे नारे लगाते हुए विधानसभा में प्रवेश कर गए। उन्होंने किसानों के मुद्दों पर विधानसभा में चर्चा कराने का वादा किया।

विधानसभा सत्र में जाने से पहले बीआरएस विधायक तेलंगाना शहीद स्मारक (गनपार्क) पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

नीट यूजी परीक्षा रद्द नहीं होगी, सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा कराने की गुहार ठुकराई

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने स्नातक स्तर की मेडिकल एवं अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले से संबंधित पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2024 रद्द कर दोबारा आयोजित कराने की गुहार मंगलवार ठुकरा दी।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने दोबारा परीक्षा आयोजित कराने की मांग वाली याचिकाएं ठुकराते हुए कहा कि रिकॉर्ड में मौजूद आंकड़े प्रश्नपत्र के व्यवस्थित रूप से सार्वजनिक होने के संकेत नहीं देते हैं।

पीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि उपलब्ध आंकड़ों की जांच में कोई सबूत नहीं मिला, जिससे यह पता चल सके की प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने समेत अन्य अनियमितताओं के पीछे परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था राष्ट्रीय

परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की प्रणालिगत विफलता है।

पीठ ने कहा, हमारा विचार है कि रिकॉर्ड में मौजूद तथ्यों के आधार पर इस अदालत द्वारा प्रतिपादित स्थापित सिद्धांतों के आधार पर पूरी परीक्षा को रद्द करने का आदेश देना उचित नहीं है।

पीठ ने हालांकि कहा कि यदि जांच में लाभार्थियों की संख्या में वृद्धि का पता चलने पर काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद किसी भी स्तर पर ऐसे किसी भी विद्यार्थी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि कोई भी अभ्यार्थी इस धोखाधड़ी में शामिल पाया जाता है या लाभार्थी है, उसे नामांकन जारी रखने में किसी भी निहित अधिकार का दावा करने का अधिकार नहीं होगा। पीठ ने कहा कि यह सच है कि नीट यूजी 2024 का प्रश्न पत्र हजारीबाग और पटना में सार्वजनिक हुआ था। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि हजारीबाग और पटना के केवल 155 विद्यार्थी ही इसके (प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने और अन्य अनियमितताओं) के लाभार्थी थे।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वर्तमान वर्ष के लिए नए सिरे से नीट कराने का निर्देश देना इस परीक्षा में बैठने वाले करीब 24 लाख से विद्यार्थियों के लिए गंभीर परिणामों से भरा होगा। पीठ ने यह भी कहा कि दाखिले के कार्यक्रम में व्यवधान से भविष्य में योग्य चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर प्रभाव समेत अन्य पहलुओं पर विचार करने के बाद फैसला दिया गया।

पीठ ने कहा कि नीट परीक्षा 05 मई को आयोजित की गई थी और परिणाम 4 जून को घोषित किए गए थे। परीक्षा में लगभग 23 लाख 33 हजार अभ्यर्थी उपस्थित हुए।

मेडिकल स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए 1.08 लाख सीटें हैं, जिनमें से 56000 सीटें सरकारी कॉलेजों में और बाकी निजी संस्थानों में हैं। शीर्ष अदालत ने केंद्र और एनटीए का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और याचिकाओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र हुड्डा, संजय हेगड़े और एडवोकेट मैथ्यूज जे नेदुम्परा सहित अन्य की दलीलें चार दिनों तक सुनने के बाद फैसला सुनाया।

मृतक हेड कांस्टेबल के परिवार को एसपी ने सौंपा आठ लाख का चेक

आसिफाबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

के जलपति राव, जो आसिफाबाद पुलिस स्टेशन में हेड कांस्टेबल के रूप में कार्यरत थे, उनकी सितंबर 2023 में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। मृतक हेड कांस्टेबल जलपति राव के परिवार को मंगलवार को पुलिस अधीक्षक डीवी श्रीनिवास ने अपने कार्यालय में 8,00,000 (आठ लाख) रुपए का सुरक्षा चेक प्रदान किया। इस अवसर पर एसपी ने कहा कि पुलिस विभाग में लगातार ड्यूटी पर रहने वाले पुलिसकर्मी स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखे। मृतक पुलिसकर्मियों के परिवारों के लिए पुलिस विभाग हमेशा खड़ा रहेगा। एसपीने जलपति के परिवार के सदस्यों को आश्वासन दिया कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे कि परिवार के एक योग्य व्यक्ति को सरकारी नौकरी मिले। इस कार्यक्रम में आरआई प्रशासन पेद्दैया, जिला पुलिस कार्यालय एओ श्रीनिवास, जिला पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष एम विजय शंकर रेड्डी, वरिष्ठ सहायक अजय वर्मा और जलपति राव की पत्नी, बेटे और बेटी ने भाग लिया।

पीने के पानी के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं ग्रामीण

आसिफाबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नदी में पीने के पानी के लिए ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। उन्हें बाढ़ से भी पीने का पानी मिलने वाला नहीं है, भले ही आदमी नदी की तेज प्रवाह में डूब रहा हो। कुमरमभीम आसिफाबाद जिले के दहेगाम मंडल के पीकलागुंडम गांव में 80 परिवार रहते हैं। यहां हैंडपंप काम नहीं कर रहे हैं। कागजनगर मंडल के अंदावेल्ली में पेद्दावागु पुल से पाइपलाइन का काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है। मिशन भागीरथ के कारण 20 दिनों से अधिक समय से जलापूर्ति बंद है। हालांकि एर्रावागु के तट पर संरक्षित पेयजल योजना है, लेकिन मोटर खराब हुए पांच दिन हो गये हैं। चार दिनों से हो रही बारिश के कारण लोगों को पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

स्थानीय एर्रावागु नदी में पानी का प्रवाह तेज़ है। इसके बावजूद ग्रामीण नदी की तेज धार में नदी को पार करके भी पीने का पानी ला रहे हैं। ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त की कि लोगों को बरसात के मौसम में भी पीने के पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि देश को आजादी मिले 76 साल होने के बाद भी हम ग्राम वासियों को पीने के पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। नेता हमारी समस्याओं का नजर अंदाज कर रहे हैं।

सलबतपुर हनुमान मंदिर गोशाला से एक गाय चुरा ले गए चोर

मदनूर, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्थानीय जनता ने पत्रकारों के साथ बातचीत में बताया कि मदनूर मंडल के सलबतपुर गांव के दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर तेलंगाना के साथ-साथ महाराष्ट्र एवं कर्नाटक में भी प्रसिद्ध है। स्थानिक भक्तों ने अपनी मन्नत पूरी होने के बाद दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में गाय हो या उसका बछड़ा को पुरोहित द्वारा पूजा-अर्चना करने के बाद मंदिर परिसर में छोड़ देने के बाद मंदिर के कर्मचारी इस गोमाता की देखभाल करते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि जून माह में मंदिर अधिकारी व कर्मचारियों की लापरवाही के कारण मंदिर की एक गाय चोरी हो गई। इस विषय में मंदिर कर्मचारी वेणु कुलकर्णी ने बताया कि मंदिर में गाय चोरी होने की रिपोर्ट मदनूर पुलिस स्टेशन में दर्ज करा दी गई है। मंदिर में कुल 28 गाय थीं उनमें से 27 गाय मौजूद हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.